

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 54 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 20 अक्टूबर 2026(मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

टाइगर श्रॉफ के समर्थन में उतरे विद्युत जामवाल, बोले- तुम सबसे निडर इंसान हो



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हमले की घटना के बाद अभिनेता विद्युत जामवाल ने उनके समर्थन में आवाज उठाई है। विद्युत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर टाइगर का हौसला बढ़ाया और उन्हें सबसे निडर इंसान बताया। उन्होंने टाइगर के प्रति अपना प्यार और समर्थन जताने के साथ उनके प्रशंसकों से भी सवाल किया कि जब वे अपने पसंदीदा सितारे के लिए इतना उत्साह दिखाते हैं, तो इस मुश्किल घड़ी में उन्हें उसके साथ खड़े होने के लिए भी आगे आना चाहिए। विद्युत ने वीडियो में टाइगर को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में जितने भी लोगों को जाना है, उनमें टाइगर सबसे निडर इंसान हैं। उन्होंने कहा कि वह टाइगर से प्यार करते हैं और उनके सबसे बड़े प्रशंसकों में से एक हैं। विद्युत के इस संदेश में टाइगर के प्रति दोस्ती, अपनापन और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता दिखाई दी। विद्युत ने टाइगर के उन प्रशंसकों का जिक्र किया, जो उन्हें फुटबॉल खेलते देखने के लिए मैदान पर पहुंचते हैं और उनका उत्साह बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग खुद को टाइगर का सबसे बड़ा प्रशंसक बताते हैं।

60 हजार रुपये के किराये ने उजाड़ दिया परिवार, सूरत में मां और छोटे भाई की हत्या

तीन दुकानों की आमदनी और संपत्ति में हिस्सेदारी को लेकर दो साल से चल रहा था विवाद

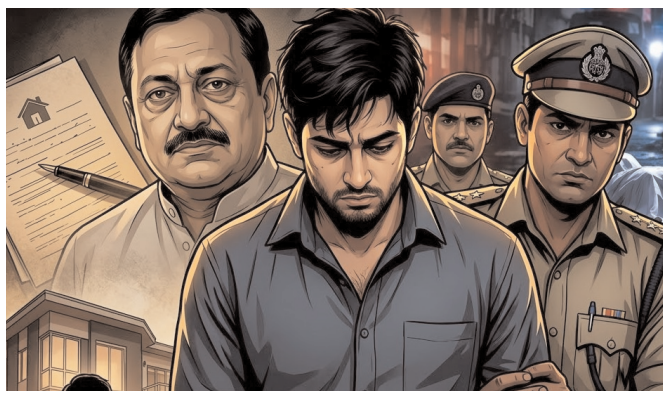
बड़े बेटे पर चाकू से हमला करने का आरोप; पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। गुजरात के सूरत शहर के लिंबायत इलाके में संपत्ति और दुकानों से मिलने वाले किराये को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद एक दर्दनाक वारदात में बदल गया। तीन दुकानों से मिलने वाले मासिक किराये की रकम को लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव था। इसी विवाद के बीच बड़े बेटे श्रीनिवास पर अपनी मां मल्लेश्वरी और छोटे भाई राजू की चाकू से हमला कर हत्या करने का आरोप है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार, परिवार की तीन दुकानों से हर महीने करीब 60 हजार रुपये किराया मिलता था। मां मल्लेश्वरी यह रकम अपने साथ रहने वाले छोटे बेटे राजू को देती थीं। बड़े बेटे श्रीनिवास को इस व्यवस्था पर आपत्ति थी। वह चाहता था कि संपत्ति और दुकानों से होने वाली आमदनी में उसे भी बराबर का हिस्सा मिले। इसी मुद्दे को लेकर परिवार में मतभेद बढ़ते गए और विवाद लगातार गहराता चला गया। बताया जा रहा है कि संपत्ति और किराये की रकम को लेकर परिवार में करीब दो वर्षों से विवाद चल रहा था। इस दौरान मामले को सुलझाने के लिए बातचीत और बैठकें भी हुईं, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका। समय के साथ नाराजगी बढ़ती गई और परिवार के सदस्यों के बीच तनाव बना रहा। आखिरकार यही विवाद गंभीर आपराधिक घटना में बदल गया।

सुबह घर पहुंचा आरोपी, विवाद के दौरान हुआ हमला

पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह आरोपी श्रीनिवास घर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि उसने अपनी मां और छोटे भाई पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों की मौत हो गई। घटना की जानकारी सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू की। मृतकों की पहचान मल्लेश्वरी और उनके छोटे बेटे राजू के रूप में बताई गई है। परिवार मूल रूप से तेलंगाना का रहने वाला बताया गया है और सूरत में रह रहा था। मां और छोटे



भाई की हत्या के आरोप ने परिवार के भीतर चल रहे विवाद को गंभीर आपराधिक मामले में बदल दिया। किराये की रकम को लेकर लंबे समय से था मतभेद इस मामले में तीन दुकानों से मिलने वाली आमदनी विवाद का प्रमुख कारण बताई जा रही है। हर महीने करीब 60 हजार रुपये का किराया परिवार के लिए आय का महत्वपूर्ण स्रोत था। मां द्वारा यह रकम छोटे बेटे को दिए जाने से बड़े बेटे की नाराजगी बढ़ गई थी। वह संपत्ति और किराये की रकम में समान हिस्सेदारी चाहता था। हालांकि, किसी भी पारिवारिक विवाद का समाधान हिंसा नहीं हो सकता। इस घटना में दो लोगों की जान जाने से परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने और वारदात के पीछे की परिस्थितियों को स्पष्ट करने में जुटी है।

आरोपी गिरफ्तार, पुलिस जांच जारी

पुलिस ने आरोपी श्रीनिवास को गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान परिवार के भीतर संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद, घटना से पहले की परिस्थितियों और हमले के घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है। पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। सूरत के लिंबायत में हुई इस घटना ने संपत्ति और आर्थिक हितों को लेकर परिवारों में पैदा होने वाले गंभीर विवादों की ओर ध्यान खींचा है। तीन दुकानों से मिलने वाले किराये को लेकर शुरू हुआ मतभेद दो लोगों की मौत का कारण बन गया। अब मामले की जांच के बाद ही घटना से जुड़े सभी पहलुओं की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

तीन दुकानें, 60 हजार किराया और खूनी विवाद

सूरत के लिंबायत में तीन दुकानों से मिलने वाले 60 हजार रुपये मासिक किराये को लेकर परिवार में करीब दो साल से विवाद चल रहा था। बड़े बेटे पर मां और छोटे भाई की हत्या का आरोप है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है

'रामायण' की एडवांस बुकिंग 20 अक्टूबर से होगी शुरू, 5 नवंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी फिल्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म की एडवांस बुकिंग 20 अक्टूबर से पूरे भारत में शुरू होने की जानकारी दी गई है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। भारतीय पौराणिक कथा पर आधारित इस फिल्म को भव्य सिनेमाई प्रस्तुति के साथ दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी की गई है। एडवांस बुकिंग शुरू होने के साथ ही दर्शकों को रिलीज से पहले अपनी टिकटें बुक करने का अवसर मिलेगा। टिकटों की बुकिंग प्रमुख ऑनलाइन टिकट बुकिंग मंचों के माध्यम से की जा सकेगी। फिल्म की रिलीज में अब कम समय बचने के कारण इसके प्रदर्शन और दर्शकों की प्रतिक्रिया को लेकर उत्सुकता बढ़ने की उम्मीद है।

लंदन से लौटने के बाद पति के टॉर्चर करने पर पत्नी ने सुसाइड कर लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक और इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी मेटा से दोनों मंचों के एल्गोरिदम की समीक्षा करने को कहा है। मंत्रालय ने चिंता जताई है कि यूजर्स को एकतरफा नैरेटिव से जुड़ी सामग्री जरूरत से ज्यादा दिखाई जा रही है। सरकार चाहती है कि सोशल मीडिया मंचों पर



चल रहे सार्वजनिक कार्यक्रमों से जुड़ी सामग्री को पर्याप्त संदर्भ के साथ प्रस्तुत किया जाए, ताकि यूजर्स किसी फोटो, वीडियो या अन्य पोस्ट की वास्तविकता, तारीख, स्थान और परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ सकें। मंत्रालय ने इस संबंध में 10 अक्टूबर को सलाह जारी की थी, जिसकी जानकारी सोमवार को सामने आई। इसमें मेटा से सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने, हिंसा भड़काने या गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली सामग्री की निगरानी और जांच मजबूत करने को कहा गया है।

गिरधन, घी किंग, अमृत और राधा केशव के नाम पर ज़हरीला और नकली घी खपाया जा रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। क्या वडोदरा के किचन में इस्तेमाल होने वाला शुद्ध घी सच में शुद्ध है या आपकी और आपके परिवार की सेहत के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है? अगर आप भी बाज़ार से गिरधन, घी किंग, अमृत या राधा केशव जैसे मशहूर ब्रांड का घी खरीदकर खा रहे हैं, तो यह रिपोर्ट आपके होश उड़ाने के लिए काफ़ी है। वडोदरा शहर से सामने आया यह



नकली घी का धंधा इतना जानलेवा और डरावना है कि जानकर आपकी रूह कांप जाएगी। वडोदरा में असली और शुद्ध घी के नाम पर मिलावटी, नुकसानदायक और नकली घी से कस्टमर्स को ठगा जा रहा था। त्योहारों या रोज़मर्रा की ज़िंदगी में लोग शुद्धता और सेहत के लिए जिन ब्रांड्स पर भरोसा करते हैं, उन्हीं ब्रांड्स की आड़ में एक खतरनाक स्कैम चल रहा था। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट और जांच एजेंसियों की बड़ी रेड में पता चला कि वडोदरा और आस-पास के इलाकों में इन ब्रांड्स के नाम पर नकली घी बनाने और बेचने का काम चल रहा था राधा केशव इन सभी जाने-माने ब्रांड्स के डिब्बों और पैकिंग का गलत इस्तेमाल करके कस्टमर्स की आंखों में धूल झोंकी जा रही थी और बड़ी मात्रा में नकली घी मार्केट में उतारा जा रहा था।

अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के दोषी मोहम्मद तनवीर की फांसी पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

गुजरात हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वर्ष 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के मामले में दोषी मोहम्मद तनवीर को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने तनवीर की फांसी की सजा पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने उसकी याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। तनवीर ने गुजरात हाईकोर्ट के 7 जुलाई 2026 के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। यह मामला देश के सबसे गंभीर आतंकी हमलों में शामिल अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों से जुड़ा है। 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद के अलग-अलग इलाकों में करीब 70 मिनट के भीतर 21 बम धमाके हुए थे।



इन विस्फोटों में 56 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। लंबे समय तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद इस मामले में कई आरोपियों को दोषी ठहराया गया और उन्हें अलग-अलग सजाएं सुनाई गईं। अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के मामले में गुजरात की विशेष अदालत ने फरवरी 2022 में फैसला सुनाते हुए 38 दोषियों को मौत की सजा सुनाई थी। इसके अलावा 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा दी गई थी। विशेष अदालत के इस फैसले को दोषियों ने गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। गुजरात हाईकोर्ट ने 7 जुलाई 2026 को अपना फैसला सुनाते हुए विशेष अदालत के निर्णय को बरकरार रखा था। हाईकोर्ट ने दोषियों की ओर से दायर अपीलों को खारिज करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े दोषियों की सजाओं को सही ठहराया था। इसी फैसले के खिलाफ मोहम्मद तनवीर ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब शीर्ष अदालत ने तनवीर की फांसी की सजा पर रोक लगाकर मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया के लिए रास्ता खुला रखा है। यह राहत फिलहाल तनवीर की सजा से संबंधित है। इसे मामले के अन्य दोषियों की सजाओं पर लागू होने वाला आदेश नहीं माना जा सकता।

समाचार का बड़ा असरः शिणोर तालुका में दीपावली पर सस्ते अनाज की दुकानों में पहुँचा 100% तेल का स्टॉक!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। लोकतंत्र में मीडिया को 'चौथा स्तंभ' (चौथी जागीर) क्यों कहा जाता है, इसका एक सशक्त और जीवंत उदाहरण गुजरात के वडोदरा जिले के शिणोर तालुका से सामने आया है। जब-जब आम जनता के हक और खाद्य वितरण प्रणाली की गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठते हैं, तब निष्पक्ष और सटीक खबरें किस तरह प्रशासन को हरकत में लाती हैं, यह इस घटना से साबित हो गया है। शिणोर तालुका में दीपावली के पावन पर्व के मौके पर सस्ते अनाज की दुकानों (कोटे की दुकानों) में खाने के तेल की किल्लत और विसंगति को लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी। इसका सीधा असर यह हुआ कि प्रशासनिक अमला तुरंत एक्शन में आया और अब सभी दुकानों में 100' तेल का स्टॉक आवंटित कर दिया गया है। केंद्र सरकार और गुजरात सरकार द्वारा अंत्योदय तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम राशन कार्ड धारकों को दीपावली के त्योहारों के अवसर पर मुफ्त एवं रियायती दरों पर राशन का वितरण किया जा रहा है। इस योजना के तहत शिणोर तालुका के पंडित दीनदयाल ग्राहक भंडार (सस्ते अनाज की दुकानों) के संचालकों द्वारा नियमों के अनुसार परमिट का 100' भुगतान पहले ही जमा कर दिया गया था। लेकिन, शिणोर गोदाम की ओर से 'पहले आओ, पहले पाओ' की तर्ज पर कुछ दुकानों को तो पूरा सामान दे दिया गया, दुकानदारों को 100' के बजाय केवल 70' तेल का ही स्टॉक सौंपा गया। व्यापारियों द्वारा पूरा पैसा जमा कराने के बावजूद कम राशन मिलने से दुकानों पर आए दिन राशन कार्ड धारकों और कोटेदारों के बीच कहासुनी और विवाद की स्थिति बन रही थी। त्योहार के सीजन में गरीब परिवारों को पूरा तेल न मिलने से जनता में भारी आक्रोश व्याप्त था।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की हिरासत दो दिन बढ़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की न्यायिक हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी गई है। सोमवार को दोनों को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश किया गया। पुलिस ने उनकी हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसे मजिस्ट्रेट ने मंजूर कर लिया। अब दोनों नेताओं



को बुधवार को दोबारा पेश किया जाएगा। दोनों 14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद हैं। आरोप है कि दोनों नेताओं ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए लागू प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। वहीं, कॉकरोच जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि दोनों नेताओं की रिहाई में जानबूझकर देरी की जा रही है और जमानत की प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से लंबा खींचा जा रहा है। पार्टी ने कहा है कि वह दोनों नेताओं की रिहाई के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखेगी। सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं की जमानत से संबंधित सुनवाई में देरी हुई। उनके मुताबिक, रविवार को जमानत पर सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट और सरकारी वकील दोपहर 12 बजे से इंतजार के बाद शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। रत्ना सिंह का दावा है कि दोनों नेताओं की रिहाई पर सुनवाई करने के बजाय मजिस्ट्रेट को मिले एक धमकी भरे संदेश पर चर्चा की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि इस संदेश का दोनों नेताओं की जमानत से क्या संबंध है। उनके अनुसार, पार्टी ने संदेश भेजने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। पार्टी ने इस घटनाक्रम को जमानत प्रक्रिया में देरी से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं।

अमराईवाड़ी में खूनी बदलाः दो महीने पुराने झगड़े में विकेश गुर्जर की बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। क्या अहमदाबाद शहर क्राइम का हॉटस्पॉट बनता जा रहा है? हर दिन छोटी-बड़ी वजहों से हत्याएं आम होती जा रही हैं। हाल ही में अहमदाबाद के सेंसिटिव अमराईवाड़ी इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दुश्मनी में जल रहे दो आरोपियों ने एक युवक का जीना मुश्किल कर दिया और आखिर में बेरहमी से उसकी हत्या कर



दी। दो महीने पहले हुए एक आम झगड़े के गुस्से और बदले की जानलेवा सोच ने एक बेगुनाह युवक की जान ले ली। कुछ समय पहले अहमदाबाद के अमराईवाड़ी इलाके में आरोपियों और मृतक के बीच किसी बात को लेकर बहस और मारपीट हो गई थी। उस समय तो मामला शांत हो गया था, लेकिन अंदर ही अंदर बदले की आग जल रही थी। आरोपी रोहित गुप्ता और मदन राजपूत विकेश गुर्जर नाम के एक युवक से दिमागी दुश्मनी रखते थे और उसे सबक सिखाने के लिए सही मौके की तलाश में थे। इस दो महीने पुरानी दुश्मनी और मन में भरे ज़हर की वजह से आरोपियों ने विकेश गुर्जर पर अचानक जानलेवा हमला करने का प्लान बनाया। जब विकेश अकेले या सड़क पर होता, तो इन दोनों हत्यारों ने पहले से तय साज़िश के तहत उस पर हमला कर दिया। आरोपी रोहित गुप्ता और मदन राजपूत ने विकेश गुर्जर पर बेरहमी की सारी हदें पार कर दीं। उन्होंने अपने पास मौजूद घातक हथियारों से विकेश पर एक के बाद एक जानलेवा हमले किए।

मणिपुर में 24 घंटे में हिंसा की दो घटनाएं, चार लोगों की मौत; मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इम्फाल। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। 24 घंटे के भीतर हुई दो अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। सोमवार सुबह इम्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा के पास लकड़ी लेने गए लोगों के समूह पर संदिग्ध उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। समूह के तीन लोग लापता बताए गए हैं। घटना से नाराज लोगों ने इम्फाल में मुख्यमंत्री के आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इससे पहले रविवार रात थौबल जिले में दो समुदायों के बीच झड़प के दौरान गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस घटना में कई लोग घायल हुए। पत्थरबाजी के दौरान कुछ घरों और वाहनों में आग लगाए जाने की भी जानकारी सामने आई। लगातार हुई इन घटनाओं ने राज्य में सुरक्षा व्यवस्था और सामान्य स्थिति बहाल करने की चुनौतियों को फिर उजागर कर दिया है। हमले की घटना कांगपोकपी जिले के खोंगबाल सुनुरोक उयोक इलाके में हुई। यह स्थान इम्फाल ईस्ट जिले के नोंगशुम गांव से कुछ मीटर की दूरी पर बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार सुबह करीब सात बजे 16 लोग लकड़ी लेने के लिए पहाड़ियों की ओर गए थे। इसी दौरान संदिग्ध उग्रवादियों ने समूह पर घात लगाकर हमला कर दिया। घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिल (35), लैरेनलकपम इनाओबी (51) और क्षेत्रिमायुम सुशील (32) के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, तीनों लकड़ी लेने गए समूह में शामिल थे। हमले में तीन अन्य लोग घायल हुए, जबकि तीन लोगों के लापता होने की सूचना है। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। हमले में मारे गए



लोगों के शव लेकर नाराज लोग इम्फाल पहुंचे और मुख्यमंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने घटना को लेकर नाराजगी जताई और सुरक्षा की मांग उठाई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने भीड़ को हटाने के उद्देश्य से आंसू गैस के गोले छोड़े। इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। लकड़ी लेने गए लोगों पर हमले से पहले रविवार रात थौबल जिले में दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी। पुलिस के अनुसार, इस दौरान लाइशराम राकेश की गोली लगने से मौत हो गई।

700 साल पुराने ऐतिहासिक डभोई बहुचराजी मंदिर में आठवें दिन भव्य हवन और लोक मेले का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। ऐतिहासिक और पौराणिक शहर दरभावती (आज का डभोई) अपनी अनोखी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। सोलंकी काल का श्री बहुचराजी माताजी का प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर डभोई शहर के पश्चिम में कुंभारवागा इलाके में है। लोककथाओं और इतिहासकारों के अनुसार, राजा विशालदेव के समय का यह मंदिर लगभग 600 से 700 साल पुराना है, जहाँ सदियों से पूरे इलाके के भक्तों की अटूट आस्था और भक्ति जुड़ी हुई है। हर रविवार को माताजी के इस पवित्र स्थान पर भक्त श्रद्धा से आनंद गरबा करते हैं। नवरात्रि उत्सव के दौरान, भक्तों द्वारा पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ नौ दिनों तक आनंद का एक खास गरबा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में माई के भक्त शामिल हुए और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। आसो सुद अठमे पर बड़ा हवन-यज्ञ और पारंपरिक लोक मेला नवरात्रि के पवित्र आसो सुद अठमे के शुभ अवसर पर, मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रों और शास्त्रों के अनुसार पूजा-पाठ के साथ एक बड़ा हवन-यज्ञ आयोजित किया गया। यज्ञ पूरा करने के बाद भक्तों ने खुद को धन्य महसूस किया। उसके बाद, शाम को लगभग 5:30 बजे, सालों की परंपरा के अनुसार मंदिर परिसर में एक बड़ा लोक मेला लगाया गया, जिसमें लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।



अहमदाबाद के बापूनगर में ड्रग्स नेटवर्क पर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई: 24.82 लाख की हेरोइन की दो खेप ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके बापूनगर में युवाओं को बर्बाद कर रहे ड्रग्स के काले धंधे पर पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। बापूनगर इलाके में ड्रग्स का अड्डा चलाने वाले भाई-बहन के गैंग के दो आदतन कूरियर और डिलीवरी मैन को 24.82 लाख रुपये की हाई-क्वालिटी हेरोइन के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया है। पुलिस को मिली खास और गोपनीय जानकारी के आधार पर बापूनगर इलाके में कड़ी निगरानी रखी गई थी। जांच के दौरान, संदिग्ध तरीके से घूम रहे दो लोगों को घेरकर गिरफ्तार किया गया। उनकी तलाशी के दौरान, उनके पास से लगभग 24,82,000/- कीमत की कीमती हेरोइन मिली। पुलिस ने ड्रग्स, मोबाइल फोन और कैश ज़ब्त करने के बाद दोनों कूरियर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया पुलिस की शुरुआती पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी बापूनगर में ड्रग्स नेटवर्क चलाने वाले मुख्य भाई-बहन गैंग के लिए कूरियर (कूरियर) का काम कर रहे थे। शहर में राज्य के बाहर से या दूसरी सीक्रेट जगहों से ड्रग्स की स्मगलिंग करके लोकल कस्टमर और युवाओं तक पहुंचाने का काम इन कूरियर को सौंपा गया था।

साबरमती जेल से भागा आजीवन कारावास का कैदी पकड़ा गया: अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद सिटी क्राइम ब्रांच ने एक बहुत ही कुख्यात और खूंखार आजीवन कारावास के कैदी को पकड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल की है, जो गुजरात के सुरक्षा सिस्टम और जेल प्रशासन को खुली चुनौती देने के बाद फर्लो से गायब हो गया था। हत्या जैसे गंभीर अपराधों की सजा काट रहा यह खून का प्यासा कैदी सलाखों के पीछे से भाग गया था, लेकिन वह क्राइम ब्रांच की नजर से बच नहीं सका। गुजरात जेल प्रशासन ने साबरमती सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कुख्यात आरोपी प्रवीण उर्फ भोलो पुरुषोत्तमभाई धवल को 14 दिन की फर्लो दी है। नियमों के मुताबिक, उसे अपनी छुट्टी खत्म होने के बाद जेल वापस आना था। लेकिन, जेल में पेश होने की आखिरी तारीख 11 सितंबर, 2026 होने के बावजूद यह चालाक कैदी जेल वापस नहीं आया और पुलिस और जेल प्रशासन को चकमा देकर अंडरग्राउंड हो गया। मर्डर और अटेम्प्ट टू मर्डर जैसे संगीन जुर्मों में शामिल इस आरोपी के भागने से सिक्योरिटी एजेंसियों में खलबली मच गई॥



MGNREGA घोटाले और मज़दूरों के शोषण पर बड़ा प्रहार

महानगर मेट्रो ब्यूर

गांधीनगर/भावनगर। गुजरात को 'डेवलपिंग' और 'मॉडल स्टेट' कहने वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार का सबसे घिनौना, असंवेदनशील और खून का प्यासा चेहरा आज पूरे राज्य के सामने आ गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व राज्यसभा MP शक्तिसिंह गोहिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो सबूत पेश किए, उससे राज्य की राजनीति और मज़दूर वर्ग में भूचाल आ गया है! 20 जून 2026 से मज़दूर भूख हड़ताल पर: सरकार कानून की धज्जियां उड़ा रही है! सरकार मेहनतकश मज़दूरों के पसीने की कद्र करने में पूरी तरह नाकाम रही है, जो किसी भी देश या राज्य के निर्माण की नींव होते हैं। दिल्ली में जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और सोनिया गांधी PA चेयरपर्सन थीं, तब गांव के मजदूरों की रोजी-रोटी पक्की करने के लिए MGN-REG जैसा ऐतिहासिक कानून लाया गया था। इस कानून के मुताबिक मजदूर के किए गए किसी भी काम का पेमेंट सिर्फ 15 दिनों के अंदर उसके बैंक अकाउंट में जमा होना कानूनी तौर पर ज़रूरी है। लेकिन गुजरात में 20 जून, 2026 से लाखों मजदूर जो बिना थके पसीना बहा रहे हैं, उन्हें उनके हक की कमाई का एक भी रुपया नहीं मिला है! नवरात्रि और दशहरा जैसे बड़े त्योहार बीत गए हैं, लेकिन गरीब मजदूरों के घरों में चूल्हा जलाना भी मुश्किल हो गया है। शक्तिसिंह गोहिल ने न सिर्फ आरोप लगाए हैं, बल्कि डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट एजेंसी भावनगर के डायरेक्टर की तरफ से रूरल डेवलपमेंट कमिश्नर को 17/09/2026 को लिखे गए ऑफिशियल लेटर की कॉपी मीडिया के सामने रखकर सरकार के झूठ को भी बेनकाब किया है। सरकारी किताबों में दर्ज आंकड़ों के मुताबिक मज़दूरों की पेमेंट: भावनगर ज़िले में काम करने वाले गरीब मज़दूरों का 2,66,01,850/- रुपये (दो करोड़ छियासठ लाख एक हज़ार आठ सौ पचास) पिछले कई महीनों से बकाया है! METS (सुपरवाइज़र) का शोषण: अकेले भावनगर ज़िले में, MGNREGA के तहत काम करवाने वाले सुपरवाइज़र का 1,04,43,313/- रुपये (एक करोड़ चार लाख तैंतालीस हज़ार तीन सौ तेरह) बकाया है! आत्महत्या की धमकी और आंदोलन का ज्वालामुखी कलेक्टर के ऑफ़िस तक चीखें पहुँचीं! भावनगर सरकार के डायरेक्टर की चिट्ठी में साफ़ तौर पर माना गया है कि तालुकाओं में लाखों रुपये बकाया होने की वजह से मज़दूरों में भारी गुस्सा है। पैसे की तंगी से जूझ रहे मज़दूर अब आंदोलन करने और आत्महत्या करने की धमकी दे रहे हैं! इसके बावजूद, बेपरवाह प्रशासन का दिल नहीं पसीजा। करप्ट मलाई खा रहे हैं, मज़दूर खून के आंसू रो रहे हैं! इसी MNREGA स्कीम में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंत्रियों समेत कथित नेताओं के करप्शन और ब्लैकमनी के मामले एक के बाद एक सामने आ रहे हैं। एक तरफ़ BJP के आका MNREGA से मलाई निकाल रहे हैं तो दूसरी तरफ़, काली मेहनत करने वाले मज़दूर भीख मांगकर अपने परिवार का पेट पालने को मजबूर हो गए हैं!

धर्म के नाम पर पाखंड का महाविनाश: जैन मुनि सागरचंद्र सागर के वायरल कांड का सबसे घातक और नग्न सच

जैन मुनि सागरचंद्र सागर से जुड़े वायरल फोटो-वीडियो पर विवाद, सरकारी फोरेंसिक रिपोर्ट को लेकर बड़ा दावा

मुनि सागरचंद्र सागर प्रकरण में नया मोड़, वायरल तस्वीरों की सत्यता और कथित रिपोर्ट पर उठे सवाल

सागरचंद्र सागर मामले में आरोपों से मचा हड़कंप, एफआईआर की तैयारी के दावे से बढ़ी हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

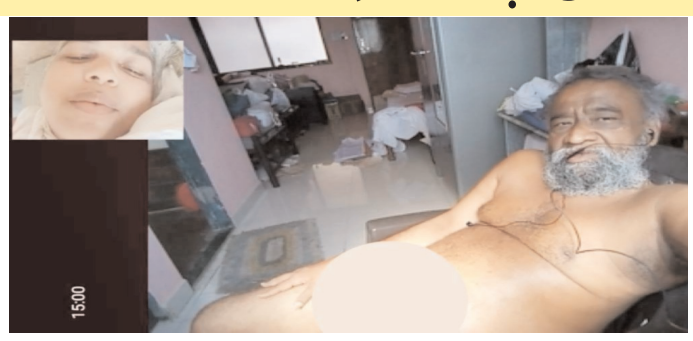
गांधीनगर/अहमदाबाद। धर्म, आस्था, पवित्रता और आध्यात्मिकता के पवित्र मुखौटे के पीछे छिपे अधर्म, पाप और भयानक पाखंड का पर्दाफाश करता महानगर मेट्रो न्यूज़ का यह विशेष अखाबारी आलेख पूरे जैन समाज और श्रद्धालु जगत को हिलाकर रख देने के लिए काफी है। जैन मुनि सागरचंद्र सागर के अत्यंत अंसस्कारी, नग्न और धर्म को कलंकित करने वाली तस्वीरों तथा साध्वीजी के साथ कथित अशील वीडियो कॉल के जो स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हुए थे, उस पर से अब ऐसा भयानक और कड़वा सच बाहर आया है जिसे देखकर पैरों तले जमीन खिसक जाएगी!

फर्जी रिपोर्ट्स और झूठ की आड़ में मीडिया को गुमराह करने का घृणित खेल!

अब तक मुनि सागरचंद्र सागर और उनके वफादार सिंडिकेट द्वारा महानगर मेट्रो न्यूज़ के समक्ष अत्यंत चालाकीपूर्वक कुछ नकली सबूत और निजी प्रयोगशालाओं की फर्जी रिपोर्ट्स पेश की गई। इन तमाम दस्तावेजों में गंभीर दावा किया गया था कि ये सभी विवादास्पद और नग्न तस्वीरें पूरी तरह से एडिटेड, मॉर्फ्ड यानी डिजिटल छेड़छाड़ करके बनाई गई हैं। एक जिम्मेदार मीडिया के रूप में, शुरुआत में इन सबमिट किए गए दस्तावेजों के आधार पर सावधानी बरती गई थी। परंतु, जैन धर्म के सच्चे और जागरूक अग्रगण्य, सम्मानित बुजुर्गों तथा धर्मरक्षकों ने जब भारी आक्रोश के साथ संपर्क करके बताया कि यह महाझूठ है और असली राक्षसी खेल पर्दे के पीछे खेला जा रहा है, तब महानगर मेट्रो न्यूज़ ने पत्रकारिता की पवित्र धरोहर और महासत्य की ताकत को पहचानते हुए इस मामले की तह तक जाने का अंतिम फैसला किया!

गांधीनगर सरकारी फोरेंसिक लैब की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली विस्फोटक रिपोर्ट: एक प्रतिशत भी एडिटिंग नहीं!

सत्य की तह तक पहुँचने के लिए, महानगर मेट्रो न्यूज़ द्वारा इन सभी वायरल नग्न तस्वीरों और अशील वीडियो स्क्रीनशॉट को गांधीनगर स्थित अत्यंत सख्त, विश्वसनीय और सरकार मान्यता प्राप्त सरकारी फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में गुप्त और कठोर जांच हेतु भेजा गया था। अब, सरकारी लैब द्वारा जो आधिकारिक रिपोर्ट बाहर आई है, उसने मुनि सागरचंद्र सागर के साम्राज्य को जमीनोजद कर दिया है! सरकारी जांच ने स्पष्ट कर दिया है कि वायरल हुए सभी नग्न फोटो और अशील वीडियो स्क्रीनशॉट 100' असली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है! इन तस्वीरों में किसी भी प्रकार का डिजिटल संपादन छेड़छाड़ या मॉर्फिंग नहीं किया गया है! मुनि सागरचंद्र सागर द्वारा मीडिया और जांचकर्ताओं को भ्रमित करने के लिए प्रस्तुत किए गए निजी लैब के सभी रिपोर्ट्स पूरी तरह से बनावटी, निराधार और गुमराह करने वाले थे! भगवान महावीर ने धर्म का प्रचार करने के लिए उपदेश दिया था, समाज में धर्म के प्रति लोगों को सत्य और अहिंसा के पाठ पढ़ाए थे। लेकिन सागर समुदाय के कुछ कुसाधुओं ने जैन समाज को बदनाम करने के कार्य किए हैं। जिन साध्वियों ने सागरचंद्र सागर के पास दीक्षा ग्रहण करके धर्म का पालन करने का मार्ग चुना था,



उन कुसाधुओं ने अपनी हवस संतुष्ट करने के लिए उन्हें अपनी मायाजाल में फंसाया और उनका शारीरिक शोषण किया। वीडियो कॉल के माध्यम से अशलिलता परोसी गई और समाज को कलंकित किया गया। सागर समुदाय के अन्य कुसाधु भी इसी तरह शोषण कर रहे हैं, जिसका जीता-जागता प्रमाण आज सामने आया है। ऐसे कुसाधुओं को समाज से बाहर निकालकर उनके साधु के वस्त्र उतार लेने चाहिए! महानगर मेट्रो न्यूज़ की सख्त कार्रवाई: मुनि सागरचंद्र सागर के खिलाफ होगी सीधी एफआईआर! पत्रकारिता के चौथे स्तंभ को फर्जी सबूत सौंपकर गुमराह करने के गंभीर अपराध के साथ-साथ समाज के साथ खुलेआम धोखाधड़ी करने के जुर्म में, महानगर मेट्रो न्यूज़ अब कानूनी हथियार उठाते हुए मुनि सागरचंद्र सागर के खिलाफ सीधी पुलिस एफआईआर दर्ज कराने जा रहा है! अब कानून बोलेगा और पाखंड का यह पासा पलटकर रख दिया जाएगा!

साधुता के भेष में छिपे हवस के इन राक्षसों का अंत कब?

सफेद वस्त्रों और साधुता के पवित्र आवरण के नीचे बैठकर ऐसे पापी तत्व पूरे जैन धर्म, परंपरा और संस्कृति को लहूलुहान कर रहे हैं। निर्दोष साध्वियों और श्रद्धालुओं को अपनी घातक हवस और लालसा का शिकार बनाने वाले तथा धर्म के नाम पर अत्याचार करने वाले ऐसे कुसाधुओं को अब जैन समाज से हमेशा के लिए बाहर फेंकना ही होगा। यह सिर्फ एक व्यक्ति का अपराध नहीं है, बल्कि वर्षों की आस्था, भक्ति और लाखों श्रद्धालुओं के विश्वास पर किया गया सबसे बड़ा, घातक और क्रूर प्रहार है

आगामी अंक में विशेष रूप से देखें

ऐसे नकली साधुओं और हवासी पाखंडियों का असली चेहरा बेनकाब करने वाले सभी जीवंत प्रमाण, असली तस्वीरें और अंदर की खतरनाक कहानी की विस्तृत और विस्फोटक रिपोर्ट - सिर्फ और सिर्फ महानगर मेट्रो न्यूज़ पर! सत्य कभी छिप नहीं सकता, और अब पाखंड को घुटनों के बल झुकना ही होगा, क्योंकि हमारा एकमात्र धर्म है: असली, नग्न और अपरिवर्तनीय सत्य सीधे जनता के समक्ष लाना!

पीपलग चौकड़ी में धूमधाम से मनाया गया नवदुर्गा गरबा महोत्सव: महुधा MLA संजयसिंह महिडा की शानदार मौजूदगी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पीपलग / महुधा। आसो नवरात्रि के पवित्र और पावन दिनों में पूरे इलाके में भक्ति, शक्ति और पूजा का माहौल बना हुआ है। पीपलग चौकड़ी में बहुत ही भव्य और दिव्य तरीके से आयोजित 'नवदुर्गा गरबा महोत्सव' में महुधा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय MLA संजयसिंह महिडा ने खास मौजूदगी दर्ज कराई और मां अंबा के दर्शन-पूजन करके धन्य महसूस किया। महुधा MLA संजयसिंह महिडा का गर्मजोशी से स्वागत हुआ और उन्होंने मां अंबा की पूजा की पीपलग चौकड़ी में आयोजित गरबा महोत्सव में MLA संजयसिंह महिडा का आयोजकों और स्थानीय नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मौजूद भीड़ के बीच MLA ने बड़ी श्रद्धा से मां आद्यशक्ति नवदुर्गा की पूजा की और मां अंबा की महाआरती में हिस्सा लिया। माँ नवदुर्गा के चरणों में सिर झुकाकर उन्होंने इलाके के लोगों और पूरे गुजरात राज्य की भलाई के लिए प्रार्थना की।

सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली की कामना की।



इस मौके पर महुधा MLA संजय सिंह महिडा ने माँ का आशीर्वाद लेने के बाद भावुक होकर कहा, 'माँ नवदुर्गा का आशीर्वाद हमारी संस्कृति और परंपरा की नींव है। पीपलग चौकड़ी में इतने सुंदर और भक्तिमय गरबा उत्सव में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी और आनंद का अनुभव हुआ है। जगत जननी माँ अम्बा के चरणों में मेरी बस यही प्रार्थना है कि पूरे महुधा इलाके और उसके सभी लोगों के जीवन में सुख, शांति, खुशहाली, बेहतरीन स्वास्थ्य और खुशियाँ हमेशा बनी रहें। '

खिलाड़ियों की मस्ती और उत्साह का त्रिवेणी संगम

गरबा उत्सव के दौरान, पारंपरिक वेशभूषा में सजे छोटे बच्चों, युवाओं और खिलाड़ियों ने माँ अम्बा की पूजा के रूप में गरबा में नाचकर खूब आकर्षण बटोरा। MLA संजय सिंह महिडा की मौजूदगी ने खिलाड़ियों और आयोजकों का उत्साह बढ़ा दिया। पूरा पीपलग चोकड़ी इलाका 'जय अम्बे' और 'माँ तारा आशीर्वाद' के नारों से गूंज उठा।

शक्तिपीठ अंबाजी में आठवां महायज्ञ संपन्न: जगत-माता का धाम दांता राजपरिवार की पारंपरिक भेंटों से गूंज उठा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। आद्यशक्ति मां अंबा के पवित्र धाम और देश भर के 51 शक्तिपीठों में प्रमुख स्थान वाले ऐतिहासिक अंबाजी में नवरात्रि के महापर्व का दिव्य, अलौकिक और भव्य उत्सव चल रहा है। आसो सुद आठवीं के बहुत ही पवित्र, शास्त्रों के अनुसार और भव्य दिन पर, मां अंबा के निज मंदिर के परिसर में एक भव्य महायज्ञ का विशेष आयोजन किया गया। दांता राजपरिवार द्वारा सदियों पुरानी शास्त्रों की परंपरा और वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार आयोजित इस भव्य महायज्ञ में लाखों श्रद्धालु और हजारों भक्त मौजूद रहे और धन्य महसूस



किया। महायज्ञ दांता राजपरिवार के नेतृत्व में और वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच संपन्न हुआ। नवरात्रि की दुर्गाष्टमी (आठवीं) के पावन दिन आद्यशक्ति माताजी की पूजा, आराधना और यज्ञ-हवन का हिंदू धर्म में एक अनूठा और विशेष महत्व है। इस पावन अवसर पर दांता राजपरिवार के सदस्यों की विशेष उपस्थिति और शास्त्रोक्त नेतृत्व में अंबाजी निज मंदिर के परिसर में एक भव्य महायज्ञ का आयोजन और संचालन किया गया। यज्ञ मंडप में विद्वान आचार्यों और ब्राह्मणों द्वारा उच्चारित वैदिक मंत्रों की गूंज से पूरा अंबाजी शहर मंत्रमुग्ध हो गया। आचार्यों के मार्गदर्शन में विधि-विधान के साथ यज्ञ में पवित्र आहुतियां अर्पित की गईं। राजसी परंपरा और अटूट आस्था के प्रतीक इस महायज्ञ के दिव्य दर्शन के लिए न केवल गुजरात से बल्कि देश भर से दूर-दूर से भी भक्त और भक्त अंबाजी में उमड़ पड़े।

दिल्ली के विरोध प्रदर्शन को गुजरात तक पहुंचने से रोकने के लिए IB एक्टिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने की मांग को लेकर देश की राजधानी दिल्ली में हो रहे तेज़ विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों को गुजरात की राजनीति तक फैलने से रोकने के लिए सिक्योरिटी एजेंसियां एक्शन में आ गई हैं। इंटेलिजेंस ब्यूरो यह पक्का करने के लिए एक्शन में आ गया है कि दिल्ली की घटनाओं का सीधा असर गुजरात पर न पड़े और राज्य की शांति भंग न हो! सूत्रों के मुताबिक, गुजरात में भी इस बात की ज़ोरों से चर्चा चल रही है कि कुछ युवा और कुछ ग्रुप दिल्ली विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में या राज्य लेवल पर आंदोलन और विरोध प्रदर्शनों की सीक्रेट तैयारी कर रहे हैं। इन गतिविधियों का पता चलते ही गुजरात IB (इंटेलिजेंस ब्यूरो) ने अलग-अलग लेवल पर अपना इंटेलिजेंस जाल फैला दिया है और ग्राउंड लेवल से जानकारी इकट्ठा करने का काम तेज़ कर दिया है। आंदोलनकारियों के प्रोफाइल और सोशल मीडिया पर कड़ी नज़र.



अंडरवर्ल्ड का दौर और मुंबई पुलिस का खूनी इतिहास: जब खाकी वर्दी ने गैंगस्टर्स का साम्राज्य खत्म कर दिया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले और उसके बाद मचे बवाल ने एक बार फिर मुंबई सिनेमा और अंडरवर्ल्ड के खतरनाक रिश्ते की यादें ताजा कर दी हैं। कुछ दशक पहले, मुंबई शहर अपराधियों के अड्डे, धमकियां, एक्सटॉर्शन (किराया वसूली) और खूनी गैंग वॉर का जाना-माना नाम बन गया था। अंडरवर्ल्ड डॉन की एक ही धमकी से बड़े-बड़े प्रोड्यूसर और सुपरस्टार के पसीने छूट जाते थे। लेकिन, जब आतंक की हदें पार हो गईं, तो मुंबई पुलिस ने जो खूनी खेल खेला, उसने अंडरवर्ल्ड की रूह कंपा दी! खूनी इतिहास की सबसे खतरनाक और रोमांचक कहानी पाको गुजरात न्यूज़ पर पढ़ें... बॉलीवुड ने अंडरवर्ल्ड को गुलाम बनाया: जब फिल्म सेट पर गोलियों की आवाज गूंजी 90 के दशक में, मुंबई फिल्म इंडस्ट्री बॉलीवुड गैंगस्टर्स की गिरफ्त में थी। दाऊद इब्राहिम, छोटा राजन, अरुण गवली और अमर नाइक जैसे खूंखार गैंगस्टर्स के कहने पर फिल्मों के बजट तय होते थे और कलाकारों के शेड्यूल



बदले जाते थे। अगर कोई प्रोड्यूसर या एक्टर फिरौती देने से मना कर देता था, तो सीधे रिकॉर्डिंग स्टूडियो या घर के बाहर शूटिंग कर दी जाती थी। गुलशन कुमार की हत्या से लेकर राकेश रोशन पर हमले तक, घटनाओं ने साबित कर दिया कि बॉलीवुड अंडरवर्ल्ड के लिए सिर्फ पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि डर फैलाने का हथियार भी था। जब अंडरवर्ल्ड के शूटर मुंबई की सड़कों पर बेखौफ होकर बेगुनाहों और बिजनेसमैन का शिकार कर रहे थे, तो राज्य और पुलिस प्रशासन ने बहुत सख्त और सख्त फैसला लिया। मुंबई पुलिस में एक खास 'एनकाउंटर स्क्वॉड' बनाया गया। दया नायक, प्रदीप शर्मा, विजय सालस्कर और प्रफुल्ल भोसले जैसे काबिल और निडर पुलिस अफसरों की लीडरशिप में पुलिस ने ऐसा 'ऑपरेशन क्लीन अप' चलाया कि मुंबई की सड़कें अपराधियों के खून से लाल हो गईं। कानून की कमियों का फायदा उठाकर भागे हुए कुख्यात गैंगस्टरों को कोर्ट में पेश करने के बजाय, उन्हें मौके पर ही खत्म करने की स्ट्रैटेजी अपनाई गई। मुंबई के शॉपिंग मॉल, रेस्टोरेंट और हाईवे पर पुलिस और गैंगस्टरों के बीच फिल्मी स्टाइल में शूटआउट होने लगे। एक के बाद एक कुख्यात शूटर और अंडरवर्ल्ड सिंडिकेट के खास मोहरे पुलिस की गोलियों का शिकार होने लगे। जो गैंगस्टर कभी पुलिस को चुनौती देते थे, अब एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के नाम से ही कांपने लगे।मुंबई एनकाउंटर स्क्वॉड ने सैकड़ों कुख्यात अपराधियों को खत्म करके शहर में कानून-व्यवस्था फिर से कायम की। ये

वार्ड नं. 13 में नई गटर लाइन शुरू होने से पहले ही धांधली!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। करमसद-आनंद महानगरपालिका प्रशासन और भ्रष्ट ठेकेदारों की मिलीभगत का एक बेहद चौंकाने वाला और शर्मनाक मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 13 में करोड़ों रुपये की लागत से बन रही नई गटर लाइन अभी आधिकारिक रूप से चालू भी नहीं हुई थी कि सड़क पर घटिया पैचवर्क और लीपापोती ('टचिंग-टचिंग') का काम शुरू कर दिया गया। इसके चलते स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश फैल गया। इस लापरवाही और घटिया निर्माण कार्य पर 'महानगर मेट्रो न्यूज़' द्वारा प्रमुखता से खबर प्रकाशित करते ही महानगरपालिका प्रशासन और ठेकेदार सिंडिकेट में हड़कंप मच गया 'महानगर मेट्रो न्यूज़' में खबर छपने के महज 24 घंटे के भीतर बौखलाए ठेकेदार को रातों-रात ब्रेकर मशीन लाकर नया बना काम तोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। जिस जगह घटिया काम हुआ था, उसे तोड़कर आनन-फानन में दोबारा मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया। यदि काम पूरी तरह से सही और मानक के अनुरूप था, तो खबर प्रकाशित होते ही उसे तोड़ने की नौबत क्यों आई? जब पहले ठेकेदार द्वारा यह बचाव किया जा रहा था कि यह केवल साधारण 'टचिंग' कार्य है, तो फिर 24 घंटे के अंदर ही ब्रेकर मशीन से पूरा काम तोड़कर नया क्यों बनाना पड़ा?



LCB और एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की रेड, 9.91 लाख का माल ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट ज़िले के शापर वेरावल इलाके में एक बहुत ही शर्मनाक और खतरनाक स्कैम का पर्दाफ़ाश हुआ है, जो किसानों और एग्रीकल्चर सेक्टर के साथ बहुत बड़ा धोखा है। कोराट स्कूल के सामने मौजूद 'तीर्थ बायोटेक इंडस्ट्रीज' नाम की एक फैक्ट्री में LCB पुलिस और एग्रीकल्चर अधिकारियों की जॉइंट टीम ने अचानक रेड मारकर बदनाम और जानी-मानी कंपनियों के नकली ब्रांडेड लेबल लगाकर नकली पेस्टिसाइड्स बनाने के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है! बिना लाइसेंस के फैक्ट्री में चल रही थी नकली दवा की फैक्ट्री: 18 में से 16 सैंपल फेल जब पुलिस और एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की टीम ने फैक्ट्री में कड़ी जांच की तो अधिकारी भी हैरान रह गए। फैक्ट्री से बिना किसी लीगल लाइसेंस या बिल के बड़ी मात्रा में पेस्टिसाइड्स बरामद हुए। ज़ब्त किया गया सामान: पुलिस ने मौके से बिना लाइसेंस वाली कीटनाशकों की 904 बोतलें, अलग-अलग नामी कंपनियों के नकली स्टिकर, पैकिंग का सामान और दूसरे उपकरण ज़ब्त किए हैं, छापे के दौरान जांच के लिए लिए गए 18 सैंपल में से 16 सैंपल लैब में अनसर्टिफाइड (फेल) पाए गए हैं।



लोग पी रहे हैं ज़हर: गुजरात की सब्ज़ियों और फलों में पेस्टीसाइड्स का भयानक धमाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। हर नागरिक अपनी और अपने परिवार की सेहत बनाए रखने के लिए रोज़ाना की थाली में फल और हरी सब्ज़ियाँ शामिल करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिन सब्ज़ियों और फलों को आप पौष्टिक समझकर खा रहे हैं, वे असल में धीमा ज़हर बन गए हैं? हाल ही में जारी एक रिपोर्ट ने पूरे गुजरात और देश में हलचल मचा दी है। ज़्यादा पैदावार और कमाई के लालच में खेतों में इस्तेमाल किए गए भयानक पेस्टीसाइड्स के बचे हुए हिस्से अब नागरिकों की थालियों तक पहुँच रहे हैं! 2023 से 2026 तक किए गए ऑफिशियल सर्वे और जाँच रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात में फलों और सब्ज़ियों के कुल 6035 सैंपल्स इकट्ठा किए गए और लैब में उनकी अच्छी तरह से जाँच की गई। इस चौंकाने वाली रिपोर्ट से पता चला है कि गुजरात से लिए गए करीब 170 सैंपल में पेस्टिसाइड की मात्रा कानूनी लिमिट से बहुत ज़्यादा और सेहत के लिए खतरनाक लेवल पर पाई गई। फलों और सब्ज़ियों पर स्प्रे किए गए पेस्टिसाइड के ये ज़हरीले अवशेष इंसान के शरीर में कैंसर, किडनी की बीमारियाँ और पाचन तंत्र की गंभीर बीमारियाँ पैदा कर सकते हैं। देश भर के 23 राज्यों में चलाए गए इस बड़े कैंपेन के तहत कुल 70,652 सैंपल लिए गए, जिनमें से औसतन 3.1 प्रतिशत सैंपल में पेस्टिसाइड का लेवल खतरनाक रूप से ज़्यादा पाया गया। इस लिस्ट में 6035 सैंपल लेकर गुजरात देश में चौथे नंबर पर है।



दमन से सूरत 5 लाख रुपये की विदेशी शराब की तस्करी करते पकड़े गए चार ट्रैफिक पुलिसवालों समेत पांच!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सुरक्षा और कानून बनाए रखने की ज़िम्मेदारी वाली खाकी वर्दी को कलंकित करने वाला एक बहुत ही शर्मनाक, चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला खुलासा हुआ है। गुजरात में शराबबंदी की ज़ोरदार मांगों के बीच, एजेंसियों ने चार ट्रैफिक पुलिसवालों समेत पांच लोगों को रंगे हाथों पकड़ा है, जो असामाजिक तत्वों की तरह दमन से सूरत शहर में करीब 5 लाख रुपये की विदेशी शराब की खुलेआम तस्करी कर रहे थे। जैसे ही यह बड़ी घटना सामने आई, पुलिस फोर्स में भूचाल आ गया! मिली जानकारी के मुताबिक, कानून के रखवाले बनने की कसम खाने वाले कुछ भ्रष्ट पुलिसवाले खुद ही शराब के तस्कर बन गए थे। सूरत पुलिस रीजनल एरिया में ड्यूटी पर तैनात ये कर्मचारी अपनी ऑफिशियल पहचान और वर्दी की आड़ में लाखों रुपये की विदेशी शराब की सूरत में तस्करी करने का रैकेट चला रहे थे। गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों के नाम इस तरह हैं देवराजभाई ठाकरे रबारी (पेशे से हीरा पॉलिश करने वाला) सूत्रों के मुताबिक, यह बदनाम गैंग पहले भी कई बार दमन से सूरत सस्ती विदेशी शराब लाने में कामयाब रहा है। पुलिस होने की वजह से चेक पोस्ट पर कोई चेक नहीं करता था, इसका फायदा उठाकर ये लोग बेखौफ होकर काला धंधा कर रहे थे। इस बार सूचना के आधार पर की गई सख्त कार्रवाई में ये सभी पांच लोग लाखों रुपये की विदेशी शराब के साथ पकड़े गए। गाड़ी में मिली शराब की मात्रा ने साबित कर दिया है कि गार्ड खुद ही लालची बन गए हैं। जनता का गुस्सा: क्या पुलिस पर कीचड़ उछालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी? जो सिस्टम शराबबंदी को सख्ती से लागू करने की बात करता है, अगर उसी सिस्टम के कर्मचारी खुद शराब की तस्करी करने लगें तो आम लोग किस पर भरोसा कर सकते हैं? इस घटना के बाद पूरे सूरत शहर और पूरे गुजरात में भारी गुस्सा है। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हो रही है कि ऐसे भ्रष्ट खाकी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सिर्फ सस्पेंशन ही नहीं, बल्कि सीधे बर्खास्तगी और सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।





राजकोट रूरल SOG की सफल रेड, एक आरोपी हिरासत में लिया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



राजकोट। राजकोट रेंज के IG निर्लिप्ता राय और राजकोट रूरल के पुलिस सुपरिटेंडेंट विजयसिंह गुर्जर के गाइडेंस में चलाए जा रहे 'ड्रग्स को ना कहें' कैंपेन के तहत राजकोट रूरल SOG ब्रांच को एक बड़ी कामयाबी मिली है। IG ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर एफ.ए. पारगी और पुलिस सब इंस्पेक्टर पी.बी. मिश्रा और उनकी टीम अटकोट इलाके में पेट्रोलिंग पर थी, इसी दौरान ASI कृपालसिंह जडेजा और हेड कांस्टेबल पीयूषभाई अघेरा और नेमिशभाई मेहता ने मिली खास प्राइवेट जानकारी के आधार पर करमल कोटडा गांव के बाहरी इलाके में सारण नदी के पास रेड की। इस पुलिस रेड के दौरान, आरोपी लाभुभाई करशनभाई चावड़ा (निवासी गांव-डेटडिया, ता. कोटदासंगानी, जिला राजकोट) को पकड़ा गया है, जिसने अपने विरासत में मिले खेत (खेत) में गैर-कानूनी तरीके से हर्बल नारकोटिक पदार्थ (गांजा) के पौधे लगाए थे। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे गांजा पीने की आदत थी, इसलिए उसने अपने खेत में यह गैर-कानूनी पौधा लगाया था। इस रेड के दौरान पुलिस ने खेत से कुल 10 kg 485 ग्राम हर्बल नारकोटिक पदार्थ (गांजा) ज़ब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 5,24,250 रुपये है। पुलिस ने यह सारा सामान ज़ब्त कर लिया है और आरोपी के खिलाफ अटकोट पुलिस स्टेशन में NDPS एक्ट की धारा-8 20 के तहत केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है। इस पूरे ऑपरेशन में SOG के P.I. F.A. परागी, P.S.I. G.J. झाला, P.B. मिश्रा और दूसरे कर्मचारी शामिल हुए।

शादी करने के लिए 1,930 किलोमीटर का सफर तय करने वाले एक प्रेमी को अपनी ज़िंदगी का सबसे बड़ा झटका लगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। आज के मॉडर्न ज़माने में टेक्नोलॉजी वरदान तो साबित हो रही है, लेकिन यह और भी खतरनाक और जानलेवा रूप लेती जा रही है। सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के काले कारनामों का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसे सुनकर किसी का भी दिमाग हिल जाएगा। ब्राज़ील में हुई इस घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है, जहाँ प्यार में अंधा एक व्यक्ति ढ्ढ के जादुई जाल में फँस गया और अपनी पूरी ज़िंदगी की कमाई और दौलत जला दी।

प्यार का भूत सवार हुआ और उसने अपनी ज़िंदगी भर की दौलत बेच दी

ब्राज़ील के एक 49 साल के आदमी की मुलाकात सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत लड़की से हुई जिससे वह पहले कभी नहीं मिला था। धीरे-धीरे बातचीत गहरे प्यार में बदल गई। ऑनलाइन चैटिंग करते समय, उस आदमी को ज़रा भी शक नहीं था कि जिस औरत के साथ वह अपने भविष्य के सपने देख रहा था, वह कोई असली औरत नहीं थी।



मीठी-मीठी बातों, प्यार भरे मैसेज और भविष्य में साथ रहने के वादों में अंधा होकर, प्रेमी ने लड़की से शादी करने का पक्का फैसला कर लिया। प्यार में पागल इस आदमी ने न आगे देखा, न पीछे; शादी करके नई ज़िंदगी शुरू करने के लिए, उसने अपनी सारी चल-अचल प्रॉपर्टी बेच दी और कैश जमा कर लिया अपनी गर्लफ्रेंड से खुद मिलने और उससे शादी करने के लिए, इस आदमी ने अपने घर से करीब 1,930 किलोमीटर का बहुत लंबा और मुश्किल सफ़र तय किया। दिल में कई ख्वाहिशें और आँखों में शादी के सपने लिए, जब वह दिए गए पते पर पहुँचा, तो जो सच उसके सामने आया वह किसी डरावने सपने से कम नहीं था। जिस पते पर वह पहुँचा, वहाँ ऐसी कोई लड़की थी ही नहीं! जाँच-पड़ताल करते और टेक्निकल सच्चाई का पता चलते ही उसके पैरों तले से ज़मीन खिसक गई। जिस लड़की से उसे प्यार हुआ और जिसका सब कुछ लुट गया, वह कोई असली लड़की नहीं थी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग मॉडल से बनाया गया एक मनगढ़ंत चेहरा और कैरेक्टर था। यह घटना सिर्फ एक रोमांस स्कैम नहीं है, बल्कि भविष्य में AI के ज़रिए होने वाले खतरनाक और जानलेवा साइबर क्राइम का रेड फ्लैग है। स्कैमर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके ऐसे असली चेहरे, वॉइस क्लोनिंग और चैटबॉट बनाते हैं कि सामने वाला इंसान पहचान भी नहीं पाता कि वह इंसान से बात कर रहा है या कंप्यूटर प्रोग्राम से। इस मामले में भी, साइबर फ्रॉड करने वाले स्कैमर ने AI मॉडल बनकर उस इंसान के साथ इमोशनल और रोमांटिक ड्रामा किया और उसे अपनी सारी संपत्ति बेचने पर मजबूर किया। जब वह उस पते पर पहुंचा, तो उसे पता चला कि उसके साथ उसकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा और क्रूर मज़ाक किया गया था। RAM में अंधे हुए इस व्यक्ति की ज़िंदगी पल भर में बर्बाद हो गई, लेकिन यह घटना पूरे समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि अगर डिजिटल युग में आँखें और कान खुले नहीं रखे गए, तो नतीजे बहुत भयानक हो सकते हैं!

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस: आरोपी पकड़ा गया, लेकिन राजस्थान पुलिस क्रेडिट लेने कूद पड़ी! मुंबई पुलिस ने तीखी टिप्पणी की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/जयपुर। बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ पर सेट या लाइव लोकेशन पर फायरिंग या हमले की कोशिश के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, आई-हाइप क्राइम केस में दोषियों के जेल जाते ही खाकी वर्दी में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद राजस्थान पुलिस ने वाहवाही लूटने और क्रेडिट लेने की जोरदार कोशिश की, जिसके खिलाफ मुंबई पुलिस ने तीखी और साफ टिप्पणी करते हुए राजस्थान पुलिस के दावों को गलत साबित कर दिया है मिली जानकारी के मुताबिक, एक्टर टाइगर श्रॉफ को टारगेट करके एक फिल्म शूटिंग और पब्लिक प्लेस पर फायरिंग की घटना हुई थी। अचानक हुई फायरिंग से बॉलीवुड इंडस्ट्री और फैंस में हड़कंप मच गया। खुशकिस्मती से टाइगर श्रॉफ बच गए, लेकिन इस घटना ने मुंबई पुलिस के सुरक्षा इंतज़ाम पर बड़े सवाल खड़े कर दिए। घटना होते ही मुंबई क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस ने आरोपियों का पीछा करने के लिए अलग-अलग टीमें बनाईं। टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से उन जगहों का पता लगाया गया, जहां से आरोपी राजस्थान भागे थे मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर राजस्थान के लोकल इलाके में रेड की गई और आरोपियों को घेराबंदी क . सिक्योरिटी का मुद्दा यह सामने लाना सबसे जरूरी है कि टाइगर श्रॉफ जैसे स्टार्स पर फायरिंग करने वाले क्रिमिनल्स के पीछे किसका गैंगस्टर नेटवर्क काम कर रहा था। अगर दोनों राज्यों की पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के क्रेडिट को लेकर लड़ती रही, तो इंटर-स्टेट क्रिमिनल गैंग इस कमजोरी का फायदा उठाएंगे।रके गिरफ्तार कर लिया गया।

रिक्शे में भूले हुए डेढ़ लाख रुपये के कीमती चांदी के गहने असली मालिक को लौटाए गए: खुशी के आंसुओं के साथ, लोगों ने पुलिस को दुआएं दीं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। गुजरात में सुजलाम सुफलाम और नर्मदा के पानी के बड़े-बड़े दावों के बीच, उत्तरी गुजरात के सीमावर्ती इलाकों से एक बहुत ही चिंताजनक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। आने वाली गर्मी के मौसम में बनासकांठा जिले के वाव और थराद इलाकों में पानी का भयानक संकट मंडरा रहा है। सरकार के मंत्री स्वरूपजी ठाकोर को खुद सबके सामने यह मानना पड़ा है कि कम बारिश के कारण नर्मदा का पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलेगा। मंत्री के इस बयान से अन्नदाताओं में चिंता की लहर दौड़ गई है और किसान अपने पुराने खेती के तरीकों को बदलने पर मजबूर हो गए हैं। 'नर्मदा का पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलेगा, कम पानी वाली फसलें बोएं! 'वाव-थराद पंथक के दौरे और लोकल मीटिंग में मौजूद मंत्री स्वरूपजी ठाकोर ने किसानों को साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी मिलना मुश्किल होगा। मॉनसून में कम बारिश होने की वजह से नहरों और तालाबों में पानी कम आ रहा है। मंत्री ने किसानों को सलाह दी है कि अगर वे पारंपरिक और ज़्यादा पानी वाली फसलें बोते हैं, तो पानी की कमी से फसलें सूख जाएंगी और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसके बजाय, किसानों को ऐसी फसलें चुननी चाहिए जिनमें कम पानी लगे। सवाल यह है कि अगर सरकार सिंचाई के पानी के लिए नर्मदा पर निर्भर इलाके में नाकाबिलियत दिखाएगी तो किसान कहां जाएंगे? लंबे संघर्षों और प्लान के बाद नर्मदा का पानी पहुंचने की उम्मीद जगी थी, लेकिन अगली गर्मी से पहले ही पानी की कमी के डर ने किसानों को बहुत महंगा पड़ गया है। खेती की स्ट्रेटेजी बदलनी होगी इससे किसानों के परिवारों का गुज़ारा कैसे होगा, यह एक बड़ा सवाल है।



'हम दिल्ली में मोदी-शाह को लपेट लेंगे! ': राहुल गांधी की हुंकार से गोवा में सियासत गरमाई, कांग्रेस नेता ने फूंका बिगुल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/गोवा। एक बार फिर देश की सियासत में जुबानी जंग ज़ोरों पर शुरू हो गई है। कांग्रेस के टॉप लीडर राहुल गांधी ने गोवा में पार्टी के एक प्रोग्राम के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ बहुत ही अग्रेसिव तेवर अपनाते हुए ऐसा बयान दिया है, जिससे नेशनल सियासत में भूचाल आ गया है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने खुली चुनौती दी, 'आप अपनी पूरी एनर्जी गोवा में लगाइए और कांग्रेस पार्टी को पूरी मेजोरिटी से जिताइए, दिल्ली में हम थोड़ी देर में नरेंद्र मोदी और अमित शाह को लपेट लेंगे! ' गोवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई जान फूंकने पहुंचे राहुल गांधी ने सीधे तौर पर BJP की टॉप लीडरशिप पर निशाना साधा। उन्होंने साफ कहा कि लोकल लेवल पर पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं की है, जबकि नेशनल फ्रंट पर BJP के दिग्गज नेताओं से मुकाबला करना उनकी अपनी जिम्मेदारी है। राहुल गांधी के इस बयान से यह साबित हो गया है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार के खिलाफ और भी आक्रामक और आंदोलनकारी रणनीति अपनाने वाली है। 'हम लपेट लेंगे' जैसे लोकप्रिय और तीखे शब्दों का इस्तेमाल करके उन्होंने वोटरों और अपने कार्यकर्ताओं में BJP के खिलाफ नया जोश भरने की कोशिश की है। राहुल गांधी के इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने भी पलटवार करने में कोई देर नहीं लगाई। BJP प्रवक्ताओं ने तंज कसते हुए कहा है कि जो पार्टी खुद देश के अलग-अलग राज्यों में चुनाव हार रही है और अंदरूनी कलह से घिरी हुई है, वह भी मोदी-शाह को अपने सपनों में 'लपेट लेने' का दावा कर रही है। जब देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की विकास नीति और मजबूत नेतृत्व के साथ है, तो कांग्रेस का डूबता जहाज इस तरह हवा में तीर चलाने से नहीं बचेगा। यह सिर्फ एक बयान है या कोई बड़ी रणनीति? गुजरात और देश के पॉलिटिकल इक्वेशन को देखें तो राहुल गांधी का यह बयान सिर्फ एक भाषण का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह विपक्ष की बदली हुई बॉडी लैंग्वेज को दिखाता है।



खाकी खतरे में: महुधा में बेरहम हुए बूटलेगर, शराब की रेड मारने गई पुलिस टीम पर जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महुधा, खेड़ा। गुजरात में शराब बैन के सख्त दावों के बीच बूटलेगरों का हौसला कितना बढ़ गया है, इसका एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। खेड़ा जिले के महुधा इलाके में कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती देते हुए एक घटना हुई है, जहां बेखौफ बूटलेगरों ने अचानक देसी-विदेशी शराब के गैर-कानूनी कारोबार पर रेड मारने गई पुलिस टीम पर खूनी हमला कर दिया। इस घटना से पूरे पुलिस डिपार्टमेंट और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन में भारी हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, महुधा इलाके में असामाजिक तत्वों और बूटलेगरों की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। पुलिस को जानकारी मिली कि एक बदनाम बूटलेगर ने बड़ी मात्रा में गैर-कानूनी शराब जमा कर रखी है और उसे बेच रहा है। इस जानकारी के आधार पर खाकी वर्दीधारी पुलिसकर्मियों की एक टीम तुरंत रेड मारने के लिए मौके पर पहुंच गई। लेकिन, जैसे उन्हें पहले से ही पता था कि पुलिस रेड करने आ रही है, बेशर्म शराब तस्कर और उसके साथी पहले से ही हथियारों के साथ तैयार बैठे थे। पुलिस या कानून से बेखौफ इन शराब तस्करों ने ड्यूटी पर मौजूद पुलिसवालों पर डंडों, डंडों और जानलेवा हथियारों से हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले से पुलिसवाले भी हैरान रह गए। शराब तस्करों की इस हिंसक हरकत से पता चलता है कि उनकी हिम्मत कितनी बढ़ गई है कि अब उन्हें कानून या खाकी का कोई डर नहीं रहा। पुलिसकर्मी घायल, आरोपी फरार इस जानलेवा हमले में शराब की रेड करने गए पुलिसवालों को गंभीर चोटें आई हैं। ड्यूटी पर मौजूद बहादुर जवानों ने आगे बढ़कर हालात को संभालने की कोशिश की, लेकिन शराब तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर और धमकियां देते हुए मौके से भाग गए। घायल पुलिसवालों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने फरार शराब तस्करों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया है और अलग-अलग टीमें बनाकर गहन जांच शुरू कर दी है।



खोखरा के एक फ्लैट में अकेली रह रही बुज़ुर्ग महिला की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

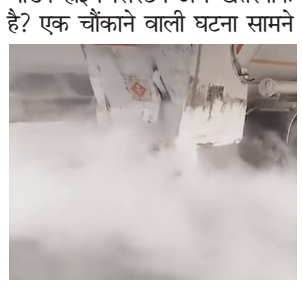
अहमदाबाद। शहर के पूर्वी इलाके खोखरा में एक लाइफ़ सेविंग फ्लैट की बंद बिल्डिंग में 60 साल की बुज़ुर्ग महिला की हत्या की हुई लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। फ्लैट से बहुत ज़्यादा बदबू आने के बाद इलाके के लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर खोखरा पुलिस मौके पर पहुंची और पूरी जांच शुरू की। अब तक महिला के शव को बैग में पैक करने की कोशिश की गई, लेकिन वह कामयाब नहीं हुई। खोखरा पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने की कोशिश शुरू कर दी है। खोखरा किश्रचयन सोसाइटी के पास एक लाइफ़ सेविंग फ्लैट की दूसरी मंज़िल पर लक्ष्मीबेन डाभी नाम की 60 साल की महिला रहती थी। इलाके के लोगों को उनके फ्लैट से बदबू आने पर शक हुआ, जिसके बाद पुलिस को बताया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घर खोलकर जांच की तो महिला की लाश सड़ी-गली हालत में मिली। लाश को बैग में भरने की कोशिश की गई थी। खोखरा पुलिस स्टेशन के PI बी. पी. सावलिया ने बताया कि लक्ष्मीबेन अकेली रहती थी। उसकी शादी एक ईसाई आदमी से हुई थी और उसके पति की 2013 में मौत हो गई थी। यह भी पता चला है कि वह प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी संगठन से जुड़ी थी। पड़ोसियों ने घर से बदबू आती देखी।



अलकनंदा-मंदाकिनी सोसाइटी के पास एक लापरवाह कार ड्राइवर ने तीन रिक्शा उड़ा दिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। क्या देश का सबसे मॉडर्न हाईवे सिस्टम अब खतरनाक हादसों का अड्डा बनता जा रहा है? एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिससे सवाल उठ रहे हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर वडोदरा के पास एक बहुत बिज़ी रोड पर दूध के टैंकर और बहुत ज़्यादा ज्वलनशील लिक्विफाइड नेचुरल गैस टैंकर के बीच भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि LNG टैंकर से गैस लीक होने लगी, जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और सैकड़ों गाड़ियां खड़ी हो गईं। मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तेज़ रफ़्तार से आ रहे LNG टैंकर और दूध के टैंकर के बीच अचानक गंभीर टक्कर हो गई। टक्कर की आवाज़ इतनी भयानक थी कि आस-पास के इलाके में डर का माहौल बन गया। हादसे के बाद दोनों गाड़ियों के आगे के हिस्से उड़ गए। लेकिन, हालात तब और ज़्यादा विस्फोटक और गंभीर हो गए जब LNG टैंकर के सेफ्टी सिस्टम या वाल्व के डैमेज होने की वजह से बहुत ज़्यादा ज्वलनशील गैस का लीकेज शुरू हो गया।



चकराता से बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी और मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल के पिता रामशरण नौटियाल ने छोड़ी 'पार्टी', थामा 'हाथ'!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति के गलियारों से इस वक्त एक बहुत बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। चकराता विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी और देश के सुप्रसिद्ध बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर जुबिन नौटियाल के पिता रामशरण नौटियाल ने भाजपा का साथ छोड़कर कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। उनके इस फैसले से राज्य के राजनीतिक समीकरणों में भारी हलचल मच गई है और सियासी गलियारों में सुगबुगाहट तेज हो गई है। रामशरण नौटियाल उत्तराखंड की राजनीति और विशेषकर जौनसार-बावर क्षेत्र के एक बेहद प्रभावशाली और सम्मानित चेहरे माने जाते हैं। चकराता विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके रामशरण नौटियाल का पार्टी से यूं अचानक किनारा कर लेना और कांग्रेस में शामिल होना, सत्ताधारी दल के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राजनीतिक उठापटक के इस दौर में इस तरह के कद्दावर नेताओं का पाला बदलना स्थानीय स्तर पर पार्टी के वोट बैंक और संगठन पर गहरा असर डाल सकता है। रामशरण नौटियाल के कांग्रेस में शामिल होने से विपक्षी दल के खेमे में नया जोश और ऊर्जा देखने को मिल रही है जौनसार-बावर बेल्ट में मजबूती: चूंकि रामशरण नौटियाल की उस क्षेत्र में गहरी पकड़ है, इसलिए कांग्रेस को इस गढ़ में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक सुनहरा अवसर मिल गया है। सेलिब्रिटी कनेक्शन: मशहूर बॉलीवुड सिंगर जुबिन नौटियाल के पिता होने के नाते जनता के बीच उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता और प्रभाव का सीधा फायदा कांग्रेस पार्टी को मिल सकता है।



जालोर में 4.92 ग्राम स्मैक के साथ तस्करी का आरोपी गिरफ्तार, मोटरसाइकिल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में बिशनगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4.92 ग्राम स्मैक बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल भी जब्त की है। गिरफ्तार आरोपी जालोर कोतवाली थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में वांछित बताया गया है। पुलिस के अनुसार,



बिशनगढ़ थानाधिकारी पन्नालाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 16 अक्टूबर को डांगरा गांव की सरहद पर कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर अहमद खान (32) पुत्र जेते खान, निवासी कोलर को पकड़ा। बताया गया कि आरोपी जालोर कोतवाली थाने में दर्ज मादक पदार्थों से जुड़े मामले में वांछित था। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 4.92 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद स्मैक को जब्त कर लिया। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है। मामले में बिशनगढ़ थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब बरामद मादक पदार्थ के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में पुलिस की जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि आरोपी को स्मैक कहां से मिली और इसकी आपूर्ति किन लोगों के माध्यम से की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस आरोपी से पूछताछ और मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। पुलिस के अनुसार, स्मैक की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क की जांच जालोर कोतवाली थानाधिकारी रामेश्वर भाटी कर रहे हैं। जांच के दौरान मादक पदार्थ की आपूर्ति के स्रोत, संभावित खरीदारों और इस गतिविधि से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मामले में अन्य व्यक्ति भी शामिल हैं या नहीं।कार्रवाई में बिशनगढ़ थानाधिकारी पन्नालाल, सहायक उपनिरीक्षक भूराराम, कांस्टेबल रणवीर सिंह, नैना राम और चालक पृथ्वीराज शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की जांच जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

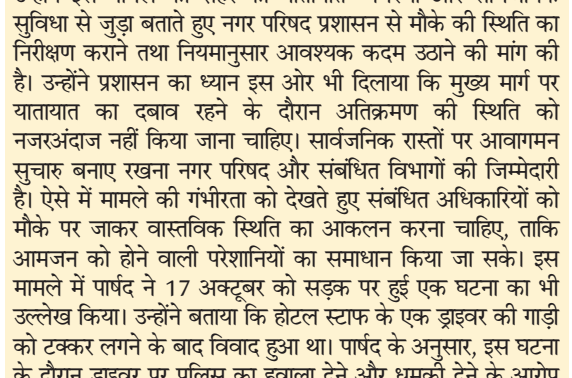
जालोर में मारवाड़ टी पॉइंट पर अतिक्रमण से बिगड़ी यातायात व्यवस्था, अंडरग्राउंड रेस्टोरेंट की जांच की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर के मारवाड़ टी पॉइंट के बाहर मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण और अंडरग्राउंड रेस्टोरेंट के संचालन से जुड़े नियमों का मामला सामने आने के बाद नगर परिषद प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई है। वार्ड संख्या 21 के पार्षद हुक्मीचंद सोलंकी ने इस संबंध में नगर परिषद आयुक्त शिवपाल सिंह और सभापति बंशीलाल माली को समस्या से अवगत कराया। उन्होंने मुख्य मार्ग से अतिक्रमण हटाने, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने तथा अंडरग्राउंड रेस्टोरेंट में अग्नि सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं और अनुमतियों की जांच कराने की मांग उठाई है। पार्षद के अनुसार, मारवाड़ टी पॉइंट के बाहर मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही के बीच ऐसी स्थिति बनने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने इस मामले को शहर की यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधा से जुड़ा बताते हुए नगर परिषद प्रशासन से मौके की स्थिति का निरीक्षण कराने तथा नियमानुसार आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन का ध्यान इस ओर भी दिलाया कि मुख्य मार्ग पर यातायात का दबाव रहने के दौरान अतिक्रमण की स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सार्वजनिक रास्तों पर आवागमन सुचारु बनाए रखना नगर परिषद और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। ऐसे में मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन करना चाहिए, ताकि आमजन को होने वाली परेशानियों का समाधान किया जा सके। इस मामले में पार्षद ने 17 अक्टूबर को सड़क पर हुई एक घटना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि होटल स्टाफ के एक ड्राइवर की गाड़ी को टक्कर लगने के बाद विवाद हुआ था। पार्षद के अनुसार, इस घटना के दौरान ड्राइवर पर पुलिस का हवाला देने और धमकी देने के आरोप लगाए गए। उन्होंने संबंधित घटनाक्रम पर नाराजगी जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पार्षद का कहना है कि किसी भी विवाद में वास्तविक परिस्थितियों और संबंधित पक्षों के बयानों के आधार पर ही निर्णय लिया जाना चाहिए। इसलिए 17 अक्टूबर की घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि, घटना के संबंध में पुलिस की आधिकारिक जांच या किसी पक्ष के आरोपों की पुष्टि की जानकारी उपलब्ध नहीं है। मारवाड़ टी पॉइंट के बाहर स्थित अंडरग्राउंड रेस्टोरेंट के संचालन को लेकर भी पार्षद ने जांच की मांग की है।



नारणावास में दुर्गाष्टमी पर जागनाथ महादेव मंदिर में महायज्ञ का आयोजन



महानगर मेट्रो ब्यूर

नारणावास। क्षेत्र में सोमवार को दुर्गाष्टमी का पर्व श्रद्धा और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ऐसराणा पर्वत स्थित जागनाथ महादेव मंदिर के प्रांगण में महायज्ञ का आयोजन किया गया। आचार्य भोजराज ने विधि-विधान के साथ मंत्रोच्चार करते हुए यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं।महायज्ञ महंत महेंद्र भारती, रूप सिंह राठौड़ नारणावास और विष्णु भारती की मौजूदगी में संपन्न हुआ। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की और क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की। र्यक्रम में नारणावास, नया नारणावास, धवला, बागरा, डूडसी, दीगांव, नागणी, आकोली और धानपुर सहित आसपास के कई गांवों के ग्रामीण शामिल हुए। आयोजन में ग्रामीणों की भागीदारी से क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना रहा।

ब्रह्माकुमारीज के 90 वर्ष पूरे होने पर शांतिवन में जुटेंगी विश्व की नामचीन हस्तियां, 23 अक्टूबर से वैश्विक शिखर सम्मेलन

'विश्व नवनिर्माण के लिए आध्यात्मिक जागृति' होगी सम्मेलन की थीम, छह हजार से अधिक विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान के आबूरोड स्थित अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 23 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस सम्मेलन में देश-विदेश की छह हजार से अधिक नामचीन हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन में आध्यात्मिक जागृति, मानवीय मूल्यों और विश्व नवनिर्माण जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। संस्थान की नौ दशक की सेवा यात्रा भी आयोजन का प्रमुख केंद्र रहेगी। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य विषय 'विश्व नवनिर्माण के लिए आध्यात्मिक जागृति' रखा गया है। इस आयोजन का उद्देश्य आध्यात्मिक चेतना के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव, मानवीय मूल्यों के विकास और विश्व कल्याण की भावना को आगे बढ़ाने पर चर्चा करना है। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशिष्ट अतिथि अपने विचार साझा करेंगे। सम्मेलन का स्वागत सत्र 23 अक्टूबर को शाम 6:30 बजे आयोजित होगा, जबकि औपचारिक शुभारंभ 24 अक्टूबर को सुबह 10 बजे किया जाएगा। आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से आने वाले प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। शांतिवन में होने वाले इस कार्यक्रम के जरिए संस्थान की आध्यात्मिक



गतिविधियों, सामाजिक सेवाओं और अब तक की यात्रा को व्यापक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। संस्थान के 90 वर्ष पूरे होने का यह अवसर उसकी दीर्घकालीन सेवा गतिविधियों और आध्यात्मिक संदेश को रेखांकित करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन में विश्व शांति, सामाजिक सद्भाव, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक जागृति जैसे विषयों पर चर्चा के साथ विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर रहेगा। आयोजन के समापन सत्र में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के शामिल होने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, अर्जुन राम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत और दुर्गादास उइके भी सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे। मिजोरम के राज्यपाल डॉ. विजय कुमार सिंह और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के भी अलग-अलग सत्रों में शामिल होने का कार्यक्रम बताया गया है। विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और अन्य क्षेत्रों से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों की भागीदारी से सम्मेलन को व्यापक स्वरूप मिलने की उम्मीद है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की 90 वर्ष की सेवा यात्रा सम्मेलन का मुख्य बिंदु रहेगी। इस दौरान संस्थान की आध्यात्मिक गतिविधियों, समाज में नैतिक मूल्यों के प्रसार और सेवा कार्यों से जुड़े पहलुओं को सामने रखा जाएगा। सम्मेलन की विषयवस्तु के अनुरूप आध्यात्मिक जागृति को विश्व नवनिर्माण से जोड़ने और मानवीय दृष्टिकोण को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शांतिवन में आयोजित होने वाला यह वैश्विक सम्मेलन संस्थान के लिए अपनी नौ दशक की यात्रा को साझा करने और भविष्य में आध्यात्मिक एवं सामाजिक सेवा के प्रयासों पर चर्चा करने का अवसर होगा।

राजस्थान हाईकोर्ट से सिरोही के 60 शिक्षकों को राहत, चार सप्ताह में मूल विभाग में भेजने के आदेश

, एक साल की अवधि पूरी होने के बाद भी कार्यमुक्त नहीं करने पर अदालत पहुंचा था मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने महात्मा गांधी विद्यालयों में कार्यरत सिरोही जिले के करीब 60 शिक्षकों को राहत प्रदान की है। अदालत ने संबंधित शिक्षकों को उनके मूल विभाग में वापस भेजने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए राजस्थान सरकार के अधिकारियों को चार सप्ताह की समयसीमा दी गई है। शिक्षकों ने निर्धारित एक साल की अवधि पूरी होने के बाद अपने मूल विभाग में लौटने के लिए आवेदन किया था, लेकिन शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ओर से उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया गया। इसके बाद शिक्षकों ने न्याय पाने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मामले में सुनवाई के दौरान शिक्षकों की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता अभिमन्युसिंह देवड़ा ने अदालत के समक्ष दलीलें रखीं। उन्होंने बताया कि निर्धारित अवधि पूरी होने के बावजूद शिक्षकों को उनके मूल विभाग में लौटने से



रोका जा रहा है। उनके अनुसार, शिक्षकों को इस तरह रोके रखना नियमों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने अपनी दलीलों के समर्थन में टीना कुमारी बनाम राजस्थान सरकार के मामले में हाईकोर्ट की ओर से पहले दिए गए आदेश का भी हवाला दिया। जानकारी के अनुसार, संबंधित शिक्षक महात्मा गांधी विद्यालयों में कार्यरत थे। निर्धारित एक साल की अवधि पूरी होने के बाद उन्होंने अपने मूल विभाग में वापसी के लिए आवेदन प्रस्तुत किए थे। शिक्षकों को उम्मीद थी कि अवधि पूरी होने के बाद उन्हें नियमानुसार कार्यमुक्त कर दिया जाएगा, लेकिन शिक्षा अधिकारियों की ओर से उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। इससे परेशान होकर शिक्षकों ने अदालत में अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं। याचिकाओं में मूल विभाग में वापसी की मांग उठाई गई। सुनवाई के दौरान शिक्षकों की ओर से यह पक्ष रखा गया कि निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद भी उन्हें कार्यमुक्त नहीं करना उचित नहीं है। अधिवक्ता ने पूर्व के न्यायिक आदेश का उल्लेख करते हुए अदालत से राहत देने का आग्रह किया। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता अभिमन्युसिंह देवड़ा ने टीना कुमारी बनाम राजस्थान सरकार मामले में हाईकोर्ट के पूर्व आदेश का हवाला दिया। उन्होंने अदालत के समक्ष दलील दी कि शिक्षकों को मूल विभाग में लौटने से रोकने के मामले में संबंधित नियमों और पूर्व न्यायिक आदेशों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। हाईकोर्ट के इस आदेश से सिरोही जिले के करीब 60 शिक्षकों को राहत मिली है।

पाली की सारड़ा पॉलीमर फैक्ट्री में भीषण आग, मलबे से मिले दो लापता मजदूरों के शव

पाली की सारड़ा पॉलीमर फैक्ट्री में भीषण आग, मलबे से मिले दो लापता मजदूरों के शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। औद्योगिक थाना क्षेत्र के फोर्थ फेज स्थित गम-ग्वार की सारड़ा पॉलीमर फैक्ट्री में रविवार देर रात लगी भीषण आग ने बड़ा हादसा कर दिया। फैक्ट्री की लिफ्ट में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटना में तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि दो मजदूर लापता हो गए थे। सोमवार को राहत और बचाव अभियान के दौरान मलबे में तलाश करने पर दोनों लापता मजदूरों के शव बरामद हुए। आग की चपेट में आने से शव बुरी तरह झुलस गए थे, जिसके कारण उनकी पहचान करना भी मुश्किल हो गया। दोनों शवों को पाली के बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में रविवार रात करीब 11:30 बजे आग लगी। लिफ्ट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात सामने आई है। आग तेजी से फैलने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सोमवार सुबह करीब 4 बजे तक आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, आग बुझने के बाद भी मलबे



से धुआं उठता रहा। इसके बाद फैक्ट्री परिसर में राहत और बचाव कार्य जारी रखा गया। आग पर काबू पाने के बाद लापता मजदूरों की तलाश शुरू की गई। इसके लिए जेसीबी और क्रेन की मदद से फैक्ट्री में जले हुए हिस्से और मलबे को हटाया गया। बचाव दल ने मलबे के बीच मजदूरों की तलाश की। सोमवार शाम करीब 4 बजे तक दोनों लापता मजदूरों के शव बरामद कर लिए गए। आग में बुरी तरह झुलसने के कारण शवों की स्थिति ऐसी थी कि पहचान करना कठिन हो गया। शवों को आगे की प्रक्रिया के लिए बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलसे, जोधपुर रेफर फैक्ट्री में लगी आग के दौरान तीन मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे। घायलों में पाली के शिवाजी नगर निवासी राजेंद्र (30) पुत्र सुखराज लखारा, बिहार के गया जिले के तरवा थाना क्षेत्र के रसलपुर निवासी विक्की (21) पुत्र दिलीप राजवंशी और बिहार के गोगा निवासी औतार चौधरी (56) पुत्र चांदों चौधरी शामिल हैं। तीनों घायलों को पहले पाली के बांगड़ अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इनमें से दो मजदूरों की हालत गंभीर बताई गई है। घटना के बाद फैक्ट्री में काम करने वाले बिहार निवासी दो मजदूर लापता हो गए थे। इनमें गया जिले के बिहारी निवासी नितिश कुमार (20) पुत्र साक्यदेव राजवंशी और गया जिले के फतेहपुर क्षेत्र के बाना बिगहा निवासी उपेन्द्र राजवंशी (32) पुत्र मुनरी राजवंशी शामिल थे। दोनों का घटना के बाद से पता नहीं चल रहा था। सोमवार को मलबा हटाकर उनकी तलाश की गई, जिसके बाद शाम करीब 4 बजे दोनों के शव मिले। फैक्ट्री में आग लगने की इस घटना में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में राहत और बचाव कार्य चलाया गया।

सिरोही में जगदम्बे नवयुवक मंडल का 54वां नवरात्रि महोत्सव अंतिम चरण में, गरबा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

करीब 200 महिलाओं और बच्चों को किया गया सम्मानित, अष्टमी पर 1008 दीपों से होगी महाआरती

महानगर मेट्रो ब्यूर

सिरोही। रामझरोखा मैदान में जगदम्बे नवयुवक मंडल की ओर से आयोजित 54वां नवरात्रि महोत्सव अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। महोत्सव के दौरान पंडाल में देर रात तक गरबा नृत्य की धूम रही। माता-बहनों, युवाओं और बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ गरबा खेलकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। रंग-बिरंगी रोशनी और श्रद्धालुओं की मौजूदगी से मैदान में उत्सव की रौनक देखने को मिली। शनिवार रात आयोजित गरबा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान दो ताली, तीन ताली, रीमिक्स और राजस्थानी शैली सहित विभिन्न प्रकार के गरबा नृत्य प्रस्तुत किए गए। प्रतिभागियों ने पारंपरिक अंदाज में गरबा खेलकर अपनी कला और उत्साह का प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान करीब 200 महिलाओं और बच्चों को मंडल की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने पर प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में विभिन्न अतिथियों ने भी शिरकत की। इनमें एडवोकेट राजेंद्रपुरी, संजय अग्रवाल, मुकेश सोनी,



विनायक हॉस्पिटल के पटेल, पार्षद पूनम प्रजापत और अनिल प्रजापत शामिल रहे। आयोजन के दौरान गरबा करने वाले प्रतिभागियों का उत्साह बना रहा और देर रात तक मैदान में धार्मिक उल्लास का वातावरण रहा। कार्यक्रम का संचालन गिरीश सगरवंशी ने किया। नवरात्रि महोत्सव के तहत अष्टमी के अवसर पर रामझरोखा परिसर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान रात 9 बजे मैदान की सभी लाइटें बंद कर 1008 दीपों से महाआरती की जाएगी। दीपों की रोशनी के बीच होने वाली महाआरती आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। इसके साथ ही माता को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। अष्टमी के दिन सुबह और दिन के समय भी धार्मिक कार्यक्रम होंगे। इनमें होमाष्टमी हवन और कन्या पूजन प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालु माता की आराधना करेंगे। जगदम्बे नवयुवक मंडल का 54वां नवरात्रि महोत्सव गरबा, सम्मान समारोह और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में आगे बढ़ रहा है।

पैरा एशियन गेम्स में राजस्थान की बेटियों का जलवा, मोना अग्रवाल ने जीता स्वर्ण तो अवनी लेखरा ने दिलाया रजत पदक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोटा। राजस्थान की निशानेबाज मोना अग्रवाल और अवनी लेखरा ने पैरा एशियन गेम्स के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की झोली में दो पदक डाल दिए। सोमवार को जापान के नागोया में आयोजित राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में सीकर की मोना अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि जयपुर की अवनी लेखरा ने रजत पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और आखिरी शॉट तक



स्वर्ण पदक के लिए संघर्ष जारी रहा। आर-2 महिला 10 मीटर एयर राइफल एसएच-1 स्पर्धा में मोना ने 250.0 अंकों का रिकॉर्ड स्कोर हासिल किया। वहीं, दो बार की पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखरा ने 249.6 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच केवल 0.4 अंक का अंतर रहा।मुकाबले का रोमांच अंतिम शॉट से पहले चरम पर था। उस समय मोना अग्रवाल 239.2 अंकों के साथ अवनी से महज 0.1 अंक आगे थीं। ऐसे में अंतिम निशाना दोनों खिलाड़ियों के लिए निर्णायक साबित हुआ। मोना ने दबाव के बीच शानदार सटीकता दिखाते हुए अपना स्कोर 250.0 तक पहुंचाया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया। अवनी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। एसएच-1 श्रेणी में ऐसे निशानेबाज हिस्सा लेते हैं।

पत्रकार आवास पर रियायत बढ़ाए सरकार, पंजीयन शुल्क 25 हजार रुपये तक रखने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

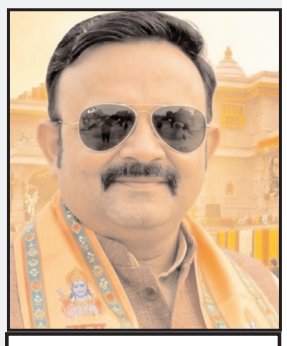
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा पत्रकारों के लिए प्रस्तावित आवास योजना में 3 बीएचके फ्लैट पर 15 लाख और 2 बीएचके पर 12 लाख रुपये की रियायत देने की घोषणा स्वागतयोग्य है, लेकिन पत्रकारों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। राजस्थान अधिस्वीकृत पत्रकार संघ ने



सरकार से आवास पर अतिरिक्त छूट देने, पंजीयन शुल्क अधिकतम 25 हजार रुपये रखने और पात्रता की आय सीमा में व्यावहारिक बदलाव करने की मांग की है। संघ के अध्यक्ष डॉ. अखिल बंसल ने कहा कि जिन पत्रकारों को 18 हजार रुपये मासिक सम्मान राशि मिलती है, उनके लिए परिवार का गुजारा करना ही कठिन है। ऐसे में 70 से 75 लाख रुपये तक के फ्लैट खरीदना और भारी मासिक किस्त चुकाना कैसे संभव होगा? सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रियायत के बाद भी मकानों की कीमत पत्रकारों की पहुंच से बाहर न रहे। संघ ने आवास योजना में प्रस्तावित पांच लाख रुपये की वार्षिक आय सीमा की समीक्षा करने की मांग की है। पात्रता के नियम पत्रकारों की वास्तविक आर्थिक स्थिति और आवास खरीदने की क्षमता को ध्यान में रखकर तय किए जाने चाहिए, ताकि जरूरतमंद पत्रकार योजना के लाभ से वंचित न रहें। डॉ. बंसल ने कहा कि फ्लैट की कीमत के अतिरिक्त पंजीयन और अन्य शुल्क भी पत्रकारों पर आर्थिक बोझ डालते हैं। इसलिए पंजीयन शुल्क अधिकतम 25 हजार रुपये रखा जाए। साथ ही, फ्लैटों की कीमत में अतिरिक्त छूट, लंबी अवधि की आसान किस्तों और कम ब्याज दर पर ऋण की व्यवस्था पर भी विचार किया जाए। जयपुर के साथ प्रदेश के अन्य जिलों के अधिस्वीकृत पत्रकारों की आवासीय जरूरतों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। शोधित वे उदारता का परिचय देते हुए पत्रकारों की आर्थिक स्थिति के अनुरूप अतिरिक्त रियायतें देने पर निर्णय करें।

सम्पादकीय

2027 का बैटलग्राउंड और कांग्रेस-AAP अलायंस पावर इक्वेशन या पॉलिटिकल मजबूरी?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के नतीजों और उसके बाद राज्य की पॉलिटिक्स गरमा गई है। हालांकि गांधीनगर के आंकड़े लोकल बॉडी चुनाव के हैं, लेकिन इनका असर सीधे 2027 के असेंबली चुनाव तक पहुंच रहा है। राज्य के पॉलिटिकल गलियारों में अभी सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को 2027 में BJP को सत्ता से हटाने के लिए मिलकर लड़ना चाहिए? एक जाने-माने पॉलिटिकल एनालिस्ट के मुताबिक, अगर ये दोनों पार्टियां अलग-अलग लड़ती हैं, तो भारतीय जनता पार्टी को सीधा और बड़ा फायदा होगा, जबकि अगर अलायंस बनता है, तो यह रूलिंग पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है। 1. गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के नतीजों से सबक बिखरे हुए विपक्षी वोटरों का नुकसान

अगर हम गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन या गुजरात के दूसरे चुनावों का इतिहास देखें, तो एक साफ़ ट्रेंड दिखता है – जब भी विपक्षी पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा है, तो विपक्षी पार्टी के वोटों का बंटवारा हुआ है।

अगर BJP विरोधी वोट दो हिस्सों में बंट जाते हैं, तो इसका सीधा फ़ायदा सीटों की गिनती में रूलिंग पार्टी को मिलता है।

अगर ये दोनों पार्टियां पिछली लड़ाइयों को भूल जाती हैं और ज़मीनी हकीकत को नहीं मानती हैं, तो 2027 में भी 2022 जैसे ही हालात बन सकते हैं, जहां विपक्षी पार्टियों के होने के बावजूद विपक्षी वोटर बेबस हो जाते हैं।

2. BJP के लिए 'सेफ़ ज़ोन' के ख़िलाफ़ 'मुश्किल लड़ाई'

पॉलिटिकल एनालिस्ट साफ़ तौर पर मानते हैं कि

अलग-अलग लड़ने का मतलब है BJP के लिए आसान जीतः अगर कांग्रेस और AAP अपनी-अपनी ताकत आज़माने पर ज़ोर देते हैं, तो तीन-तरफ़ा लड़ाई में BJP उम्मीदवारों के लिए जीत का रास्ता आसान हो जाएगा। गुजरात के वोटरों का एक बड़ा हिस्सा BJP के खिलाफ है, लेकिन अगर यह दोनों पार्टियों में बंट गया तो सेक्युलर या सुधारवादी वोटरों की ताकत कमजोर हो जाएगी। गठबंधन का मतलब है सत्ता को सीधी चुनौतीः अगर दोनों पार्टियां समय रहते समझौता करके एक प्लेटफॉर्म पर आ जाती हैं, तो BJP के खिलाफ एक मजबूत और वैकल्पिक मोर्चा बन सकता है। यह गठबंधन न सिर्फ सीटों की संख्या बढ़ाएगा, बल्कि BJP के अजेय रथ को रोकने के लिए भारी राजनीतिक दबाव भी बनाएगा।

3. गठबंधन की राह में चुनौतियां और हकीकत

कांग्रेस और AAP के बीच गठबंधन की बात कागजों पर जितनी आसान लगती है, जमीन पर उतनी ही आसान हैः

वर्करों का हौसला और नाराजगीः दशकों से एक-दूसरे से लड़ रहे कांग्रेस और AAP के जमीनी स्तर के वर्करों को एक प्लेटफॉर्म पर लाना एक बड़ी चुनौती है। टिकट बांटना और सीटों का बंटवारा दोनों पार्टियों के लिए सिरदर्द हो सकता है।

संगठन की ताकतः कांग्रेस का गुजरात के हर गांव में पुराना नेटवर्क और कैडर है, जबकि AAP के पास सोशल मीडिया, युवाओं में अपील और शहरी इलाकों में पकड़ है। अगर दोनों पार्टियां अपनी-अपनी ताकत की 'सिनर्जी' बना पाएं, तो ही नतीजे उम्मीद के मुताबिक आ सकते हैं।

नतीजाः सही समय है, फैसले मुश्किल!

राजनीति में, 'भावनाओं' से ज़्यादा 'गणित' बोलता है। गांधीनगर नगर निगम के नतीजे साफ़ चेतावनी हैं कि विपक्षी एकता के बिना सत्ता का समीकरण बनाना नामुमकिन है। 2027 के विधानसभा चुनाव ज़्यादा दूर नहीं हैं। अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने समय रहते अपने ईगो और मतभेदों को भुलाकर कोई स्ट्रेटेजिक गठबंधन नहीं बनाया, तो गुजरात में BJP विरोधी वोटर निराश होते रहेंगे और BJP सत्ता की गद्दी पर मज़बूती से बनी रहेगी। अब देखना यह है कि क्या गुजरात के विपक्षी नेता लोगों की उम्मीदों को समझकर कोई ऐतिहासिक समझौता करेंगे या फिर एक बार अलग-अलग लड़कर थाली में परोसकर सत्ता सौंप देंगे?



आज का राशिफल

(मंगलवार)20 अक्टूबर 2026

मेष – कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर बनेंगे और परिवार का सहयोग मिलेगा। अधूरे काम पूरे करने के लिए दिन अनुकूल रह सकता है

वृषभ – नई योजनाओं पर काम शुरू करने का विचार बन सकता है। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मेहमानों के आने से व्यस्तता बढ़ सकती है

मिथुन – कामकाज में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। परिवार की जिम्मेदारियों पर ध्यान देना होगा। किसी भी आर्थिक योजना में जल्दबाजी करने से बचें।

कर्क – कामकाज में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन मेहनत से अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है। आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर बन सकते हैं। क्रोध और जल्दबाजी से बचें

सिंह – महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय सोच-विचार करें। लेन-देन में सावधानी रखें और अपनी निजी जानकारी किसी से साझा न करें।

कन्या – खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। काम का दबाव महसूस हो तो बीच-बीच में आराम करें। किसी को पैसा उधार देने से पहले अच्छी तरह विचार कर लें

तुला – परिवार और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रह सकते हैं। कारोबार में गुणवत्ता पर ध्यान दें। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से उलझा हुआ मामला सुलझ सकता है।

वृश्चिक – कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता की सराहना हो सकती है। नई योजना पर काम करने का अवसर मिलेगा। परिवार में आपसी तालमेल बनाए रखने से प्रसन्नता मिलेगी

धनु – आत्मविश्वास बढ़ेगा और सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपनी बात सोच-समझकर रखें। विरोधियों से उलझने के बजाय अपने काम पर ध्यान दें

मकर – परिवार से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने पर समय का सही प्रबंधन करें।

कुंभ – नौकरी और व्यवसाय में योजनाबद्ध तरीके से काम करने से फायदा मिल सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। किसी निर्णय को लेकर असमंजस हो तो जल्दबाजी न करें

मीन – व्यापार और साझेदारी से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। रुका हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद रहेगी।

न कोर्ट, न कागज़, न विदाई... फिर भी रिश्ते का अंत! – साइलेंट डिवोर्स

एक ही छत के नीचे रहने वाले दो अजनबियों की कहानी!

वैवाहिक जीवन का सबसे भयानक अंत वह नहीं है जहाँ दो लोग कानूनी रूप से अलग हो जाएँ। सबसे भयानक अंत वह है जहाँ वे एक ही छत के नीचे रहते तो हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए जीना छोड़ देते हैं। 'साइलेंट डिवोर्स' यानी ऐसी स्थिति जहाँ पति-पत्नी अलग नहीं हुए हैं, लेकिन दिल से एक-दूसरे को कब का निकाल चुके हैं। इसमें कोई वकील नहीं होता, कोई कोर्ट की तारीख नहीं होती, फिर भी रिश्ता अंदर से बिल्कुल खोखला हो चुका होता है।

जब खामोशी दीमक बन जाए...

शुरुआत में शिकायतें होती हैं, 'तुम समय नहीं देते' या 'तुम मुझे समझती नहीं हो'। फिर यही बातें बड़े झगड़े का रूप ले लेती हैं। लेकिन धीरे-धीरे ये शिकायतें बिल्कुल बंद हो जाती हैं। दोनों मान लेते हैं कि सब शांत हो गया है, लेकिन हर खामोशी सुख की निशानी नहीं होती। जब सामने वाले से बहस या शिकायत करना ही बंद हो जाए, तो समझ लेना चाहिए कि अंदर से रिश्ता सुधरने की कोई उम्मीद नहीं बची है।

जब कोई इंसान शिकायत करता है, तो शायद वह आपको समझाना चाहता है; लेकिन जब वह लगातार चुप रहने लगे, तो समझ लें कि उसकी भावनाएं मर चुकी हैं।

एक ही घर में रहने वाले दो अजनबी

पति अपनी दुनिया में व्यस्त है, पत्नी अपनी ज़िम्मेदारियों में। घर खर्च, बच्चों की फीस और रोज़मर्रा के कामों की ही बातें होती हैं, लेकिन 'आज तुम्हारा दिन कैसा रहा?' यह पूछने की न किसी को फुर्सत है और न ही इच्छा। एक ही टेबल पर खाना खाने वाले दो लोगों के बीच पूरी ज़िंदगी जितनी दूरी बन चुकी होती है। वे पति-पत्नी के बजाय सिर्फ 'रूममेट' बनकर जी रहे होते हैं। कई जोड़े सिर्फ बच्चों की खातिर या समाज को दिखाने के लिए रिश्ता खींचते हैं। एक सामाजिक मुखौटा पहनकर शादियों या सोशल गैदरिंग में हंसते चेहरे के साथ फोटो खिंचवाते हैं, ताकि समाज में इज्जत बनी रहे। लेकिन घर लौटने के बाद दोनों अपने-अपने कमरों या मोबाइल में खो जाते हैं। 'बच्चे बड़े हो जाएं तब तक निभा लेते हैं', ऐसा सोचने वाले यह भूल जाते हैं कि बच्चों को सिर्फ एक घर में रहने वाले माता-पिता नहीं, बल्कि प्यार और सम्मान से जीने वाले रिश्तों का उदाहरण चाहिए होता है। बंद दरवाज़ों के पीछे की यह अनजानी दूरी बच्चे के दिमाग पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालती है।

गलती किसकी? अहंकार या थकान?

पति को लगता है पत्नी बदल गई है, पत्नी को लगता है पति पहले जैसा नहीं रहा। दोनों के पास अतीत की मीठी यादें हैं, लेकिन वर्तमान में उस प्यार को वापस लाने की पहल कौन करे? अहंकार कहता है, 'मैं क्यों झुकूँ?' और थकान कहती है, 'अब जैसा चल रहा है वैसा चलने दो।' इसी कशमकश में महीने और साल बीत जाते हैं। प्यार मरता नहीं है, लेकिन भावनाएं व्यक्त होना बिल्कुल बंद हो जाती हैं।

रिश्तों में सबसे बड़ी दूरी किलोमीटर की नहीं होती, बल्कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद एक-दूसरे के मन की बात न समझ पाने की होती है।

क्या साइलेंट डिवोर्स से वापस लौटा जा सकता है?

अगर कोई रिश्ता इस मुकाम पर पहुँच गया है, तो उसे बचाने के रास्ते अभी भी खुले हैं, शर्त सिर्फ इतनी है कि दोनों पक्षों की इच्छा होनी चाहिए.

खामोशी तोड़ें: खुले मन से बातचीत करें। 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे से दूर हो रहे हैं'–ऐसा एक ईमानदार संवाद रिश्ते में फिर से जान डाल सकता है।

आरोप नहीं, भावनाएं व्यक्त करें: 'तुम मुझे समझते नहीं' कहने के बजाय यह कहें, 'जब मेरी बात नहीं सुनी जाती, तो मुझे अकेलापन महसूस होता है।'

अहंकार किनारे रखें: रिश्ते में पहल करना कमज़ोरी नहीं है। एक-दूसरे की गलतियां निकाले बिना सिर्फ सुनने की आदत डालें।

समय दें: मोबाइल या टीवी के बिना एक-दूसरे के साथ समय बिताएं और रोज़मर्रा की ज़िम्मेदारियों से आगे बढ़कर मन की बातें करें।

शादी का सर्टिफिकेट रिश्ते के ज़िंदा होने का सबूत नहीं है। सच्ची जीत यह नहीं है कि दो



लोगों ने पूरी ज़िंदगी एक ही घर में बिता दी; सच्ची जीत यह है कि पूरी ज़िंदगी साथ बिताते हुए वे एक-दूसरे के लिए अजनबी न बन जाएं। रिश्ते को बचाना है तो खामोशी से बड़ा संवाद को बनाएं और अहंकार पर समझ को जीतने दें।

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

सड़क सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, बोला–काम पूरा नहीं हुआ तो हाईकोर्ट गेट पर धरने पर बैठ जाएंगे दोनों जज

नई दिल्ली दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़क पार करने वाले लोगों की सुरक्षा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाया। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि सुरक्षा से जुड़े जरूरी काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो दोनों न्यायाधीश दिल्ली हाईकोर्ट के गेट पर धरने पर बैठ जाएंगे और काम पूरा होने तक अपने घर नहीं लौटेंगे। कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रम बनर्जी को लेकर भी सख्त टिप्पणी की और कहा कि उन्हें भी घर नहीं जाने दिया जाएगा। यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट के आसपास सड़क पार करने वाले पैदल यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा है। अदालत का जोर इस बात पर रहा कि व्यस्त सड़क पर लोगों को सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने की सुविधा मिलनी चाहिए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने संकेत दिया कि केवल औपचारिक इंतजाम कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसे प्रभावी उपाय जरूरी हैं, जिनसे दुर्घटनाओं का खतरा कम किया जा सके।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पारदीवाला ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह लोगों की जान का सवाल है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जरूरत पड़ने पर दोनों न्यायाधीश स्वयं मौके पर जाएंगे। उन्होंने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से भी साथ चलने को कहा और स्पष्ट किया कि यह जनहित से जुड़ा मामला है। अदालत की सख्त टिप्पणी का केंद्र दिल्ली हाईकोर्ट के पास पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित सड़क पार करने की व्यवस्था का अभाव रहा। कोर्ट ने संकेत दिया कि इस तरह के मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों को केवल आश्वासन देने के बजाय जमीन पर ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। लोगों की सुरक्षा से जुड़े काम में देरी को अदालत ने गंभीरता से लिया।

सुनवाई के दौरान अदालत की सहायता के लिए नियुक्त एमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से संबंधित स्थान पर रेड लाइट सिग्नल लगवा दिया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल रेड लाइट लगा देना पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। गौरव अग्रवाल ने सुझाव दिया कि संबंधित स्थान पर स्पीड ब्रेकर और रंबल स्ट्रिप्स भी लगाई जानी चाहिए, ताकि वाहनों की गति नियंत्रित हो सके और सड़क पार करने वाले लोगों को अधिक सुरक्षा मिल सके। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को उस क्षेत्र में वाहनों तथा पैदल यात्रियों की आवाजाही का अध्ययन करना चाहिए। इस अध्ययन के आधार पर सुरक्षा के लिए जरूरी उपाय तय किए जा सकते हैं। केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रम बनर्जी ने कहा कि संबंधित स्थान पर रेड लाइट सिग्नल लगाना पर्याप्त है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि सुरक्षा के लिए अतिरिक्त इंतजामों की जरूरत है, तो केंद्र सरकार उन्हें करने के लिए तैयार है। सरकार के इस पक्ष के बाद अदालत ने मामले की गंभीरता पर जोर दिया। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा कि यह सीधे लोगों की जान से जुड़ा विषय है। कोर्ट की टिप्पणियों से स्पष्ट हुआ कि सड़क सुरक्षा के लिए केवल ट्रैफिक सिग्नल लगाने के बजाय पैदल यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्था पर भी विचार किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 15 सितंबर को केंद्र सरकार से कहा था कि वह दिल्ली हाईकोर्ट और नेशनल जूलॉजिकल पार्क के पास सड़क पार करने वाले स्थानों पर स्पीड ब्रेकर और रंबल स्ट्रिप्स लगाने के संबंध में फैसला करे। अदालत का ध्यान इस बात पर है कि व्यस्त सड़क पर पैदल चलने वालों को सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने की सुविधा मिले और वाहनों की तेज रफ्तार के कारण दुर्घटना का खतरा कम हो सड़क सुरक्षा के लिए स्पीड ब्रेकर और रंबल स्ट्रिप्स जैसे उपाय वाहनों की गति नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसी संदर्भ में एमिकस क्यूरी ने संबंधित स्थान पर अतिरिक्त इंतजामों की आवश्यकता बताई। सुनवाई में अदालत ने केंद्र सरकार से इस विषय पर गंभीरता से विचार करने की अपेक्षा जताई।

वी. शांताकुमारी ने 'दिमागी नक्सलवाद' को बताया जहरीले विचारों का अदृश्य तंत्र, कहा–युवाओं और महिलाओं को प्रभावित कर समाज में अशांति फैलाने की कोशिश

नागपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े महिला संगठन राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका वी. शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों की आलोचना करते हुए उन्हें असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि देश में मौजूदा हालात चिंता का विषय हैं और इस तरह के प्रदर्शन भारत में अस्थिरता पैदा करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। उनके अनुसार, प्रदर्शनकारी देश की संस्कृति को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं और समाज में रचनात्मक बदलाव लाने के बजाय अशांति का माहौल बना रहे हैं। शांताकुमारी ने ये बातें 16 अक्टूबर को नागपुर में राष्ट्र सेविका समिति के वार्षिक विजयादशमी उत्सव एवं शस्त्रपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। अपने संबोधन में उन्होंने देश में चल रही विरोध गतिविधियों, युवाओं पर पड़ने वाले वैचारिक प्रभाव और समाज में बढ़ती अशांति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने जंतर-मंतर पर लगातार हो रहे प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हें असंवैधानिक प्रदर्शन कहा जा सकता है। उनके मुताबिक, देश इस समय अराजकता जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। राष्ट्र सेविका समिति प्रमुख ने अपने संबोधन में 'दिमागी नक्सलवाद' का जिक्र करते हुए इसे जहरीले विचारों का सबसे खतरनाक और अदृश्य तंत्र बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की विचारधारा नई पीढ़ी, विशेषकर जेन-जी यानी युवाओं को प्रभावित कर रही है। उनका कहना था कि युवाओं और महिलाओं के मन में अशांति पैदा की जा रही है और उन्हें भड़काने का प्रयास हो रहा है। शांताकुमारी के अनुसार, वैचारिक स्तर पर होने वाली ऐसी गतिविधियां समाज के लिए चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव केवल राजनीतिक या सार्वजनिक विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं और महिलाओं की सोच को प्रभावित करने के रूप में भी सामने आ रहा है। हालांकि, अपने वक्तव्य में उन्होंने इन आरोपों के समर्थन में किसी विशिष्ट संगठन या गतिविधि का विस्तृत विवरण नहीं दिया। शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शनों के उद्देश्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों का मुख्य लक्ष्य भारत में अस्थिरता पैदा करना और देश की संस्कृति को नष्ट करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी समाज में सकारात्मक और रचनात्मक बदलाव लाने के इरादे से काम नहीं कर रहे हैं। उनके मुताबिक, इन गतिविधियों के पीछे समाज में अशांति फैलाने की मंशा है।

उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे प्रदर्शनों को केवल विरोध की सामान्य गतिविधि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उनके विचार में, ऐसी गतिविधियों के व्यापक सामाजिक प्रभावों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने देश की मौजूदा स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों को वैचारिक स्तर पर सतर्क रहने का संदेश दिया। 'दिमागी नक्सली' शब्द का उल्लेख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के भाषण में किया था। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा था कि देश जंगलों में सक्रिय सशस्त्र नक्सलियों को समाप्त करने और इस चुनौती से मुक्त होने की दिशा में सफल हुआ है, लेकिन उनके अनुसार वैचारिक स्तर पर 'दिमागी नक्सली' अब भी मौजूद हैं। प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद 'दिमागी नक्सली' शब्द सार्वजनिक



चर्चा में आया। शांताकुमारी ने भी अपने संबोधन में 'दिमागी नक्सलवाद' का उल्लेख करते हुए इसे समाज और युवाओं को प्रभावित करने वाला वैचारिक तंत्र बताया। उन्होंने जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शनों को इसी व्यापक चिंता के संदर्भ में रखते हुए उनकी आलोचना की। राष्ट्र सेविका समिति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा महिला संगठन है। वी. शांताकुमारी संगठन की प्रमुख संचालिका हैं और उन्हें 'शांताक्का' के नाम से भी जाना जाता है।

मतदाता सूची से नाम कटने वालों को दोबारा पंजीकरण में मिल सकती है राहत

महाराष्ट्र में मतदाता सूची से नाम हटने के बाद दोबारा पंजीकरण कराने वाले लोगों की परेशानी दूर करने के लिए फॉर्म-6 में बदलाव की तैयारी की जा रही है। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस संबंध में चुनाव आयोग को प्रस्ताव भेजा है। इसमें सुझाव दिया गया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नाम हटने वाले लोगों से दोबारा नाम जुड़वाने के लिए पहली बार मतदाता बनने संबंधी घोषणा नहीं कराई जाए। अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा घोषणा और उससे जुड़े कानूनी प्रावधानों के कारण कई मतदाता आवेदन करने से हिचकिचा रहे हैं। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो ऐसे मतदाताओं के लिए आवेदन प्रक्रिया अधिक स्पष्ट हो सकती है। जानकारी के अनुसार, यह प्रस्ताव पिछले सप्ताह चुनाव आयोग को भेजा गया था। महाराष्ट्र में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) जारी है। इस प्रक्रिया के दौरान मसौदा मतदाता सूची से नाम हटने वाले पुराने मतदाताओं को भी अपना नाम दोबारा शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 भरने को कहा जा रहा है। ऐसे में पहली बार मतदाता बनने से संबंधित घोषणा को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। पहले से मतदाता रह चुके लोगों के सामने सवाल है कि यदि वे दोबारा नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करते हैं, तो क्या उन्हें भी पहली बार मतदाता बनने की घोषणा करनी होगी। अधिकारियों के अनुसार, कुछ मतदाताओं को आशंका है कि पहले से मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के बावजूद यदि वे पहली बार मतदाता बनने की घोषणा करते हैं, तो इसे गलत जानकारी देने के रूप में देखा जा सकता है। इसी तरह की शिकायतें कुछ बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की ओर से भी सामने आने की बात कही गई है। प्रस्ताव का उद्देश्य इस असमंजस को दूर करना और पुराने मतदाताओं के लिए दोबारा पंजीकरण की प्रक्रिया को स्पष्ट बनाना है।

मौजूदा फॉर्म-6 में आवेदक को यह घोषणा करनी होती है कि वह पहली बार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर रहा है। इसके साथ ही यह भी बताना होता है कि उसका नाम किसी अन्य विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल नहीं है। पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं और अन्य पात्र आवेदकों के लिए यह घोषणा महत्वपूर्ण है। हालांकि, जिन लोगों का नाम पहले मतदाता सूची में दर्ज था और पुनरीक्षण के दौरान हट गया, उनके मामले में इस घोषणा की प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत जानबूझकर गलत घोषणा करने पर एक साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। इसी कानूनी प्रावधान को लेकर कुछ मतदाताओं में चिंता होने की बात सामने आई है। उन्हें आशंका है कि फॉर्म में दी गई जानकारी और उनके पुराने मतदाता रिकॉर्ड में अंतर होने पर उन्हें कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, किसी घोषणा में गलती होने और जानबूझकर गलत घोषणा करने के बीच अंतर है। ऐसे में आवेदन करते समय सही जानकारी देना जरूरी है। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए घोषणा से जुड़े नियमों में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। अब इस पर चुनाव आयोग का निर्णय महत्वपूर्ण होगा। आयोग की मंजूरी और अंतिम दिशा-निर्देश जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि पुराने मतदाताओं से किस तरह की घोषणा कराई जाएगी। चुनाव आयोग ने 10 अक्टूबर को उन राज्यों में फॉर्म-6 से संबंधित प्रक्रिया में बदलाव किया था, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण पूरा हो चुका है। उस बदलाव के तहत एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से नाम हटने के बाद दोबारा नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करने वालों को वर्ष 2003 की मतदाता सूची से संबंधित जानकारी देने की अनिवार्यता हटा दी गई थी। इसके बाद आवेदकों को यह बताने की जरूरत नहीं रही कि उनका अपना नाम या उनके माता-पिता अथवा दादा-दादी का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज था या नहीं। इस संबंध में शामिल अतिरिक्त घोषणा-पत्र को फॉर्म-6 से हटा दिया गया था। इस बदलाव का उद्देश्य दोबारा नाम जुड़वाने वाले आवेदकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना था। अब महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से भेजा गया नया प्रस्ताव भी पुराने मतदाताओं की परेशानियां कम करने से जुड़ा है। इसमें विशेष रूप से उन लोगों के लिए घोषणा संबंधी नियमों पर विचार करने का सुझाव दिया गया है, जिनका नाम पहले मतदाता सूची में दर्ज था, लेकिन पुनरीक्षण के दौरान हट गया। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो ऐसे मतदाताओं को आवेदन करते समय पहली बार मतदाता बनने संबंधी घोषणा को लेकर होने वाली उलझन से राहत मिल सकती है। चुनाव आयोग ने 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में



मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) का निर्देश दिया है। इनमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्य शामिल हैं, जहां वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन करना और पात्र नागरिकों को उसमें नाम शामिल कराने का अवसर देना है। एसएसआर के तहत नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे और पहले से दर्ज विवरण में मौजूद गलतियों को सुधारा जाएगा। वर्ष 2027 में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी निर्धारित नियमों के अनुसार मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा, मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने से संबंधित जानकारी राजनीतिक दलों के साथ साझा किए जाने की व्यवस्था भी इस प्रक्रिया का हिस्सा है।

यूपी चुनाव के लिए सपा का रोडमैप तैयार, अखिलेश यादव इस दिन जारी करेंगे मैनिफेस्टो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

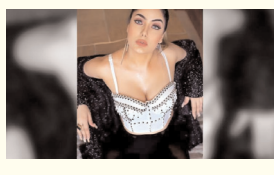
लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाते हुए अपने घोषणापत्र की तारीख घोषित कर दी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर पार्टी का घोषणापत्र जारी करेंगे। अखिलेश यादव ने इसकी जानकारी देते हुए इसे 'सत्ताइस का संकल्प-पीडीए का प्रण पत्र' नाम दिया है। अखिलेश यादव ने सोमवार को सामाजिक माध्यम एक्स पर पोस्ट कर घोषणापत्र जारी करने की जानकारी साझा की। विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी अपने चुनावी मुद्दों और प्राथमिकताओं को जनता के सामने रखने की तैयारी में है। पार्टी प्रमुख पहले भी कई मंचों से उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनाने का दावा कर चुके हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश में राजनीतिक दलों ने अपनी गतिविधियां बढ़ा दी हैं। समाजवादी पार्टी के साथ भाजपा और कांग्रेस सहित अन्य दल भी चुनावी रणनीति तैयार करने में जुटे हैं। चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही राजनीतिक दल अपने समर्थक वर्गों तक पहुंच बनाने और मतदाताओं के बीच अपनी प्राथमिकताओं को रखने की कोशिश कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी की राजनीति में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए का मुद्दा प्रमुख रहा है। पार्टी अपने चुनावी संदेश में इस सामाजिक समीकरण को केंद्र में रखती रही है। ऐसे में 'पीडीए का प्रण पत्र' नाम से घोषणापत्र जारी करने की घोषणा को सपा की चुनावी रणनीति के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, घोषणापत्र में कौन-कौन से वादे और योजनाएं शामिल होंगी, इसका खुलासा जारी होने के बाद ही होगा। यादव समाज भी उत्तर प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह समाज लंबे समय से समाजवादी पार्टी का प्रमुख सामाजिक आधार रहा है। वहीं, भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दल भी पिछड़े वर्गों के मतदाताओं के बीच अपना समर्थन बढ़ाने के प्रयास करते रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले घोषणापत्र के जरिए राजनीतिक दल अपनी नीतियों, वादों और प्राथमिकताओं को मतदाताओं तक पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अखिलेश यादव द्वारा 26 नवंबर को घोषणापत्र जारी किए जाने की घोषणा के बाद अब सबकी निगाहें इस बात पर रहेंगी



शिवा हत्याकांड में फंसी श्रद्धा दुबे के फ्लैट पर चस्पा हुआ नोटिस,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

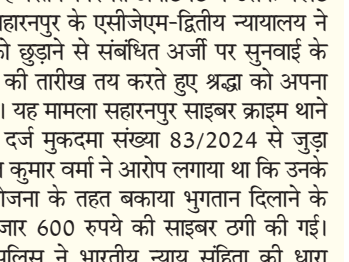
लखनऊ/सहारनपुर। लखनऊ के शिवा शर्मा हत्याकांड में फरार चल रही श्रद्धा दुबे से जुड़ा एक और मामला सामने आया है। सहारनपुर में आयुष्मान योजना के नाम पर 90.59 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में अदालत ने श्रद्धा दुबे को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस लखनऊ के हजरतगंज स्थित अपार्टमेंट में उसके फ्लैट पर चस्पा किया गया है। सहारनपुर के एसीजेएम-द्वितीय न्यायालय ने जब्त स्कोडा सुपर्ब कार को छुड़ाने से संबंधित अर्जी पर सुनवाई के लिए 30 अक्टूबर 2026 की तारीख तय करते हुए श्रद्धा को अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं। यह मामला सहारनपुर साइबर क्राइम थाने में 11 नवंबर 2024 को दर्ज मुकदमा संख्या 83/2024 से जुड़ा है। शिकायतकर्ता डॉ. प्रभात कुमार वर्मा ने आरोप लगाया था कि उनके अस्पताल को आयुष्मान योजना के तहत बकाया भुगतान दिलाने के नाम पर 90 लाख 59 हजार 600 रुपये की साइबर ठगी की गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 317(4) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब इसी कार को छुड़ाने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है। डॉ. प्रभात कुमार वर्मा की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई करते हुए अदालत ने श्रद्धा दुबे को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर 2026 को निर्धारित की है। अदालत के निर्देश पर जारी नोटिस लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र स्थित अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर श्रद्धा दुबे के फ्लैट पर चस्पा किया गया। इसी अपार्टमेंट में शिवा शर्मा की गिरकर मौत होने का मामला भी सामने आया था। शिवा हत्याकांड में श्रद्धा दुबे के फरार होने की बात सामने आने के बीच सहारनपुर के साइबर ठगी मामले में अदालत की यह कार्रवाई चर्चा में है। हालांकि, दोनों मामले अलग-अलग हैं और इनमें कानूनी प्रक्रिया अपने-अपने तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ रही है।



रामपुर के मंदिर में गढ़े खोद समाधि लेने पर अड़ी लीलावती, पुलिस एक?शन में,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में एक मंदिर परिसर में समाधि लेने की तैयारी कर रही महिला का मामला सामने आया है। शाहबाद कोतवाली क्षेत्र के भुड़ासी गांव स्थित खेरो वाले मंदिर में लीलावती ने समाधि लेने के लिए गड्ढे खुदवाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गड्ढे को पाटवा दिया। महिला को समझाइश देने के बाद भी अगले दिन दोबारा गड्ढे खोदे जाने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मंदिर के पुजारी और महिला के पति समेत 4 लोगों का शांतिभंग की आशंका में चालान किया। एहतियात के तौर पर मंदिर परिसर के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, भुड़ासी गांव में स्थित खेरो वाले मंदिर में नंद किशोर की पत्नी लीलावती ने एक मूर्ति स्थापित कराई थी। महिला का दावा है कि सपने में माता रानी ने दर्शन देकर उन्हें समाधि लेने के लिए कहा। इसी के बाद उसने मंदिर परिसर में समाधि लेने की तैयारी शुरू कर दी। शनिवार को लीलावती ने मंदिर परिसर में गड्ढे खुदवाया और पूजा-पाठ करने लगी। इसकी सूचना पुलिस तक पहुंची तो टीम मौके पर पहुंच गई और महिला को शाहबाद कोतवाली ले गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे समझाने का प्रयास किया। कोतवाली में महिला पुलिसकर्मियों ने मिशन शक्ति अभियान के तहत लीलावती की काउंसलिंग की। पुलिस ने उसे समझाया कि वह समाधि लेने का प्रयास करने के बजाय मंदिर में पूजा-पाठ करे। महिला ने पुलिस को आश्वासन दिया कि वह पूजा-पाठ तक ही सीमित रहेगी और समाधि लेने का प्रयास नहीं करेगी। इसके बाद पुलिस ने मंदिर परिसर में खोदे गए गड्ढे को पाटवा दिया। पुलिस के समझाने के बाद मामला शांत होने की उम्मीद थी, लेकिन रविवार को लीलावती ने मंदिर परिसर में दोबारा गड्ढे खुदवा दिया। इस बार भंडारे की तैयारी के साथ पूजा-पाठ भी शुरू किया गया। महिला के फिर से समाधि लेने की तैयारी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम दोबारा मंदिर पहुंची और गड्ढे को फिर से पाटवा दिया। उस समय लीलावती पूजा-पाठ कर रही थी, इसलिए पुलिस ने उसे हिरासत में नहीं लिया। हालांकि, मामले की पुनरावृत्ति को देखते हुए मंदिर परिसर के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया, ताकि दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।



मध्य प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 4 आईएएस

मेट्रो रेल कंपनी के अपर प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार भी मिला; संस्कृति जैन और अंजू अरुण कुमार मंत्रालय पहुंचीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्य शासन ने देर रात प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 4 भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की नई पदस्थापनाएं की हैं। जारी आदेश के तहत भोपाल और जबलपुर नगर निगम के आयुक्तों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। वहीं, 2 अधिकारियों को मंत्रालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। इन बदलावों के तहत रामप्रकाश अहिरवार को भोपाल नगर निगम की कमान सौंपी गई है, जबकि अग्रिम कुमार को जबलपुर नगर निगम आयुक्त बनाया गया है। संस्कृति जैन को वित्त विभाग और अंजू अरुण कुमार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में नई जिम्मेदारी दी गई है।वर्ष 2018 बैच के आईएएस अधिकारी रामप्रकाश अहिरवार को जबलपुर नगर निगम आयुक्त के पद से स्थानांतरित कर भोपाल नगर निगम का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही



उन्हें मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड, भोपाल के अपर प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। राजधानी भोपाल में नगर निगम की प्रशासनिक व्यवस्था और मेट्रो रेल से जुड़ी जिम्मेदारियां अब उनके पास रहेंगी। वर्ष 2015 बैच की आईएएस अधिकारी संस्कृति जैन को भोपाल नगर निगम आयुक्त और मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड के अपर प्रबंध संचालक के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें मंत्रालय में वित्त विभाग का उप सचिव नियुक्त किया गया है। नई पदस्थापना के साथ अब वह वित्त विभाग से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगी। वर्ष 2017 बैच की आईएएस अधिकारी अंजू अरुण कुमार को भोपाल स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद से स्थानांतरित कर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में उप सचिव बनाया गया है। उनके पास भोपाल नगर निगम के अपर आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार भी था। नई पदस्थापना के बाद उनकी प्रशासनिक जिम्मेदारी में बदलाव किया गया है। वर्ष 2020 बैच के आईएएस अधिकारी अग्रिम कुमार को छिंदवाड़ा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद से हटाकर जबलपुर नगर निगम का आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के साथ उन्हें जबलपुर शहर की नगर निगम व्यवस्था से जुड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कानपुर में 35 साल पुराने फर्जी एनकाउंटर केस में 12 पुलिसकर्मियों पर FIR दर्ज, CBCID जांच में खुला राज

प्लॉट नहीं देने की रंजिश में 10 लोगों को फर्जी लूट और मुठभेड़ में फंसाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में 35 साल पुराने कथित फर्जी पुलिस मुठभेड़ मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। महाराजपुर थाना क्षेत्र में 22 अगस्त 1991 को हुए इस मामले में सीबीसीआईडी की जांच के बाद 12 पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप है कि तत्कालीन थानाध्यक्ष विद्यासागर त्रिपाठी ने प्लॉट नहीं देने की रंजिश में 10 निर्दोष लोगों को फर्जी लूट और मुठभेड़ का मामला बनाकर जेल भेज दिया था। मामले में कुल 18 पुलिसकर्मियों को दोषी माना गया था, जिनमें से 6 की मौत हो चुकी है। जीवित 12 पुलिसकर्मियों के खिलाफ अब कानूनी कार्रवाई शुरू हुई है। जानकारी के अनुसार, 22 अगस्त 1991 को तत्कालीन थानाध्यक्ष विद्यासागर त्रिपाठी ने नरवाल मोड़ के पास डीसीएम वाहन से लूट और पुलिस मुठभेड़ की कहानी पेश की थी। इस मामले में गांधीग्राम निवासी राकेश पाठक समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के



पास से राइफल, बंदूक और विस्फोटक सामग्री बरामद होने का दावा किया था। करीब डेढ़ महीने बाद जमानत पर रिहा होने के बाद राकेश पाठक के भाई देव प्रसाद पाठक ने शासन से शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष को प्लॉट नहीं देने के कारण रंजिश पाल ली थी और इसी के चलते निर्दोष लोगों को फर्जी मामले में फंसाया गया। मामले में डीसीएम चालक और परिचालक के बयानों ने अहम भूमिका निभाई। बताया गया कि दोनों ने बाद में बयान दिया कि पुलिसकर्मी रामादेवी चौराहे से जबरन वाहन में सवार हुए थे और लूट की झूठी कहानी तैयार की गई थी। वर्ष 1996 में अदालत ने मामले में आरोपी बनाए गए सभी 10 लोगों को दोषमुक्त कर दिया था। मुख्य आरोपी राकेश पाठक की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उनके बड़े भाई देव प्रसाद पाठक लंबे समय तक न्याय के लिए कानूनी लड़ाई लड़ते रहे। इसके बाद सीबीसीआईडी की जांच में कथित मुठभेड़ को फर्जी बताया गया। सीबीसीआईडी के निरीक्षक सुशील कुमार ने महाराजपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामले में तत्कालीन थानाध्यक्ष विद्यासागर त्रिपाठी समेत 6 पुलिसकर्मियों की मौत हो चुकी है। जीवित आरोपियों में उपनिरीक्षक बीडी सारस्वत, योगेंद्र नाथ सिंह और सिपाही नारायण तिवारी, तेज नारायण सिंह, बैद्यनाथ, बृजेश कुमार तथा चंद्रावली समेत 12 पुलिसकर्मी शामिल बताए गए हैं। सहायक पुलिस आयुक्त महाराजपुर आशुतोष सिंह के अनुसार, शासन से मंजूरी मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की आगे की विवेचना सीबीसीआईडी करेगी। करीब साढ़े तीन दशक पुराने इस मामले में अब आगे की कानूनी कार्रवाई पर नजर रहेगी।

'जिंदगी में पहली बार देखा ऐसा सांप...', छतरपुर में मिले सफेद अजगर ने चौंकाया, सर्प पकड़ने वाले भी दंग

सनातन हिंदू एकता रथयात्रा के समापन के दौरान दिखा अनोखा अजगर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में सनातन हिंदू एकता रथयात्रा के समापन समारोह के दौरान एक दुर्लभ सफेद अजगर दिखाई देने से लोगों में कौतूहल फैल गया। करीब 8 फीट लंबे इस अजगर को देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए। अजगर का रंग सामान्य से अलग और लगभग सफेद होने के कारण इसे देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर सर्प पकड़ने वाले विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। इस अनोखे दृश्य की चर्चा पूरे क्षेत्र में होने लगी है। छतरपुर क्षेत्र में बागेश्वर महाराज की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा के समापन और उससे जुड़े आयोजनों को लेकर उत्साह का माहौल था। इसी दौरान इलाके में करीब 8 फीट लंबा सफेद रंग का अजगर दिखाई दिया। सामान्य तौर पर सांपों और अजगरों का रंग अलग-अलग प्रकार का होता है, लेकिन इस अजगर का असामान्य सफेद रंग लोगों के लिए आकर्षण और आश्चर्य का कारण बन गया। अजगर को देखते ही आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय सर्प पकड़ने वालों और



विशेषज्ञों को दी। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा। अजगर को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। ऐसी स्थिति में उसे सुरक्षित तरीके से पकड़ना और लोगों को उससे दूरी बनाए रखने के लिए कहना जरूरी था। सर्प विशेषज्ञों ने सावधानी बरतते हुए अजगर को सुरक्षित पकड़ा, जिससे किसी व्यक्ति या वन्यजीव को नुकसान पहुंचाए बिना उसे वहां से हटाया जा सका। अजगर को सुरक्षित पकड़ने वाले विशेषज्ञ ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार इस तरह का सफेद अजगर देखा है। उसके असामान्य रंग ने उन्हें भी हैरान कर दिया। शुरुआती तौर पर इसे दुर्लभ अल्बिनो अजगर बताया जा रहा है। हालांकि, केवल बाहरी रंग के आधार पर किसी जीव को अल्बिनो घोषित नहीं किया जा सकता। इसकी वास्तविक स्थिति जानने के लिए वन्यजीव विशेषज्ञों की जांच और पुष्टि आवश्यक है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सफेद अजगर को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई। वन्यजीवों में रंग से जुड़ी असामान्य विशेषताएं कभी-कभी प्राकृतिक आनुवंशिक बदलावों के कारण दिखाई देती हैं। ऐसे जीव सामान्य रंग वाले जीवों की तुलना में अलग नजर आते हैं, इसलिए उन्हें देखकर लोगों में जिज्ञासा पैदा होना स्वाभाविक है। अल्बिनो ऐसे जीवों को कहा जाता है जिनमें आनुवंशिक कारणों से मेलेनिन नामक रंगद्रव्य का निर्माण बहुत कम होता है या नहीं हो पाता। मेलेनिन त्वचा, बालों और कई जीवों के शरीर की बाहरी परतों के रंग को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सांपों में भी रंगद्रव्य की कमी के कारण शरीर का रंग सामान्य से काफी हल्का दिखाई दे सकता है। हालांकि, सफेद या हल्के रंग का दिखाई देने वाला हर जीव अल्बिनो नहीं होता। कुछ जीवों में अन्य आनुवंशिक विशेषताओं के कारण भी रंग में बदलाव हो सकता है। इसलिए छतरपुर में मिले इस अजगर के अल्बिनो होने की आधिकारिक पुष्टि के लिए विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण किया जाना जरूरी है।

ग्वालियर हादसे पर मंदिर समिति ने उठाए सवाल, 16 मौतों के बाद एसआईटी जांच की मांग

मेले में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध के बावजूद भीड़ में कैसे पहुंचा पंजाब नंबर का ट्रक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के सातौ गांव स्थित शीतला माता मंदिर के वार्षिक मेले में हुए भीषण ट्रक हादसे के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। रविवार तड़के करीब 1:30 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर श्रद्धालुओं और दुकानदारों की भीड़ में घुस गया। इस दर्दनाक हादसे में 16 लोगों की मौत होने की पुष्टि बताई गई है, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं घायलों के उपचार को लेकर भी चिंता बनी हुई है। हादसे के बाद शीतला माता मंदिर प्रबंधन समिति ने घटना की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए विशेष जांच दल से जांच कराने की मांग की है। समिति ने आशंका जताई है कि घटना के पीछे कोई साजिश हो सकती है। हालांकि, फिलहाल इसे आतंकी हमला साबित करने वाला कोई आधिकारिक या न्यायिक-



विज्ञान संबंधी साक्ष्य सामने आने की जानकारी नहीं है। ऐसे में घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह गुर्जर की ओर से 18 अक्टूबर को जारी बयान में मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए गए हैं। समिति का कहना है कि मेले में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध था, इसके बावजूद ट्रक श्रद्धालुओं की भीड़ तक कैसे पहुंच गया? समिति ने इस बात की जांच की मांग की है कि वाहन को रोकने के लिए लगाए गए इंतजाम कहां और क्यों विफल हुए। घटना में शामिल ट्रक के पंजाब पंजीकरण नंबर को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। समिति यह जानना चाहती है कि वाहन किस रास्ते से मंदिर क्षेत्र में पहुंचा और प्रतिबंधित क्षेत्र में उसके प्रवेश को रोकने के लिए तैनात व्यवस्था ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की। इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगे।मंदिर प्रबंधन समिति ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। समिति का कहना है कि घटना की हर परिस्थिति की गहराई से पड़ताल होनी चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि ट्रक भीड़ के बीच कैसे पहुंचा और हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है। समिति ने घटना के पीछे सुनियोजित साजिश या आतंकी हमले की आशंका भी जताई है। हालांकि, यह समिति की ओर से उठाया गया संदेह है। अभी तक ऐसी किसी साजिश की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। इसलिए जांच में वाहन के प्रवेश का रास्ता, चालक की भूमिका, सुरक्षा इंतजाम और हादसे से जुड़ी अन्य परिस्थितियों की निष्पक्ष पड़ताल महत्वपूर्ण होगी। रविवार तड़के हुए हादसे के समय मंदिर परिसर और मेले में श्रद्धालुओं की मौजूदगी थी। ट्रक के भीड़ में घुसने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

नर्मदापुरम में पटवारी और उनके 2 बच्चों की मौत, रेलवे ट्रैक पर मिला पिता का शव

महानगर मेट्रो ब्यूर

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में एक पटवारी और उनके 2 बच्चों की मौत का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई। पटवारी अजय धाकड़ का शव रेलवे ट्रैक पर मिला, जबकि उनके दोनों बच्चों समर्थ और शिवा के शव रेलवे स्टेशन परिसर में खड़ी कार के अंदर पाए गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों की मौत से जुड़े हालात की जांच शुरू कर दी। एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत से परिजनों में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, रायसेन जिले के बरेली निवासी अजय धाकड़ उदयपुरा में पटवारी के पद पर पदस्थ थे। रविवार को वह अपने दोनों बच्चों समर्थ और शिवा को साथ लेकर घर से निकले थे। इसके बाद काफी समय तक उनसे और बच्चों से संपर्क नहीं हो पाया। परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। देर शाम पिपरिया रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर अजय धाकड़ का शव मिलने की सूचना मिली। इसके बाद स्टेशन परिसर में खड़ी उनकी कार की जानकारी सामने आई। कार की तलाशी लेने पर उसके अंदर दोनों बच्चों के शव मिले। घटना की जानकारी फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शुरुआती तौर पर आशंका जताई जा रही है कि बच्चों की मौत के बाद अजय धाकड़ ने आत्महत्या की होगी। हालांकि, यह केवल प्रारंभिक आशंका है और इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बच्चों और उनके पिता की मौत किन परिस्थितियों में हुई। घटना की पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए पुलिस साक्ष्यों और अन्य जरूरी तथ्यों की पड़ताल कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मौतों के कारणों और घटनाक्रम को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत की खबर से परिजन सदमे में हैं। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों को जुटा रही है और मौतों के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि पिपरिया में यह घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण रहे।



महिला पहुंची थाने तो दर्ज हुई FIR, AIMI रूने किया निष्कासित

महानगर मेट्रो ब्यूर

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) से जुड़े नेता शेख सलीम के खिलाफ एक महिला ने छेड़छाड़ और पीछा करने के आरोप लगाए हैं। महिला की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शेख सलीम बुरहानपुर में पार्टी के मीडिया प्रभारी के पद पर कार्यरत थे। उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद पार्टी ने उन्हें संगठन से निष्कासित कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में मामला चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है और मामले से जुड़े तथ्यों का पता लगाने में जुटी है। जानकारी के अनुसार, बुरहानपुर निवासी एक महिला ने कोतवाली थाने पहुंचकर शेख सलीम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि शेख सलीम ने उसके साथ छेड़छाड़ की और उसका पीछा किया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस अब शिकायत में लगाए गए आरोपों की प्रकृति, घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है महिला की शिकायत के आधार पर दर्ज मामले में पुलिस की जांच महत्वपूर्ण है। किसी भी प्रकरण में शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपों की सत्यता का निर्धारण जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर किया जाता है। फिलहाल शेख सलीम के खिलाफ लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए मामले को लेकर अंतिम निष्कर्ष निकालना अभी जल्दबाजी होगी। पुलिस जांच पूरी होने और संबंधित तथ्यों के सामने आने के बाद ही प्रकरण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। शेख सलीम बुरहानपुर में एआईएमआईएम के मीडिया प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। इस जिम्मेदारी के तहत वह पार्टी से जुड़ी गतिविधियों और संगठन के पक्ष को मीडिया तक पहुंचाने से जुड़े कार्य करते थे। उनके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद पार्टी ने उन्हें संगठन से निष्कासित करने का फैसला लिया। पुलिस कार्रवाई के बाद पार्टी की ओर से की गई इस संगठनात्मक कार्रवाई ने भी मामले को चर्चा में ला दिया है। राजनीतिक संगठनों में पदाधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप सामने आने पर संगठनात्मक स्तर पर भी निर्णय लिए जाते हैं। इस मामले में भी प्राथमिकी दर्ज होने के बाद शेख सलीम को पार्टी से बाहर कर दिया गया। हालांकि, निष्कासन के संबंध में पार्टी की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान, कार्रवाई के पीछे बताए गए कारणों या संगठन के अगले कदमों की अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसलिए पार्टी के निर्णय को लेकर इससे आगे कोई दावा करना उचित नहीं होगा। इस मामले में पार्टी की ओर से की गई कार्रवाई और पुलिस की जांच को अलग-अलग प्रक्रियाओं के रूप में देखा जाना चाहिए। पार्टी से निष्कासन एक संगठनात्मक निर्णय है, जबकि महिला की शिकायत पर दर्ज प्रकरण में पुलिस को आरोपों से जुड़े तथ्यों की जांच करनी है।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (मंगलवार)
20 अक्टूबर 2026

3 महीने का बच्चा और 4 साल की बच्ची बेसहारा; परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के नजफगढ़ में संदिग्ध एलपीजी गैस रिसाव के कारण हुए धमाके ने एक हंसते-खेलते परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। 22 सितंबर की रात हुए इस हादसे में एक ही परिवार के 6 लोग झुलस गए थे। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन जिंदगी बचाने की तमाम कोशिशों के बावजूद 12 दिनों के भीतर परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे ने 53 वर्षीय रामजी लाल से उनकी पत्नी, बेटा, बहू और बेटी छीन ली। अब परिवार में पीछे रह गए 2 मासूम बच्चों की परवरिश और देखभाल की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई है। जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा 22 सितंबर की रात दिल्ली के नजफगढ़ स्थित रणाजी एन्क्लेव में हुआ था। घर में संदिग्ध एलपीजी गैस रिसाव के कारण धमाका हुआ, जिसकी चपेट में आने से परिवार के बच्चों समेत 6 लोग झुलस गए। हादसे के बाद घायलों को तत्काल उपचार के लिए इंदिरा गांधी अस्पताल ले जाया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद परिवार को उम्मीद थी कि इलाज से सभी घायल स्वस्थ होकर घर लौट आएंगे, लेकिन समय के साथ हालात और गंभीर होते चले गए। एक के बाद एक परिवार के सदस्यों की मौत की खबर ने घर की खुशियों को मातम में बदल दिया। जिस घर में परिवार के लोग साथ रहते थे, वहां कुछ ही दिनों में ऐसा सन्नाटा छा गया, जिसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की थी। इस हादसे में रामजी लाल ने अपने परिवार के 4 सदस्यों को खो दिया। सबसे पहले 28 सितंबर को उनकी 29 वर्षीय बेटी मोनिका की मौत हुई। इसके बाद 1 अक्टूबर को 25 वर्षीय बेटे केशव ने दम तोड़ दिया।



सीएम रेखा गुप्ता ने गोयला डेयरी में किया संयंत्र का उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में डेयरियों से निकलने वाला गोबर अब गंदगी और प्रदूषण बढ़ाने के बजाय स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद तैयार करने में उपयोग किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान के तहत गोयला डेयरी रोड पर 200 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले बायोगैस संयंत्र का उद्घाटन किया। इस संयंत्र के माध्यम से डेयरी क्षेत्रों में जमा होने वाले गोबर का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने और उससे उपयोगी संसाधन तैयार करने की योजना है। यहां गोबर को प्रसंस्कृत कर संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) और जैविक खाद बनाई जा सकेगी। परियोजना का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ डेयरी क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर करना और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम करना है। गोयला डेयरी में स्थापित संयंत्र की निर्धारित क्षमता प्रतिदिन 200 मीट्रिक टन गोबर का प्रसंस्करण करने की है। इस प्रक्रिया के जरिए गोबर को उपयोगी ऊर्जा में बदलने के साथ जैविक खाद भी तैयार की जा सकेगी। संपीड़ित बायोगैस का इस्तेमाल वाहन ईंधन के रूप में किया जा सकता है। इससे पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा के विकल्प को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। डेयरी क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में गोबर निकलता है। यदि इसका उचित प्रबंधन नहीं किया जाए तो यह आसपास के इलाकों में गंदगी, दुर्गंध और जल प्रदूषण की समस्या बढ़ा सकता है। बायोगैस संयंत्र के माध्यम से इसी गोबर को संसाधन के रूप में इस्तेमाल करने की व्यवस्था विकसित की जा रही है। इससे कचरे के निस्तारण के साथ ऊर्जा उत्पादन का रास्ता भी खुलता है। हालांकि, संयंत्र की निर्धारित क्षमता और वास्तविक उत्पादन में अंतर हो सकता है। इसका लाभ इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रतिदिन कितनी मात्रा में गोबर एकत्र किया जाता है, उसका कितना हिस्सा संयंत्र तक पहुंचता है और संयंत्र कितनी क्षमता के साथ संचालित होता है। दिल्ली के डेयरी क्षेत्रों में गोबर का उचित निस्तारण नहीं होने से नालों में गंदगी पहुंचने की समस्या सामने आती रही है। नालों के माध्यम से प्रदूषित पानी और अन्य अपशिष्ट यमुना नदी तक पहुंच सकते हैं, जिससे नदी की सफाई और जल गुणवत्ता बनाए रखने की चुनौती बढ़ती है। गोयला डेयरी में शुरू किया गया बायोगैस संयंत्र इस समस्या को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। यदि डेयरियों से निकलने वाले गोबर को नियमित रूप से एकत्र कर संयंत्र तक पहुंचाया जाता है, तो उसे खुले स्थानों पर फेंकने या नालों में बहाने की समस्या पर नियंत्रण पाने में मदद मिल सकती है।



ई-रिक्शा में 7-8 बच्चों को बैठाया तो होगी कार्रवाई! दिल्ली सरकार के नए ड्राफ्ट में क्या-क्या बदलेगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी के बिल जारी करने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। दिल्ली जल बोर्ड जनवरी 2027 से सभी उपभोक्ताओं के लिए नियमित बिलिंग व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत उन उपभोक्ताओं को भी पानी का बिल जारी किया जाएगा, जिन्हें लंबे समय से बिल नहीं मिल रहा है। यहां तक कि जिन घरों में पानी की खपत शून्य होगी या प्रतिमाह 20 हजार लीटर अथवा इससे कम पानी खर्च होगा, उनके नाम पर भी बिल जनरेट किया जाएगा। जल बोर्ड का उद्देश्य सभी उपभोक्ताओं को बिलिंग व्यवस्था के दायरे में लाना और पानी की खपत का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार करना है।दिल्ली में जल बोर्ड के करीब 29 से 30 लाख उपभोक्ता बताए जा रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जिन्हें नियमित रूप से पानी के बिल की प्रति नहीं मिलती। कुछ उपभोक्ता ऐसे भी हैं, जिन्हें पिछले 8 से 10 साल से बिल नहीं मिला है। ऐसे में कई लोगों ने यह मान लिया है कि उनकी पानी की खपत प्रतिमाह 20 हजार लीटर से कम होने के कारण उन्हें बिल जारी नहीं किया जा रहा। लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद इस तरह की धारणा बदल सकती है। जल बोर्ड की योजना के अनुसार, पानी की खपत कम होने या शून्य रहने की स्थिति में भी उपभोक्ता का बिल जनरेट किया जाएगा। जल बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल रोजाना करीब 75 हजार से 80 हजार बिल जनरेट किए जा रहे हैं। विभाग अब इस प्रक्रिया को तेज करते हुए सभी उपभोक्ताओं तक बिलिंग व्यवस्था पहुंचाने की दिशा में काम कर रहा है। योजना के तहत जनवरी 2027 से नियमित रूप से सभी उपभोक्ताओं के बिल तैयार किए जाएंगे। इसके लिए बिल बनाने की क्षमता बढ़ाने और बिलों के वितरण की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने पर जोर दिया जा रहा है। जल बोर्ड की योजना के अनुसार, जनवरी से रोजाना करीब 1 लाख बिल जनरेट करने का लक्ष्य रखा गया है। इस हिसाब से 30 दिनों में लगभग 30 लाख बिल तैयार किए जा सकेंगे। इससे दिल्ली के सभी पंजीकृत उपभोक्ताओं को नियमित बिल जारी करने में मदद मिलने की उम्मीद है। यदि ई-केवाईसी प्रक्रिया के दौरान उपभोक्ताओं की संख्या 30 लाख से अधिक सामने आती है, तो रोजाना बिल तैयार करने की संख्या भी बढ़ाई जा सकती है नई व्यवस्था का एक प्रमुख पहलू यह है कि पानी की खपत शून्य होने पर भी बिल जनरेट किया जाएगा। इसी तरह, प्रतिमाह 20 हजार लीटर या इससे कम पानी इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को भी बिल जारी होगा। इसका मतलब यह है कि बिल जनरेट होना और पानी के इस्तेमाल के आधार पर देय राशि तय होना अलग-अलग बातें हैं। बिल जारी होने मात्र से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए कि प्रत्येक उपभोक्ता को अनिवार्य रूप से एक समान राशि का भुगतान करना होगा।

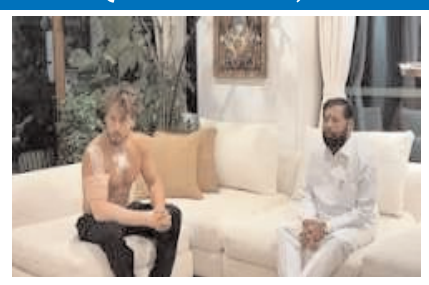


टाइगर श्रॉफ से मिलने पहुंचे डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे, बोले- हमलावरों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित; मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने भी कहा- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना के बाद महाराष्ट्र में हलचल तेज हो गई है। रविवार शाम मुंबई के जुहू इलाके में हुई इस घटना के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे घायल अभिनेता से मिलने उनके घर पहुंचे। शिंदे ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर हमला चिंताजनक और निंदनीय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस वारदात के लिए जिम्मेदार लोगों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। घटना के बाद मुंबई पुलिस ने जांच तेज कर दी है और आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमें गठित की हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उन्होंने इस मामले में पुलिस आयुक्त और टाइगर श्रॉफ से बातचीत की है। मुंबई पुलिस आयुक्त ने आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं। शिंदे के मुताबिक, गोलीबारी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभिनेता की कार को निशाना बनाए जाने की घटना को लेकर उन्होंने चिंता जताई और कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। रविवार शाम हुई इस घटना के बाद मुंबई पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जुहू इलाके में रहने वाले वीआईपी और मशहूर हस्तियों की सुरक्षा की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ महीने पहले रोहित शेट्टी के घर पर भी गोलीबारी की घटना हुई थी। ऐसे में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के बाद पुलिस एहतियाती कदम उठा रही है। हालांकि, अलग-अलग घटनाओं के बीच किसी संबंध की पुष्टि जांच के आधार पर ही हो सकेगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का दायरा बढ़ाया है। आरोपियों की पहचान, वारदात में इस्तेमाल किए गए साधनों और घटना के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। पुलिस की टीमें संभावित सुराग जुटाने में लगी हैं। अधिकारियों की ओर से आरोपियों की गिरफ्तारी और जांच से जुड़ी आगे की जानकारी का इंतजार है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने भी घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि टाइगर श्रॉफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना बेहद चिंताजनक है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। लोढ़ा के मुताबिक, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पुलिस आयुक्त देवेन भारती से बातचीत के बाद उन्हें घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को सजा दिलाई जाएगी। टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना के बाद फिल्म जगत से जुड़ी हस्तियों की सुरक्षा को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री के सख्त बयान और पुलिस की कार्रवाई के बीच अब सबकी नजर जांच के नतीजों पर है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। घटना के पीछे की वजह और अन्य संभावित पहलुओं की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।



दिल्ली की प्रतिबंधित सड़कों पर ई-रिक्शा की नो एंट्री, 4 से ज्यादा सवारी बैठाने पर रोक

प्रस्तावित नई योजना में यात्रियों की सुरक्षा से लेकर वाहन के रखरखाव तक के नियम तय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में ई-रिक्शा के संचालन को व्यवस्थित करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग नई योजना लाने की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित ई-रिक्शा योजना के मसौदे में सवारियों की संख्या, सामान ले जाने की सीमा, वाहन के पंजीकरण, पार्किंग, बैटरी के रखरखाव और चालकों के व्यवहार से जुड़े कई नियम शामिल किए गए हैं। इसके तहत ई-रिक्शा में चालक के अलावा अधिकतम 4 यात्रियों को ही बैठाने की अनुमति होगी। साथ ही, कुल 40 किलोग्राम तक सामान ले जाया जा सकेगा। प्रतिबंधित सड़कों पर ई-रिक्शा चलाने, गलत जगह पार्किंग करने और नशे की हालत में वाहन चलाने पर भी कार्रवाई का प्रावधान प्रस्तावित है। मसौदे के अनुसार, ई-रिक्शा चालकों को वाहन के दस्तावेज और सुरक्षा संबंधी शर्तें पूरी करनी होंगी। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी), वैध ई-रिक्शा कंप्लायंस सर्टिफिकेट (ईसीसी) और प्राथमिक उपचार पेटी रखना जरूरी होगा। बिना पंजीकरण के चलने वाले ई-रिक्शा को जब्त करने का भी प्रस्ताव है। हालांकि, ये प्रावधान प्रस्तावित योजना के मसौदे का हिस्सा हैं। इनके अंतिम स्वरूप और लागू होने की स्थिति की पुष्टि आधिकारिक अधिसूचना से होगी। प्रस्तावित नियमों के तहत ई-रिक्शा उन सड़कों पर नहीं चलाए जा सकेंगे, जहां इनके संचालन पर प्रतिबंध होगा। परिवहन विभाग यातायात की स्थिति और जरूरत के अनुसार प्रतिबंधित सड़कों की सूची में बदलाव भी कर सकेगा। इसका उद्देश्य सड़कों पर यातायात व्यवस्था बनाए रखना और उन मार्गों पर भीड़ को नियंत्रित करना है, जहां ई-रिक्शा के संचालन से आवागमन प्रभावित हो सकता है। पार्किंग को लेकर भी नियम निर्धारित किए गए हैं। ई-रिक्शा ऐसी जगह खड़ा करना होगा, जहां से वाहनों की आवाजाही और पैदल चलने वालों का रास्ता बाधित न हो। गलत जगह पार्किंग करने पर कार्रवाई की जा सकेगी। इसके अलावा, ई-रिक्शा पर मालिक या संबंधित संस्था का नाम, पता और फोन नंबर बाईं ओर स्पष्ट रूप से लिखना होगा। वाहन का पंजीकरण विवरण भी प्रदर्शित करना जरूरी होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर वाहन और उसके मालिक की पहचान की जा सके। ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने पर रोक लगाने का प्रस्ताव है। इसके तहत चालक के अलावा अधिकतम 4 यात्री ही सफर कर सकेंगे। वाहन में कुल 40 किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति होगी। इससे अधिक यात्रियों या सामान का परिवहन करने पर नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है। मसौदे में चालक की सीट पर यात्री को बैठाने और किसी यात्री को खड़े होकर सफर करने देने पर भी रोक लगाने का प्रावधान है। इन नियमों का उद्देश्य ई-रिक्शा में संतुलन बनाए रखना और सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।



बारामती एयरपोर्ट के पास शिपिंग कंपनी के मालिक पर हमला, गुलदस्ता लेकर पहुंचे थे हमलावर

स्कूटर सवार 2 अज्ञात लोगों पर हमला करने का आरोप, पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। बारामती एयरपोर्ट के पास शिपिंग कंपनी के मालिक राणा दिलीप सूर्यवंशी पर 2 अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हमलावर फूलों का गुलदस्ता देने के बहाने उनके पास पहुंचे थे। स्कूटर पर सवार होकर आए दोनों लोगों पर अचानक हमला करने का आरोप है। घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई। घायल सूर्यवंशी को आगे के उपचार के लिए पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, राणा दिलीप सूर्यवंशी निजी काम से बारामती आए थे। इसी दौरान एयरपोर्ट के पास स्कूटर सवार 2 लोग उनके नजदीक पहुंचे। बताया जा रहा है कि उन्होंने फूलों का गुलदस्ता देने के बहाने सूर्यवंशी के पास पहुंचने का प्रयास किया और फिर उन पर हमला कर दिया। घटना के समय सूर्यवंशी के साथ उनका निजी सुरक्षा गार्ड भी मौजूद था। हालांकि, हमले की पूरी परिस्थितियों और इसमें इस्तेमाल किए गए तरीके को लेकर पुलिस की जांच जारी है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आरोपियों ने वारदात को अंजाम क्यों दिया और इसके पीछे कोई व्यक्तिगत रंजिश या अन्य वजह थी या नहीं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई और आरोपियों की पहचान करने के प्रयास शुरू किए गए। पुलिस आसपास के घटनास्थल और वारदात से जुड़े संभावित साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है। स्कूटर सवार दोनों संदिग्धों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना से जुड़ी जानकारी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल हमले के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर चैतन्य कदम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के संबंध में गोली चलने की भी चर्चा सामने आई, लेकिन अब तक गोलीबारी की पुष्टि करने वाला कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है, ताकि घटना के वास्तविक घटनाक्रम का पता लगाया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी संबंधित तथ्यों और साक्ष्यों की जांच की जाएगी। उधर, पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती सूर्यवंशी का चिकित्सकीय दल उपचार कर रहा है। अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुदित सक्सेना ने बताया कि डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। चिकित्सा दल उनकी हालत का विस्तृत आकलन करेगा और उसी के आधार पर आगे के उपचार को लेकर निर्णय लिया जाएगा।



7 सेकंड, 5 गोलियां और टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर हमला, 45 मिनट तक इंतजार के बाद बरसाईं गोलियां

बाइक पर आए 3 हमलावरों में 2 ने की फायरिंग; वारदात के बाद अंधेरी रेलवे स्टेशन के बाहर छोड़ी पल्सर बाइक,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर रविवार को हुई फायरिंग की घटना ने मुंबई में सनसनी फैला दी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने पहले इलाके की रेकी की और फिर कथित तौर पर करीब 45 मिनट तक पुष्पा पार्क के पास इंतजार किया। जैसे ही टाइगर श्रॉफ फुटबॉल खेलकर लौटे और अपनी गाड़ी में बैठकर रवाना होने लगे, बाइक सवार हमलावरों ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। घटना के दौरान 5 गोलियां चलाए जाने की जानकारी सामने आई है। टाइगर श्रॉफ इस हमले में बाल-बाल बच गए, जबकि उनके ड्राइवर को चोटें आने की बात कही गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बाइक पर सवार 3 लोग दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से एक बाइक चला रहा था, जबकि बाकी 2 लोग नीचे उतरकर फायरिंग करते नजर आए। वीडियो में दोनों हमलावरों को टाइगर श्रॉफ की गाड़ी की ओर गोलियां चलाते देखा जा सकता है। एक हमलावर गाड़ी के सामने की तरफ से फायरिंग करता दिखाई देता है, जबकि दूसरा उस ओर बढ़ता है जहां टाइगर बैठे हुए थे। इसके बाद दोनों हमलावर तेजी से मौके से फरार हो जाते हैं। हालांकि, घटना से जुड़े वीडियो और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद ही वारदात का पूरा घटनाक्रम स्पष्ट हो सकेगा। चश्मदीदों के मुताबिक, हमलावरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले इलाके की गतिविधियों पर नजर रखी थी। उन्होंने कथित तौर पर पुष्पा पार्क के पास करीब 45 मिनट तक इंतजार किया। टाइगर श्रॉफ के वहां से निकलने के दौरान हमले को अंजाम दिया गया। शुरुआती जानकारी में इसे पहले से की गई तैयारी के साथ अंजाम दी गई वारदात माना जा रहा है, लेकिन हमले के पीछे की वजह और आरोपियों की मंशा को लेकर पुलिस की जांच जारी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि अभिनेता को ही निशाना बनाने के पीछे क्या कारण था। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद आरोपी जिस पल्सर बाइक पर आए थे, उसे अंधेरी रेलवे स्टेशन के बाहर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बाइक जब्त कर ली है और उसके जरिए आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। शुरुआती जांच में बाइक मुंबई में पंजीकृत होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस वाहन की नंबर प्लेट के साथ चेसिस और इंजन नंबर के आधार पर उसका रिकॉर्ड खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाइक किसके नाम पर दर्ज है और उसका इस्तेमाल आरोपियों तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। इससे आरोपियों की पहचान करने और वारदात से पहले तथा बाद में उनकी गतिविधियों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में 2 संदिग्धों की तस्वीरें सामने आने की जानकारी भी मिली है।



प्राइवेट पार्ट्स पर पेट्रोल डाला...' लातूर में युवक के साथ बर्बरता की हदें पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के लातूर में एक युवक के साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने युवक को निर्वस्त्र कर बेल्ट से पीटा और उसके निजी अंगों पर पेट्रोल डालकर प्रताड़ित किया। घटना का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू कर दी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह घटना करीब 2 महीने पुरानी है। घटना के समय युवक के साथ क्या हुआ और हमले के पीछे क्या कारण था, इसकी जानकारी जुटाने में पुलिस लगी हुई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कुछ लोग एक युवक के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि समूह ने युवक के कपड़े उतारकर उसे बेल्ट से पीटा और लात-घूंसे भी मारे। वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। पुलिस अब वीडियो की सत्यता, घटना के स्थान और इसमें दिखाई दे रहे लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ित तक पहुंचकर उसका पक्ष जानने की प्रक्रिया शुरू की है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, यह घटना लगभग 2 महीने पहले हुई थी। बताया जा रहा है कि मारपीट के बाद पीड़ित युवक वहां से चला गया था और उसने अब तक पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। हालांकि, शिकायत नहीं मिलने के बावजूद सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और पीड़ित युवक की पहचान कर ली है। उसे पुलिस थाने पहुंचकर अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित का बयान दर्ज होने के बाद घटना की परिस्थितियों, आरोपियों की भूमिका और हमले के कारणों के संबंध में अधिक स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक के साथ कथित तौर पर मारपीट क्यों की गई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे। वीडियो सोशल मीडिया पर किसने साझा किया और इसे वायरल करने के पीछे किसी की भूमिका रही या नहीं, इस पहलू की भी जांच की जा रही है। पीड़ित का बयान और अन्य साक्ष्य सामने आने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



रिलायंस रिटेल और ब्लिंकिट से जुड़े वेयरहाउस के लाइसेंस सस्पेंड



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामलों में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की अगुवाई वाले विभाग ने लगातार दूसरे दिन रिलायंस रिटेल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुणे जिले के चाकण स्थित उसके गोदाम का लाइसेंस निलंबित कर दिया। इसके साथ ही खेड़ तालुका के निगोजे में ब्लिंकिट से जुड़ी इकाई के गोदाम का लाइसेंस भी निलंबित किया गया है। विभाग की जांच में खाद्य सामग्री के भंडारण, साफ-सफाई और खराब हो चुके उत्पादों के निस्तारण से संबंधित कई खामियां सामने आईं। दोनों मामलों में संबंधित पुलिस थानों में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अनुसार, 14 अक्टूबर को पुणे जिले के खेड़ तालुका स्थित चाकण में रिलायंस रिटेल लिमिटेड के गोदाम का निरीक्षण किया गया था। जांच के दौरान प्रतिष्ठान प्रबंधन एक्सपायर हो चुके और खराब खाद्य उत्पादों के निस्तारण अथवा उन्हें नष्ट करने से संबंधित संतोषजनक अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। विभागीय बयान के मुताबिक, गोदाम में चूहों का प्रकोप पाया गया। इसके अलावा, खराब और उपयोग की अवधि समाप्त हो चुके खाद्य उत्पादों को अलग-अलग रखने के बजाय एक साथ रखा गया था। इससे खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठे। निरीक्षण के दौरान गोदाम के फर्श की दरारों में कॉकरोच भी पाए गए। विभाग ने यह भी बताया कि परिसर में कुछ कर्मचारी थूकते हुए देखे गए। खाद्य सामग्री के भंडारण और परिसर की स्वच्छता से जुड़ी इन खामियों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई की। 15 अक्टूबर को पुणे मंडल-5 के नामित अधिकारी ने चाकण स्थित गोदाम का लाइसेंस निलंबित कर दिया। इस मामले में उत्तर महालुंगे औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसी कार्रवाई के तहत खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने 14 अक्टूबर को खेड़ तालुका के निगोजे स्थित लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ी इकाई के गोदाम का भी निरीक्षण किया। यह इकाई ब्लिंकिट से संबंधित बताई गई है। जांच के दौरान वहां खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण और शीत कक्ष के तापमान को नियंत्रित रखने में कमियां सामने आईं। विभाग के अनुसार, गोदाम के शीत कक्ष का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से अधिक पाया गया। इसके साथ ही खाद्य सामग्री को निर्धारित तापमान पर सुरक्षित रखने से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। विभागीय बयान के मुताबिक, निरीक्षण में कच्ची और पकी हुई खाद्य सामग्री को एक साथ रखा हुआ पाया गया।

चीन की अर्थव्यवस्था में 4.5 फीसदी की वृद्धि

हांगकांग ।

चीन ने सोमवार को जानकारी दी कि जुलाई से सितंबर की तीसरी तिमाही में उसकी अर्थव्यवस्था में पिछले साल के मुकाबले 4.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमानों से बेहतर और अप्रैल-जून अवधि की 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है। हालांकि, पूरे साल के लिए चीन का लक्ष्य 4.5-5 फीसदी विकास दर का है, जो पिछले साल की 5 फीसदी वृद्धि से कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2026 के लिए चीन के विकास दर अनुमान को घटाकर 4.5 प्रतिशत किया है, जो बीजिंग के लक्ष्य की निचली सीमा है। घरेलू मांग कमजोर बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण रियल एस्टेट बाजार की लंबी मंदी है, लेकिन मजबूत निर्यात ने इस तिमाही में अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है।

हरित शुल्क से महंगी होंगी हवाई यात्राए- मलेशिया एविएशन ग्रुप

टिकाऊ ईंधन की ऊंची लागत व सीमित उपलब्धता बड़ी चुनौती

कुआलालंपुर ।

मलेशिया एयरलाइंस की मूल कंपनी मलेशिया एविएशन ग्रुप के एक प्रमुख अ धिकारी ने सोमवार को चेतावनी दी कि टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) की ऊंची लागत की भरपाई के लिए यात्रियों पर हरित शुल्क लगाया जा सकता है। इससे हवाई टिकटों की कीमतें बढ़ेंगी। यह टिप्पणी तब आई जब वैश्विक विमानन कंपनियां कार्बन उत्सर्जन घटाने और एसएएफ की अत्यधिक लागत तथा सीमित उपलब्धता की चुनौतियों से जूझ रही हैं। नसरुद्दीन ने जोर दिया कि लागत उपभोक्ताओं और एयरलाइंस दोनों के लिए वहनीय होनी चाहिए। उन्होंने नियामकों, ईंधन आपूर्तिकर्ताओं व एयरलाइंस से एसएएफ की लागत कम करने का आग्रह किया, क्योंकि पूरी लागत यात्रियों पर डालने से हवाई यात्रा की मांग घट सकती है। सिंगापुर जनवरी 2027 से अनिवार्य हरित विमानन शुल्क लागू करने वाला दुनिया का पहला देश बन जाएगा। विमानन क्षेत्र वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का लगभग 2.5 फीसदी है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने 2050 तक शुद्ध कार्बन उत्सर्जन शून्य करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें एसएएफ 65 फीसदी तक सहायक माना जाता है। मलेशिया एयरलाइंस अपने बेड़े का आधुनिकीकरण और एसएएफ का उपयोग कर रही है। हालांकि, हरित शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय सरकार का होगा।

एचडीएफसी बैंक के दमदार नतीजे, ब्रोकरेज ने दी खरीद की सलाह

एमके ग्लोबल ने 1,050 रुपये का लक्ष्य भाव दिया

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मजबूत नतीजे घोषित किए हैं, जिसके बाद चार प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने बैंक के शेयर पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखी है। ब्रोकरेज ने वित्तीय स्थिति में सुधार और नए नेतृत्व में वृद्धि की उम्मीद जताई है। बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 5 फीसदी बढ़कर 19,510 करोड़ रुपए रहा, जबकि ब्याज आय 10 फीसदी बढ़कर 34,619 करोड़ रुपए हुई। कर्ज और जमा में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, साथ ही कर्ज की गुणवत्ता में सुधार दिखा। एमके ग्लोबल ने 1,050 रुपए का सबसे अधिक लक्ष्य भाव दिया है, जो मौजूदा स्तर से करीब 44 फीसदी की संभावित तेजी दर्शाता है। जेफरीज, मोतीलाल ओसवाल और नुवामा ने भी ऊंचे लक्ष्य दिए हैं।

स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स में बंपर उछाल

हाइब्रिड रणनीतियों का दबदबा, निवेशक खातों की संख्या 1.56 लाख के पार

नई दिल्ली ।

भारतीय निवेश बाजार में स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स (एसआईएफ) ने पिछले एक साल में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि दर्ज की है। अक्टूबर 2025 में 2,010 करोड़ रुपये की संपत्ति से शुरू होकर, सितंबर 2026 तक इनका एयूएम लगभग 19 गुना बढ़कर 38,287 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह निवेशकों की जबरदस्त दिलचस्पी और लचीली निवेश रणनीतियों की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाता है।

वैल्यूमेट्रिक्स टेक्नोलॉजीज की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 में एसआईएफ में 7,578 करोड़ रुपये का निवेश आया और पिछले 12 महीनों में कुल शुद्ध निवेश 37,606 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। सेबी ने म्युचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से इन फंडों की शुरुआत की थी। इस दौरान निवेशक खातों (फोलियो) की संख्या भी 1.56 लाख के पार पहुंच गई है, जो पारंपरिक विकल्पों से हटकर निवेशकों की पसंद को दिखाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 876, निफ्टी 257 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

इसी कारण आज एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में भारी गिरावट रही जिससे निवेशकों की राशि डूब गयी। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 876.37 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ 73,852.90 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 257.20 अंकों से नीचे आकर 22,888.95 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 4 कंपनियों के शेयरों में ही तेजी रही। वहीं अन्य 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। जबकि एक कंपनी के शेयर में बदलाव नहीं आया ।

दूसरी ओर, निफ्टी की 50 में से केवल 9 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। इसके अलावा बची हुई सभी 41 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। एसबीआई के शेयर आज बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि, प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 3.85 फीसदी नीचे आये



हैं। सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज अडाणी पोर्ट्स , एलएंडटी और इंडिगो के शेयरों में तेजी रही जबकि, मारुति सुजुकी के शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुए। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट , इन्फोसिस , बजाज फाइनेंस , ट्रेंट , एनटीपीसी , एचडीएफसी बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व , भारती एयरटेल , आईसीआईसीआई बैंक , टाटा स्टील , सन फार्मा, आईटीसी आदि नुकसान परा बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 470.50 अंक गिरकर 74,318 पर आ गया था। वहीं निफ्टी 147.10 अंक गिरकर 22,999.05 पर पहुंच गया।

रुपया नौ पैसे चढ़कर 94.80 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई ।



विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार के कारोबारी दिन रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा बाजार में संरचनात्मक हस्तक्षेपों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में सात महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी रुपये के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 101.83 पर रहा।

फोनपे ने शेयर मार्केट को फोनपे इन्वेस्ट के रूप में किया रीब्रांड

संपत्ति प्रबंधन सेवाओं का होगा विस्तार, व्यापक उपयोगकर्ता आधार को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फोनपे ने सोमवार को अपने निवेश एवं कारोबार मंच शेयर मार्केट को अब फोनपे इन्वेस्ट के रूप में पेश करने की घोषणा की है। इस रणनीतिक बदलाव के साथ, मंच पूरी तरह से फोनपे ब्रांड के तहत आ गया है, जिसका उद्देश्य शोध-आधारित संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को अपने एकीकृत वित्तीय प्रणाली (भुगतान, ऋण और बीमा) में शामिल करना है। कंपनी ने बताया कि शेयर मार्केट से फोनपे इन्वेस्ट में यह बदलाव संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाएगा और फोनपे के विशाल तथा विविध उपयोगकर्ता आधार के लिए निवेश करना बेहद आसान बनाएगा। बयान के अनुसार, पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजर निवेश से जुड़े लेन-देनों तक सीमित न रहकर, नए निवेशकों का मार्गदर्शन करेगा और अनुभवी निवेशकों को उनके पोर्टफोलियो की विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान करेगा। फोनपे के एक प्रमुख अ धिकारी ने इस कदम को संपत्ति प्रबंधन सेवाओं के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि फोनपे ब्रांड के तहत इस एकीकरण का लक्ष्य सभी भारतीयों के लिए निवेश को सुलभ बनाना है, ठीक उसी तरह जैसे कंपनी ने भारत में भुगतान व्यवस्था को सुगम बनाया है। उनका उद्देश्य निवेश को सरल, अधिक जानकारीपूर्ण और भरोसेमंद बनाना है, ताकि लोग अपने वित्तीय निर्णयों पर पूरा नियंत्रण रख सकें। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस बदलाव के तहत मौजूदा ब्रोकरेज शुल्क, शुल्क योजनाओं या वार्षिक रखरखाव शुल्क (एएमसी) में कोई परिवर्तन नहीं होगा, जिससे ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

विकसित भारत कानून-आदिवासी रोजगार पर 50 दिन का पेंच!

- लाखों आदिवासी परिवारों के लिए आजीविका संकट गहराने की आशंका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को प्रतिस्थापित कर लागू किए गए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत लाखों आदिवासी परिवारों की आजीविका पर संकट गहरा गया है। 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हुए इस नए कानून में वन अधिकार कानून (एफआरए) के तहत जमीन का पट्टा पाने वाले उन गरीब परिवारों के लिए 50 अतिरिक्त दिनों के विशेष रोजगार को लेकर अनिश्चितता है, जो उन्हें मनरेगा के तहत मिलता था, जिससे उनके कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका है। मनरेगा के पुराने प्रावधानों के तहत, जनवरी 2014 से, एफआरए पट्टाधारक परिवारों को सामान्य 100 दिनों के अतिरिक्त 50 दिन का काम सुनिश्चित किया जाता था, बशर्ते उनके पास कोई अन्य निजी जमीन न हो। यह विशेष प्रावधान मनरेगा की धारा 3(4) के तहत एक प्रशासनिक आदेश द्वारा दिया गया था, जिसका उद्देश्य जंगल पर निर्भर अति-गरीब अनुसूचित जनजाति परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त और स्थिर करना था।

हालांकि, नए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 की धारा 5(1) सभी ग्रामीण परिवारों को 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी देती है। समस्या यह है कि इसकी धारा 5(4) भले ही सरकार को जरूरत के हिसाब से 125 दिन से ज्यादा काम देने का अधिकार देती है, लेकिन इसमें एफआरए पट्टाधारक आदिवासी परिवारों के लिए पहले से मिलने वाले 50 अतिरिक्त दिनों के रोजगार का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

हाल ही में एक आरटीआई रिपोर्ट ने भी इस अस्पष्टता की पुष्टि की है, जिससे इन परिवारों के कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका बढ़ गई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि नए कानून की धारा 37 (निरसन और बचत) और जनरल क्लॉज एक्ट, 1897 की धारा 6 के आधार पर 2014 का पुराना आदेश जीवित रह सकता है, क्योंकि यह नए कानून के किसी मूल सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। इसके बावजूद, सरकारी स्पष्टीकरण के अभाव में, यह तय नहीं हो पा रहा है कि ये अतिरिक्त 50 दिन 125 दिनों के ऊपर मिलेंगे या नहीं।

इस स्थिति से संविधान के अनुच्छेद 14 (समता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) से जुड़े सवाल भी उठ रहे हैं, क्योंकि जो पहले से कमजोर वर्ग था, उन्हें सामान्य लोगों के बराबर लाकर खड़ा कर दिया गया है, जिससे उनके लिए आजीविका का संकट गहरा सकता है। विशेषज्ञों ने केंद्र सरकार से इस अनिश्चितता को दूर करने के लिए तत्काल कोई स्पष्ट नीतिगत फैसला या आदेश जारी करने का आग्रह किया है, ताकि लाखों आदिवासी परिवारों की रोजी-रोटी पर बना यह संकट समाप्त हो सके।

कच्चा तेल 5 महीने के उच्च स्तर से फिसला

ब्रेंट लगभग 108 डॉलर ,पश्चिम एशिया में तनाव और टैंकर हमलों से वैश्विक आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को हल्की नरमी दर्ज की गई, जिससे आयातक देशों को मामूली राहत मिली। दिसंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.71 प्रतिशत गिरकर 107.98 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, तेल टैंकरों पर हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं अभी भी बरकरार हैं और इस गिरावट को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। यह मामूली गिरावट 18 अक्टूबर को बने पांच महीने के उच्च स्तर से बहुत ज्यादा नीचे नहीं आई है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने सऊदी अरब तट के पास फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हुए और हमलों की जानकारी दी है, जिससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से तेल की आवाजाही प्रभावित होने का जोखिम है। हालांकि, अमेरिका ने पिछले एक सप्ताह में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से 10 करोड़ बैरल से अधिक तेल की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद की है, जिसने बाजार को कुछ स्थिरता प्रदान की। चालू वर्ष में पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें 75 प्रतिशत से अधिक बढ़ी हैं, जिससे आपूर्ति अनिश्चितता बनी हुई है। इस बीच, भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लगने वाले टैक्स में बदलाव किया है, जो 16 अक्टूबर से प्रभावी हैं। सरकारी आदेश के मुताबिक, पेट्रोल निर्यात पर टैक्स 50 पैसे प्रति लीटर से बढ़ाकर 2.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल निर्यात पर टैक्स 16 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 8.50 रुपये प्रति लीटर किया गया है। भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देश के लिए कीमतों में नरमी आयात बिल और घरेलू महंगाई के दबाव को कम करने में सहायक है। हालांकि, मौजूदा उच्च स्तर को देखते हुए इस नरमी को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। भविष्य की कीमतें खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और भू-राजनीतिक हालात पर काफी हद तक निर्भर करेंगी।



लक्जरी घरों की मांग के बीच डीएलएफ 58,000 करोड़ की परियोजनाएं लांच करेगी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ लिमिटेड अगले दो से तीन वर्षों में 58,000 करोड़ रुपये की बिक्री क्षमता वाली नई आवासीय परियोजनाएं लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी निवेशकों और खरीदारों दोनों से मिल रही लग्जरी घरों की मजबूत मांग को भुनाना चाहती है। कंपनी के निवेशक प्रस्तुतीकरण के अनुसार मध्यम अवधि में लगभग 2.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 58,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री क्षमता वाली परियोजनाएं पेश की जाएंगी। डीएलएफ ने पिछले ढाई वर्षों में 1.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 56,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पेश किया है, जो बाजार में मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के एक अ धिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कंपनी मुंबई और गुरुग्राम में विशेष रूप से लग्जरी आवासीय परियोजनाएं पेश करेगी। हाल ही में, गुरुग्राम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च की गई द ऑरिवा परियोजना के तहत 172 लग्जरी घर 1,985 करोड़ रुपये में बिक गए, जो इस सेगमेंट में असाधारण मांग को दर्शाता है।

टेक फंड्स में अल्पकालिक उछाल, सतर्क रहें निवेशक

एक हफ्ते में 5 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न, पर एक साल का प्रदर्शन नकारात्मक

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच टेक्नोलॉजी सेक्टर के पांच इक्विटी म्युचुअल फंड्स ने बीते एक हफ्ते (10-16 अक्टूबर 2026) में निवेशकों को 5 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न दिया है। हालांकि, यह अल्पकालिक तेजी एक चेतावनी भी है, क्योंकि इन स्कीमों का एक साल का रिटर्न अभी भी नकारात्मक है, जो इस क्षेत्र से जुड़े उच्च जोखिम और अस्थिरता को उजागर करता है। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी टेक्नोलॉजी फंड ने इस अवधि में सर्वाधिक 7.71 फीसदी का रिटर्न दिया, पर इसका एक साल का रिटर्न 6.78 फीसदी नकारात्मक रहा। इसी तरह, टाटा डिजिटल इंडिया फंड ने एक हफ्ते में 7.25 फीसदी कमाया, जबकि एक साल का रिटर्न 9.01 फीसदी ऋणात्मक है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल टेक्नोलॉजी फंड ने भी 6.70 फीसदी की बढ़त दर्ज की, पर एक साल में यह 5.73 फीसदी नीचे रहा। आदित्य बिड़ला सन लाइफ डिजिटल इंडिया फंड (5.75 फीसदी) और फ्रैंकलिन इंडिया टेक्नोलॉजी फंड (5.68 फीसदी) ने भी सप्ताह भर में अच्छा रिटर्न दिया, लेकिन इनका एक साल का प्रदर्शन नकारात्मक रहा। सभी फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। यह दर्शाता है कि टेक्नोलॉजी सेक्टर में अल्पकालिक लाभ आकर्षक हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि के निवेश में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

दार्जिलिंग में 110 करोड़ का लक्जरी चाय बागान रिजॉर्ट बनेगा

कोलकाता

जेके अर्बनस्केप्स डेवलपर्सलिमिटेड दार्जिलिंग में एक भव्य लक्जरी रिजॉर्ट विकसित करने के लिए वैश्विक आतिथ्य समूह माइनर होटल्स के साथ साझेदारी में 110 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। अनंतारा रिट्रीट दार्जिलिंग हिल्स नामक यह 70 कमरों वाली परियोजना 2031 में मेहमानों के लिए खुलने की उम्मीद है, जो भारत में अनंतारा रिट्रीट्स ब्रांड की शुरुआत करेगी। यह रिजॉर्ट 849 एकड़ में फैले प्रतिष्ठित तिनधारिया चाय बागान में विकसित किया जाएगा, जिसमें 35 स्वीट और 35 टेंट विला शामिल होंगे। जेके अर्बनस्केप्स यह निवेश कौशल कुंभट के साथ साझेदारी में कर रही है। चाय बागानों में आतिथ्य परियोजनाओं की बढ़ती लोकप्रियता को भुनाते हुए, यह पहल पर्यटकों को क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और चाय



उत्पादन की समृद्ध विरासत का अनुभव करने का अनूठा अवसर प्रदान करेगी। जेके अर्बनस्केप्स के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने इसे एक लक्जरी पर्यटन स्थल बताया, जबकि माइनर इंटरनेशनल के सीईओ दिलीप राजकरियर ने इसे स्वास्थ्य एवं कल्याण तथा चाय केंद्रित गतिविधियों के साथ जोड़ने पर जोर दिया। यह परियोजना चाय कारोबार को अतिरिक्त आय का स्रोत भी प्रदान करेगी।

इस सप्ताह खुलेंगे तीन एनएफओ, मात्र 100 रुपए से करें शुरुआत

नवी, सैमको और व्हाइटओक कैपिटल ला रहे इक्विटी व हाइब्रिड

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए अक्टूबर का यह सप्ताह नया उत्साह लेकर आया है। इस दौरान तीन नए फंड ऑफर (एनएफओ) खुल रहे हैं, जिनमें नवी, सैमको और व्हाइटओक म्युचुअल फंड अपनी इक्विटी और हाइब्रिड योजनाएं ला रहे हैं।

निवेशक मात्र 100 रुपये से इन स्कीम्स में निवेश शुरू कर सकते हैं, जो 19 और 20 अक्टूबर से उपलब्ध होंगी। ये फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने का अवसर प्रदान करेंगे।

1. नवी मल्टी एसेट ओम्नी एफओएफ (19 अक्टूबर से)- यह स्कीम इक्विटी, डेट और कमोडिटी जैसे विभिन्न एसेट क्लास में निवेश के माध्यम से पूंजी वृद्धि और आय अर्जित करने का लक्ष्य रखेगी। बहुत ज्यादा जोखिम वाली यह फंड ऑफ फंड्स स्कीम ऋषभ पटेल मैनेज करेंगे, जिसमें कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है।

2. सैमको इक्विटी सेविंग्स फंड (19 अक्टूबर से)- यह फंड शेयरों, आर्बिट्राज अवसरों



और डेट व मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश के जरिए लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाना चाहता है। कुछ ज्यादा जोखिम वाली यह लॉक-इन मुक्त स्कीम है, पर 30 दिनों के भीतर निकासी पर एक फीसदी एग्जिट लोड लगेगा।

3. व्हाइटओक लार्ज एंड मिडकैप फंड (20 अक्टूबर से)- यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम मुख्य रूप से लार्ज और मिड कैप शेयरों में निवेश कर लंबी अवधि में निवेशकों की पूंजी बढ़ाने पर केंद्रित है।

बहुत ज्यादा जोखिम वाली इस स्कीम में 365 दिनों के भीतर निकासी पर एक फीसदी एग्जिट लोड है। निवेश से पहले निवेशकों को स्कीम की रणनीति, जुड़े जोखिमों और शुल्कों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की सलाह दी जाती है।

एयरटेल ने लॉन्च किए सिर्फ कॉल और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान

- 185 रुपए से शुरू होकर 28 दिन से एक महीने की वैधता

नई दिल्ली ।

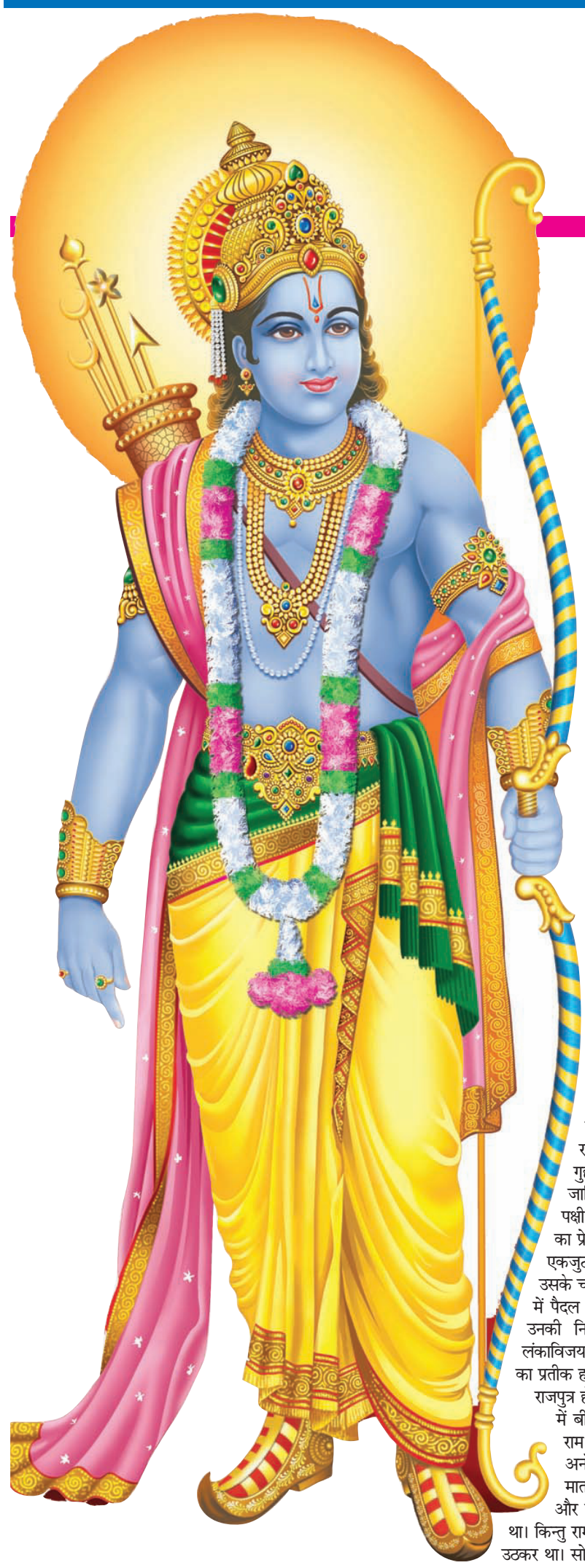
देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की समय-सीमा का पालन करते हुए तीन नए प्रीपेड प्लान बाजार में उतारे हैं। ये प्लान विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए हैं जिन्हें केवल कॉलिंग और मैसेजिंग (एसएमएस) की सुविधा चाहिए और वे डेटा के खर्च से बचना चाहते हैं। इन प्लान्स में कोई डेटा शामिल नहीं है, जिससे कम आय वाले और ग्रामीण ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी। एयरटेल ने 185 रुपये, 203 रुपये और 206 रुपये के ये प्लान पेश किए हैं, जिनकी वैधता 28 दिन से लेकर एक महीने तक है। 185 रुपये के प्लान में ग्राहकों को 28 दिनों के लिए असीमित कॉलिंग और 300 एसएमएस की सुविधा मिलेगी।

वहीं, 203 रुपये वाला प्लान 30 दिनों के लिए और 206 रुपये वाला प्लान पूरे एक महीने के लिए (28 या 31 दिन) वैध होगा। 300 एसएमएस की सीमा समाप्त होने के बाद, लोकल मैसेज के लिए 1 रुपये और



एसटीडी के लिए 1.5 रुपये का शुल्क लगेगा। इंटरनेट का उपयोग करने पर 50 पैसे प्रति एमबी खर्च होंगे।

यह कदम ट्राई द्वारा हाल ही में जारी उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें सभी टेलीकॉम कंपनियों को केवल वॉइस और एसएमएस वाले प्लान पेश करने को कहा गया था। ट्राई ने यह निर्देश ग्रामीण क्षेत्रों, कम आय वाले परिवारों और फीचर फोन का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर दिया था, जिन्हें केवल मोबाइल चालू रखने के लिए डेटा वाले महंगे रिचार्ज खरीदने पड़ते थे। एयरटेल ने समय सीमा का पालन किया है, जबकि जियो और वोडाफोन-आइडिया जैसी अन्य प्रमुख कंपनियों को अभी अपने पैकेज लॉन्च करने बाकी हैं।



मर्यादा पुरुषोत्तम

श्री श्रीराम

रघुकुल की महान परंपरा में अयोध्या नगरी में पिता दशरथ ओर माता कौशल्या के यहॉ श्रीराम अवतरित हुए। उस समय अयोध्या राज्य में सब ओर सुख शान्ति थी। लेकिन सुदूर दक्षिण भारत में लंकापति रावण आसुरी वृत्तियों को बढाने में लगा था। वह अतिशक्तिमान राक्षसराज धीरे धीरे उत्तर में भी अपना कुप्रभाव फैलाने में सफल हो रहा था जिसके चलते भारतके दक्षिण में स्थित अनेक राज्य और उनके निवासी राजा रावण के राक्षसी प्रभाव का शिकार बनते नजर आ रहे थे। ऐसे में प्राचीन भारत की महान संस्कृति का प्रचार और प्रसार करने की जिम्मेदारी निभाने के लिये प्रभु को स्वयं श्रीराम के रूप में अवतरित होना पड़ा।

भारत को भौगोलिक राज्यों को एकसूत्र में बांधने का अधिकांश श्रेय भगवान राम को ही जाता है। अपने भाई लक्ष्मण और भार्या सीता के साथ 14 बरस उन्होने लगभग संपूर्ण भारत का भ्रमण किया जगह जगह सात्विकता को बढावा देते तामसिक वृत्तियों का संहार किया। एक ओर ऋषिमुनि जनों का आदर किया तो दूसरी ओर राक्षसों को दण्डित भी किया। ब्राह्मण क्षत्रिय और वैश्य समाज के साथ पिछडे वर्ग के लोगों को साथ लेकर उन्होने सामाजिक क्रान्ति की नींव रखी। ठोस उदाहरण देने हो तो आदिवासी सरदार गुह नौका खेनेवाला केवट भक्त शबरी वानर जाति के सुग्रीव और अंगद रीछ जाति के जाम्बुवंत पक्षी जाती के जटायु आदि सब जन के साथ श्रीराम का प्रेमपूर्ण सद्भाव और मैत्री का व्यवहार रहा। ये सब एकजुट होकर श्रीराम के कार्य में लगे रहे। सीताहरण और उसके चलते उसकी तलाश में जहॉ राम लक्ष्मण स्वयं वन में पैदल भटके वहीं इन सब पिछडी जाति के सदस्यों ने उनकी निष्काम भाव से सहायता की। रामसेतु और लंकाविजय को सामूहिक और सांघिक एकजुटता की विजय का प्रतीक हम मान सकते हैं।

राजपुत्र होने के नाते श्रीराम का बचपन सुख और समृध्दि में बीता। इस बचपन की दो विशिष्टताएं थी। एक तो राम लक्ष्मण भरत और शत्रुघ्न इन चारो भाईयों का अनोखा बंधुप्रेम। मानो चार शरीर और एक आत्मा। माता कैकयी के अपने बेटे भरत को राजसिंहासन देना और राम को वनवास सुनाना यह एक विचित्र संकट था। किन्तु राम और भरत का प्रेम इन लौकिक स्वार्थ से ऊपर उठकर था। सो भरत ने अयोध्या नगरी के बाहर एक आश्रम में सन्यासी जैसे रहकर राम के स्थान पर 14 साल राजपाठ संभाला।

किशोर अवस्था में अरण्यवासी ऋषिमुनीओं के यज्ञ में विघ्न खलेल डालने वाले राक्षसों का राम लक्ष्मण ने संहार किया और आर्यव्रत की यागयज्ञ रिति को अबाधित रखने में सहायता की।

सीता स्वयंवर में पराक्रम और शालीनता का सुरीला संगम बनाते हुये एकपत्नीव्रत जैसी महान सामाजिक परंपरा की नींव रखी।

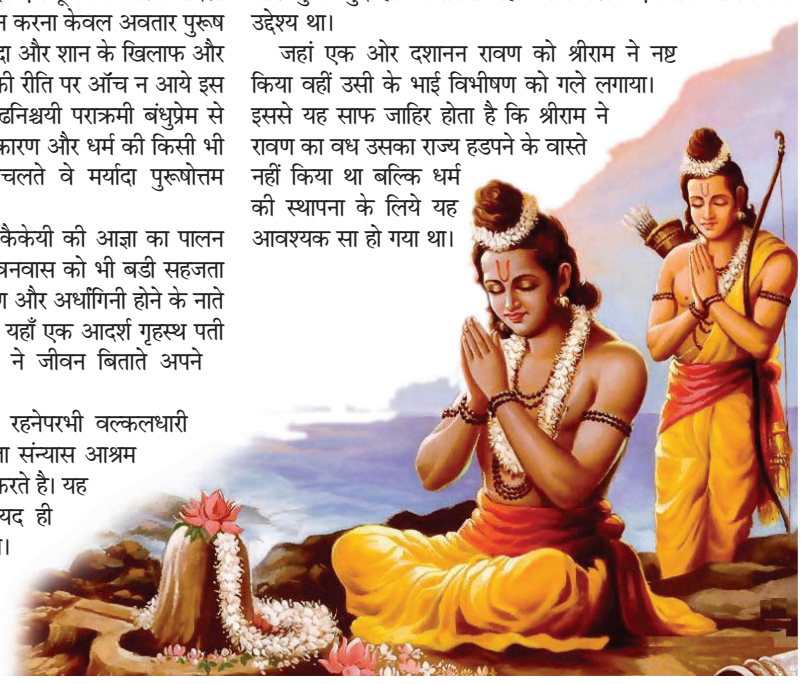
केवल एक दिन में ही एक ओर राज्याभिषेक जैसी अतिआनंददायी तो दूसरी ओर अतिकठोर वनवास की आज्ञा ऐसे पूर्णतः विपरित आदेशो का निःसंकोच और स्थितप्रज्ञभाव से पालन करना केवल अवतार पुरूष को ही संभव हो सकता है। कुल की मर्यादा और शान के खिलाफ और प्राण जाये पर वचन न जाई इस रघुकुल की रीति पर ऑच न आये इस प्रयत्न में श्रीराम सफल हुए। सत्यवादी दृढनिश्चयी पराक्रमी बंधुप्रेम से ओतप्रोत श्रीराम ने घरगृहस्थी समाज राजकारण और धर्म की किसी भी सीमा का उल्लंघन नहीं किया। इसके चलते वे मर्यादा पुरूषोत्तम कहलाये।

पिता के वचन का आदर और माता कैकेयी की आज्ञा का पालन करने के लिये श्रीराम ने चौदह बरस के वनवास को भी बडी सहजता से स्वीकार किया। बंधुप्रेम से प्रेरित लक्ष्मण और अर्धांगिनी होने के नाते सीता को श्रीराम अपने साथ वन ले गये। यहाँ एक आदर्श गृहस्थ पती भाई और गणनायक के रूप में श्रीराम ने जीवन बिताते अपने व्यक्तिमत्व में चार चाँद लगाये।

चौदह बरस धर्मपत्नी के सहवास में रहनेपरभी वल्कलधारी मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम और माता सीता संन्यास आश्रम का पालन करते हुए शरीर सुख का त्याग करते है। यह उदात्तता भारतीय संस्कृति को छोड शायद ही किसी अन्य संस्कृति में पाई जाती हो। ध्येयवादी राम अरण्य में भी ऋषिमुनीओं के आश्रम को भेंट देते और वेद उपनिषद के गहन तत्वों की चर्चा करते। इससे वेदो का अध्यात्मिक ज्ञान सारे भारत में फैला और आर्यसंस्कृति का सदूर प्रसार एवम् प्रचार हुआ।

सीता के अपहरण में अहंकारी रावण और भौतिकता के शिकार राक्षस गण को सबक सिखाने का हेतु निहित था। स्वार्थपरायणता में डूबा रावण इस बात को भूल गया था कि वेदाभ्यास शरीरसुख उपभोग के लिये नहीं बल्कि अपनी आंतरिक दैवी प्रतिभाको उद्भुत करने के लिये होता है। अनेक रानियाँ होनेपर भी सीता का हरण कर के उससे जबरदस्ती शादी करने का मोह इस बात का प्रमाण था कि संसार के सारे सुख खुद ही उपभोगना यही उसके लिये एकमात्र जीवन का उद्देश्य था।

जहां एक ओर दशानन रावण को श्रीराम ने नष्ट किया वहीं उसी के भाई विभीषण को गले लगाया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि श्रीराम ने रावण का वध उसका राज्य हडपने के वास्ते नहीं किया था बल्कि धर्म की स्थापना के लिये यह आवश्यक सा हो गया था।



आज भी पूजे जाते हैं दशानन



सत्य पर सत्य की विजय का संदेश देने वाले विजयादशमी पर्व पर जहां एक ओर लाखों की संख्या में लोग भगवान श्रीराम की पूजा करते हैं, वहीं देश में कुछ लोग रावण को अपना आराध्य मानकर शक्ति के रूप में उसकी पूजा करते हैं।

उत्तरप्रदेश के महानगरों में शुमार कानपुर शहर के शिवाला इलाके में एक मंदिर ऐसा है, जहां शक्ति के प्रतीक के रूप में लंकाधिराज रावण की पूजा अर्चना और आरती होती है तथा श्रध्दालु अपने लिए मन्नतें मांगते हैं। इस मंदिर का नाम 'दशानन मंदिर' है और इसका निर्माण वर्ष 1890 में हुआ था।

दशानन मंदिर के दरवाजे साल में केवल एक बार दशहरे के दिन ही सुबह नौ बजे खुलते हैं और मंदिर में लगी रावण की मूर्ति का पहले पूरी श्रध्दा और भक्ति के साथ श्रृंगार किया जाता है और उसके बाद रावण की आरती उतारी जाती है तथा शाम को दशहरे में रावण के पुतला दहन के बाद इस मंदिर के दरवाजे एक साल के लिए बंद कर दिए जाते है। यह मंदिर 24 अक्टूबर को सुबह खुलेगा और शाम को पूजा-पाठ के बाद बंद हो जाएगा।

रावण के इस मंदिर में होने वाले समस्त कार्यक्रमों के संयोजक केके तिवारी ने ने बताया कि शहर के शिवाला इलाके में कैलाश मंदिर परिसर में मौजूद विभिन्न मंदिरों में भगवान शिव मंदिर के पास ही लंका के राजा रावण का मंदिर है। यह मंदिर करीब 122 साल पुराना है और इसका निर्माण महाराज गुरू प्रसाद शुक्ल ने कराया था।



मंदिर के संयोजक तिवारी बताते हैं कि इस मंदिर को स्थापित करने के पीछे यह मान्यता थी कि रावण प्रकांड पंडित होने के साथ साथ भगवान शिव का परम भक्त था, इसलिए शक्ति के प्रहरी के रूप में यहां कैलाश मंदिर परिसर में रावण का मंदिर बनाया गया था।

रावण की मृत्यु से पहले हुई थी यह घटना

इस बात को तो सभी जानते हैं कि भगवान राम ने आश्विन शुक्ल दशमी तिथि को लंकापति रावण को मार था। लेकिन रावण को मारना भगवान राम के भी वश की बात नहीं थी। रावण को मारने से पहले भगवान राम ने ऐसी चाल चली कि, जो देवी रावण की रक्षा कर रही थी वही रावण की मौत का कारण बन गयी।

शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि मां दुर्गा का छठा स्वरूप है देवी कात्यायनी का। देवी ने ऋषि कात्यायन को उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर पुत्री रूप में प्राप्त होने का वरदान दिया था। इसी वरदान के फलस्वरूप देवी कात्यायनी का जन्म हुआ। पुत्री रूप में देवी ने तीन दिनों तक ऋषि कात्यायन की पूजा स्वीकार की इसके बाद देवी अष्टभुजा रूप में प्रकट हुई और इन्होंने महिषासुर का वध किया।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि जब भगवान विष्णु श्री कृष्ण रूप में प्रकट हुए तब ब्रज की कन्याओं ने कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए देवी कात्यायनी की पूजा की। इसलिए यह देवी ब्रज मण्डल की अधिष्ठात्री देवी कहलाती हैं। नवरात्र के छठे दिन इसी देवी की पूजा होती है। आज चैत्र नवरात्र का छठा दिन है। आज देवी के इसी स्वरूप की पूजा हो रही है।

देवी पुराण में उल्लेख मिलता है कि रावण भगवान शिव के साथ ही आदि शक्ति देवी कात्यायनी का भक्त था। रावण की भक्ति के कारण देवी अपनी योगनियों के साथ लंका में वास करती थीं जिससे रावण अजेय हो गया था।

देवी कात्यायनी की सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण देवाताओं को कष्ट पहुंचाने लगा। देवताओं ने भगवान विष्णु से रावण से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु सोच में पड़ गये कि देवी कात्यायनी से सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण को मारना उनके लिए कठिन है। इस समस्या का हल निकालने के लिए भगवान विष्णु देवी कात्यायनी के पास गये।

भगवान विष्णु ने कात्यायनी से कहा कि आपसे सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण निर्भय होकर अत्याचार कर रहा है। इसका अंत करना आवश्यक है इसलिए आप अपनी सुरक्षा हटा लीजिए। भगवान विष्णु की प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी ने कहा कि आप रामावतार लीजिए, इस अवतार में देवी लक्ष्मी सीता रूप में आपकी सहायता करेंगी। ?

देवी लक्ष्मी मेरा ही स्वरूप हैं। जब रावण सीता का हरण करेगा तो वह मेरा अपमान होगा जिससे मैं अपनी सुरक्षा हटा लूंगी और आप रावण का वध करने में सफल होंगे।

भगवान राम ने रावण से युद्ध करने के पहले देवी कात्यायनी की आराधना की और देवी से रावण को दी गयी सुरक्षा हटाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु को दिये गये वचन के अनुसार देवी लंका त्याग कर अपने लोक में चली गयी और भगवान राम रावण का वध करने में सफल हुए। मान्यता यह भी है कि भगवान राम ने जिस वाण से रावण का वध किया था वह वाण राम को देवी कात्यायनी द्वारा प्रदान किया गया था।

फ्रेंच ओपन 2026: पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन की वापसी पर नजरें, पहले दौर में कड़ी चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों की नजरें खराब फॉर्म को पीछे छोड़कर दमदार वापसी करने पर होंगी। अनुभवी पीवी सिंधू और पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन सहित कई भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे। पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी आन से यंग से होगा, जबकि लक्ष्य सेन जापान के कोदाई नाराओका से भिड़ेंगे।

सिंधू के सामने आन से यंग की चुनौती – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल के पहले दौर में दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त आन से यंग के खिलाफ उतरेंगी। सिंधू पिछले सप्ताह डेनमार्क ओपन में जर्मनी की यवोन ली से पहले दौर में हार गई थीं। ऐसे में फ्रेंच ओपन में वापसी के लिए उन्हें अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। आन से यंग जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सिंधू के लिए शुरुआत से ही आक्रामक और संयमित खेल दिखाना जरूरी होगा।





चोट से उबरने के बाद लय हासिल करना चाहेंगे लक्ष्य सेन

पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन पहले दौर में जापान के कोदाई नाराओका से मुकाबला करेंगे। लक्ष्य पीठ की चोट से उबरने के बाद नाराओका को हराने और एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक दिलाने में सफल रहे थे। हालांकि, इसके बाद उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। फ्रेंच ओपन उनके लिए अपनी लय वापस हासिल करने और आगामी मुकाबलों से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने का अहम अवसर होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी की नजरें जीत के साथ वापसी पर

पुरुष युगल में भारत की प्रमुख जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी फ्रेंच ओपन में मजबूत प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। फ्रेंच ओपन के शुरुआती मुकाबले में उनका सामना फ्रांस के भाइयों क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव से होगा। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने वाली फ्रांसीसी जोड़ी को चुनौती देने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तालमेल पर विशेष ध्यान देना होगा।

किदांबी श्रीकांत और आयुष शेट्टी के बीच भारतीय मुकाबला

पुरुष एकल में भारत के किदांबी श्रीकांत का सामना पहले दौर में हमवतन आयुष शेट्टी से होगा। इस मुकाबले में एक भारतीय खिलाड़ी का अगले दौर में पहुंचना तय है, जबकि दूसरे का सफर पहले दौर में समाप्त हो जाएगा। दोनों खिलाड़ियों के लिए यह मुकाबला अपनी क्षमता साबित करने और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का मौका होगा।

संक्षिप्त समाचार

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने डेनमार्क ओपन जीता

यह 47वां खिताब, सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी



कोरिया (एजेंसी)। साउथ कोरिया की आन से-यौंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रविवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया। डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-यंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसांती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने इसकी पुष्टि की। बीडब्ल्यूएफ के रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। बीडब्ल्यूएफ ने 24 साल की एन सी-यंग को 'ऑल टाइम ग्रेट' बताया।

सी-यंग ने कहा- मैं और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूं

जीत के बाद सी-यंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाना और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूं, लेकिन एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हूं।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।' दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है।

सिंघई मास्टर्स

एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने रचा इतिहास, शंघाई मास्टर्स का खिताब जीता



शंघाई (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस खिलाड़ी एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने शानदार वापसी करते हुए अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीत लिया। उन्होंने हमवतन राफेल जोदार को हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। फोकिना एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और 1-6, 7-6 (5), 6-4 से जीत दर्ज कर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब हासिल किया।

एक सेट से पिछड़ने के बाद फोकिना की शानदार वापसी

27 वर्षीय फोकिना शंघाई के किजोंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी एरेना में खेले गए फाइनल में शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। वह पहला सेट 1-6 से हार गए और दूसरे सेट में भी 2-3 से पिछड़ रहे थे। हालांकि, उन्होंने मुकाबले में वापसी करते हुए दूसरा सेट टाईब्रेक में 7-6 (5) से जीता। इसके बाद निर्णायक सेट में 6-4 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

प्रज्ञान ओझा BCCI के चीफ सिलेक्टर बने

अजित अगरकर की जगह लेंगे ; रमेश पोवार सीनियर सिलेक्शन कमेटी में शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को अजित अगरकर की जगह बीसीसीआई का चीफ सिलेक्टर बनाया गया है।वहीं, सिलेक्शन कमेटी में अजित अगरकर की जगह पर पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को शामिल किया गया है।अब पुरुष टीम की नई चयन समिति में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन), शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार हैं।

पोवार ने दो टेस्ट और 31 वनडे खेले – पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और 31 वनडे खेले हैं। वह मुंबई के पूर्व भारतीय स्पिनर हैं। इसके अलावा, वह दो अलग-अलग कार्यकाल में भारतीय सीनियर विमेन टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।रमेश पोवार ने 10 नवंबर 2015 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया था।

दो बार महिला टीम के कोच रहे – रमेश पोवार दो अलग-अलग कार्यकालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच रहे। उन्होंने पहली बार 2018 में यह जिम्मेदारी संभाली थी और बाद में मई 2021 में उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त किया गया था।



प्रज्ञान ने इंटरनेशनल करियर में 140+ विकेट लिए

प्रज्ञान ने 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी-20 इंटरनेशनल खेले। बाएं हाथ के स्पिनर ने टेस्ट में 113, वनडे में 21 और टी-20 इंटरनेशनल में 10 विकेट लिए। टेस्ट में उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 6/47 रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में प्रज्ञान के नाम कुल 424 विकेट दर्ज हैं। इसके लिए उन्होंने 108 मैच खेले। 2018 में उन्होंने अपना अंतिम फर्स्ट क्लास मैच बिहार के लिए उत्तराखंड के खिलाफ खेला।आईपीएल में वो डेक्कन चार्जर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेले। हालांकि, 2015 से वो आईपीएल की किसी टीम का हिस्सा नहीं हैं।

मिताली राज के साथ हुआ था विवाद

पोवार का सबसे चर्चित विवाद 2018 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कप्तान मिताली राज के साथ हुआ था। मिताली ने उन पर भेदभाव करने, अपमानित करने और करियर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब और गहरा गया जब मिताली को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से बाहर कर दिया गया, जिसके बाद पोवार को पद से हटा दिया गया था।

अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे की कमेटी ने किया चयन

बीसीसीआई के मुताबिक, क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी में अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे शामिल थे। कमेटी ने बीसीसीआई मुख्यालय में आवेदनकर्ताओं की स्क्रीनिंग और इंटरव्यू किए। इसके बाद रमेश पोवार के नाम पर मुहर लगी।

पैरा एशियन गेम्स

भारत को एक ही इवेंट में गोल्ड-सिल्वर

मोना अग्रवाल पहले और अवनी लेखरा दूसरे नंबर पर रहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। शूटर मोना अग्रवाल और अवनी लेखरा ने पैरा एशियन गेम्स में भारत को पहले दिन सोमवार को 2 पदक दिलाए। मोना ने गोल्ड और अवनी ने सिल्वर जीता। ये दोनों मेडल आर 2 विमेंस 10 मीटर राइफल शूटिंग की स्॥1 कैटेगरी में आए। इसमें कमर से नीचे की दिव्यांगता वाले शूटर हिस्सा लेते हैं। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में मोना ने 250.0 अंक और अवनी ने 249.6 अंक हासिल किए। कोरिया की युनरी ली ने 227.9 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

आखिरी शॉट तक चला गोल्ड मेडल मैच

जयपुर की दोनों निशानेबाजों के बीच मुकाबला 24 शॉट के फाइनल के आखिरी शॉट तक चला। निर्णायक शॉट से पहले मोना 0.1 अंक की बढ़त पर थीं। उस समय स्कोर 239.1 और 239.2 था। मोना ने आखिरी शॉट में 10.8 अंक हासिल किए। अवनी ने 10.5 अंक बनाए।

अवनी के सिल्वर मेडल से भारत को 2028 लॉस एंजिल्स पैरालंपिक्स के लिए दूसरा कोटा स्थान मिला। मोना ने पिछले महीने साउथ कोरिया में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर जीतकर पहला कोटा दिलाया था। पीएमओ ने दोनों शूटर्स को बधाई दी।



मोना को 9 महीने की उम्र में पोलियो हुआ –मोना अग्रवाल राजस्थान की पैरा-शूटिंग खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 8 नवंबर 1987 को हुआ था। नौ महीने की उम्र में उन्हें पोलियो हुआ था और दोनों पैर प्रभावित हुए।पैरा-शूटिंग शुरू करने से पहले मोना पैरा-एथलेटिक्स और पैरा-पावरलिफ्टिंग में हिस्सा लेती थीं। उन्होंने महिलाओं की सिटिंग वॉलीबॉल में भी अहम भूमिका निभाई।

कार एक्सीडेंट में अवनी की रीढ़ की हड्डी में चोट लगी – 2012 में कार दुर्घटना के दौरान अवनी लेखरा की रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी। उस समय वह 10 साल की थीं। ठीक होने के दौरान उनके पिता ने उन्हें खेलों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। अवनी ने ओलिंपिक शूटिंग चैंपियन अभिनव बिंद्रा की आत्मकथा 'ए शॉट एट हिस्ट्री' से प्रेरित होकर 2015 में शूटिंग शुरू की। अवनी ने बताया है कि शूटिंग ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद की। इससे वह लोगों से बातचीत करने में भी सहज हुईं।

राजस्थान महिला टीम की कप्तान भी रह चुकी हैं मोना

2019 में मोना ने राजस्थान की महिला टीम की कप्तानी की। टीम ने पहली नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। मोना ने दिसंबर 2021 में राइफल शूटिंग शुरू की। 2022 में उन्होंने नेशनल लेवल पर सिल्वर जीता।

2023 में मोना ने ओसिजेक, क्रोएशिया में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप के मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। उसी साल चांगवोन के वर्ल्ड कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 कैटेगरी में गोल्ड जीता।

मार्च 2024 में नई दिल्ली में हुए वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप में मोना ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्॥1 कैटेगरी में गोल्ड जीता। उन्होंने 250.7 का स्कोर किया। इसके साथ उन्होंने एशियन रिकॉर्ड बनाया और भारत के लिए पैरालंपिक कोटा स्थान हासिल किया।

मोना ने पेरिस 2024 पैरालंपिक गेम्स में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता।मोना को 2024 में अर्जुन अवॉर्ड मिला।

रवि शास्त्री बोले- बुमराह वर्ल्डकप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें

टेस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी, न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बुमराह के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह को अगले साल के अंत में होने वाले एर दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट नहीं खेलना चाहिए।

शास्त्री ने रविवार देर रात स्टार स्पोर्ट्स में कहा कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलें। वनडे और टी20 में उन्हें कभी-कभार ही उतारा जाए, ताकि वह चोट से बच सकें। बुमराह न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वे कीवियों के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है।



न्यूजीलैंड दौरे पर गिल की कप्तानी की परीक्षा

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर सबसे ज्यादा ध्यान है। ऐसे में विदेशी दौरे पर टीम की कप्तानी को लेकर भी चर्चा हो रही है। शुभमन गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ सीरीज में अपनी कप्तानी साबित की थी। यह विदेशी कप्तान के तौर पर उनका पहला दौरा था। गिल ने उस सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में गिल सिर्फ डॉन ब्रैडमैन से पीछे हैं। ब्रैडमैन ने एक सीरीज में 810 रन बनाए थे। इसके बाद गिल ने अपने दूसरे विदेशी दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीती।

मुझे नहीं लगता कि उसे एक दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए और वनडे-टी20 में कभी-कभार उतरना चाहिए। उसे पूरी सीरीज या हर मैच नहीं खेलना चाहिए। मैं उसे टेस्ट मैचों के लिए बचाकर रखना चाहूंगा। वह बहुत जरूरी है। वह भारतीय टीम का अहम सदस्य है। इसके बाद बाकी फॉर्मेट में उसका इस्तेमाल सीमित तौर पर होना चाहिए।

यह एक कड़ी परीक्षा है। न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में उसे हराना आसान नहीं है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया को उस पर बढ़त हासिल रही है।' उन्होंने आगे कहा, विदेशी दौरे पर एक युवा कप्तान के लिए यह अच्छा चैलेंज होगा।

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बराबर किया

पैरा एशियन गेम्स में 704 अंक लिए, भारतीय महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में नंबर-1

नईदिल्ली (एजेंसी)। बिना हाथ की तीरंदाज शीतल देवी ने नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में सोमवार को वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकि तुर्की की ओज्नुर गिर्डी के नाम था। 19 साल की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में 720 में से 704 अंक हासिल किए। शीतल ने 72 तीरों में 57 बार परफेक्ट 10 लगाए। इनमें 32 शॉट लक्ष्य के सबसे अंदरूनी स्कोरिंग जोन में लगे। पेरिस पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता शीतल ने पायल के साथ भारत को महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर पहुंचाया। भारत ने 1,379 अंक के साथ चीन को पीछे छोड़ा।

शीतल ने नया एशियन रिकॉर्ड बनाया – जम्मू-कश्मीर की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में लगभग हर शॉट पर सटीक निशाना लगाया। उनके 32 शॉट लक्ष्य के सबसे अंदरूनी हिस्से में लगे, जिन्हें 𝟙𝟘 कहा जाता है।



शीतल ने पिछला एशियन रिकॉर्ड छह अंकों से बेहतर किया। यह रिकॉर्ड 698 अंक का था। 704 अंक के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया। मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन शीटल ने अपना एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड भी बेहतर किया। उन्होंने 2023 में हांगझोउ में 680 अंक बनाए थे। पायल 675 अंक के साथ 5वें नंबर पर रहीं एशियन गेम्स में डेब्यू कर रहीं पायल ने भी महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 675 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। ओडिशा की चारों अंगों से दिव्यांग पायल इस साल अप्रैल में चर्चा में आई थीं। उन्होंने बैंकॉक में वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज में गोल्ड जीता था।उस मुकाबले में पायल ने शीतल को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब दोनों के प्रदर्शन ने भारत की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में पदक की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

शीतल और पायल के कुल 1,379 अंकों से भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहा। चीन 1,338 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।भारत के मजबूत क्वालिफिकेशन प्रदर्शन से टीम को सीधे सेमीफाइनल में जगह मिली। भारतीय जोड़ी अब 5वीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड और चौथी वरीयता वाले कजाकिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेगी।

मंधाना की कप्तानी में भारत की लगातार दूसरी जीत

जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया ; शेफाली की फिफ्टी, स्मृति ने नाबाद 47 रन बनाए

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। रायपुर में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 102 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.5 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ओपनर शेफाली वर्मा ने 25 गेंद पर 55 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान स्मृति मंधाना 23 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहीं।



शेफाली ने टी-20 में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाए – शेफाली वर्मा ने 2026 में विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में 922 रन बनाए हैं। वह एक कैलेंडर ईयर में इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने इसी साल 824 रन बनाए।



'द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट' की कामयाबी से खुश हैं तमन्ना

तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्हें बॉलिवुड का लकी मस्कट कहा जाता है। वे अपने निर्माता-निर्देशकों के लिए काफी लकी मानी जाती हैं। इंडस्ट्री में तकरीबन 20 साल बिता चुकी तमन्ना साउथ के बाद बॉलिवुड की भी चाहती अभिनेत्री बन गई हैं। इन दिनों वे चर्चा में यहीं अपनी नई फिल्म 'द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट' से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है और तमन्ना की भूमिका को भी खूब सराहना मिली है।

बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म को मिली कामयाबी को लेकर तमन्ना बहुत खुश हैं। वे कहती हैं, 'इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रह हैं। फोकलोर को सिर्फ रेगुलर तरीके से दिखाने के बजाय उसे बड़े स्टाइल में, खासकर फैमिली ऑडियंस के लिए पेश किया गया है। आज हमें एक ही जॉनर की नहीं, बल्कि मल्टी-जॉनर फिल्मों की जरूरत है, जो अलग-अलग तरह के दर्शकों को एक साथ एंगेज करें और जिनका कोर हमारी संस्कृति से जुड़ा हो। इस फिल्म में छठी मैया के गाने और छठ महापर्व को जिस तरह कहानी का हिस्सा बनाया गया है, उसने दर्शकों को बहुत आकर्षित किया।

इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रह हैं।

ऐसे कांड दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं

हाल ही में तमन्ना एक पौराणिक फिल्म का हिस्सा रही हैं। हमने तमन्ना से जानना चाहा कि एक तरफ हमारे यहां नारियों को पूजा जाता है, मगर दूसरी तरफ आए दिन जमुई कांड और आस्था कुंज गैंगरेप जैसे दरिंदगी से भरी घटनाएं जारी हैं। इस पर वे कहती हैं, 'मेरा मानना है कि समाज में अच्छे भी है और बुराई भी, तो हमारी जिम्मेदारी ये हैं कि हम बार-बार उस अच्छाई को जागरूक करते रहें, क्योंकि बुराई को हम पूरी तरह से रोक तो नहीं पाएंगे। मगर जब हम बार-बार अच्छाई को उभारेंगे, तो उस स्थिति से निपट पाएंगे। ये जितनी भी घटनाएं होती हैं, बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं, मगर एक कलाकार का काम है कि वह अपनी कला से लोगों को महसूस करा सके कि अच्छाई बाकी है, तो उसे बार -बार बुलंद करना होगा। मेरे हाथ में ये हैं और मैं ये कोशिश लगातार करती रहती हूं।'

माता-पिता हमेशा मेरा सपोर्ट सिस्टम रहे

तकरीबन हर लड़की कभी न कभी किसी छेड़खानी का शिकार हुई होती हैं, ऐसे में तमन्ना खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनके साथ ऐसी घटना कभी हुई। वे कहती हैं, 'मैं बहुत लकी हूं, मेरे माता-पिता ने मुझे हमेशा प्रोटेक्ट किया। मैंने बहुत छोटी उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। अगर उनका सपोर्ट न होता, तो मुझे जिंदगी के बेस्ट अनुभव नहीं मिलते। मगर मेरा बचपन बहुत शानदार रहा। मेरी किशोरावस्था में भी वे हमेशा मेरे साथ थे। आज भी मेरे पास उनके जैसा एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम है। मैं इस मामले में भाग्यशाली हूं कि पेरेंट्स के साए ने मुझे हमेशा सुरक्षित रखा। मेरे साथ ऐसा कोई बुरा अनुभव नहीं हुआ, मगर मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी हैं और मुझे सहानुभूति है। जिनके साथ ऐसा होता है, वो बहुत दर्दनाक होता है।'

पैप्स का जॉब बहुत मुश्किल होता है

पैपराजी की पसंदीदा अभिनेत्रियों में से हैं तमन्ना। उन्हें दूसरे कई कलाकारों की तरह पैप्स से चिढ़ते नहीं देखा है। वे कहती हैं, 'हमारे पैप्स बहुत स्वीट हैं। वो भी हमारे और आपके जैसे लोग हैं। मैं लोगों में अंतर नहीं देखती हूं। वो भी इंसान हैं और बहुत मेहनत करते हैं। कई बार घंटों इंतजार करते हैं कि स्टार्स आएं और वे पिक्स क्लिक करें। उनका काम बहुत मुश्किल है। इंसान बहुत सरल होते हैं, उन्हें सिर्फ प्यार और सम्मान की चाह होती है। अगर आप उन्हें वो प्रेम और सम्मान दें, तो वो भी खुश रहेंगे, आप भी।' कंपैनियनशिप के बारे में वे कहती हैं, 'बहुत जरूरी है ये की आपके पास एक अच्छा साथी हो। अच्छा साथी आपको मजबूत और खुशनुमा फील कराता है।'



मॉन्स्टर में सलमान बने सीक्रेट रॉ एजेंट

सलमान खान और निर्देशक वामसी पेडिपल्ली की फिल्म 'मॉन्स्टर' को लेकर एक्सक्लूसिव डिटेल्स सामने आई हैं। सूत्रों के मुताबिक फिल्म में सलमान हिडन आइडेंटिटी वाले रॉ अधिकारी की भूमिका में हैं। इससे पहले वह यशराज की 'टाइगर' फ्रेंचाइज में रॉ एजेंट का किरदार निभा चुके हैं लेकिन इस फिल्म में उनका किरदार अपनी पहचान छिपाकर आगे बढ़ता जाता है। कहानी में उसकी असली पहचान धीरे-धीरे सामने आएगी। फिल्म में सलमान के किरदार का एक बड़ा टकराव अभिमन्यु सिंह के किरदार से होता है, जो डेयरी ओनर की भूमिका में हैं। डेयरी परिसर और उससे जुड़े फैक्ट्री एरिया में बड़े एक्शन सीक्वेंस फिल्माए गए हैं। सलमान हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट के साथ आस-पास मौजूद चीजों को भी लड़ाई का हिस्सा बनाते दिखेंगे। इस सीक्वेंस का अंत बड़े ब्लास्ट्स के साथ होता दिखेगा।

अरविंद स्वामी फिल्म में एक पुलिस अधिकारी बने हैं



डेयरी वाला सीक्वेंस खत्म होने के बाद कहानी का फोकस रेलवे और नेपाल ट्रैक की तरफ बढ़ता है। नेपाल जाने वाली ट्रेन में एक बड़ा एक्शन सीक्वेंस है, जिसमें 'रोजा' फेम अरविंद स्वामी भी अहम भूमिका में हैं। अरविंद फिल्म में पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। उनका ट्रैक कहानी के बड़े कॉन्फ्लिक्ट से जुड़ा है और ट्रेन वाला सीक्वेंस इसी का अहम हिस्सा होगा। ट्रेन के सुरंग में प्रवेश करने के दौरान चेज, अरेस्ट और एस्केप की परिस्थितियां बनती हैं। इसी दौरान सलमान का कई लोगों से सामना होता है। सितंबर के आखिरी सप्ताह में मुंबई में सलमान और अरविंद ने इसकी शूटिंग की।



सनी की फिल्म 'इक्का 2' की तैयारी हुई शुरू

सनी देओल की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'इक्का' के दूसरे पार्ट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की कहानी लिखने का काम शुरू हो चुका है और इसके अगले साल आगे बढ़ने की उम्मीद है। पहले पार्ट में वकील अर्जुन मेहरा के किरदार में नजर आए सनी एक बार फिर मुख्य भूमिका निभाएंगे। अभी इसकी शूटिंग शुरू होने की तारीख और रिलीज को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है। 'इक्का' के पहले पार्ट में अक्षय खन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके और सनी के किरदारों के बीच टकराव कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा था। दोनों कलाकारों को एक साथ देखने का मौका मिलने से भी फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता थी। अब दूसरे पार्ट में अक्षय के शामिल नहीं होने की खबर सामने आई है।

मां बनने के बाद काम पर लौटीं दिव्यांका त्रिपाठी

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा है। दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, 'इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आएगा। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सेट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है।'

अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट आईं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा कहती हूं कि महिलाएं ऐसे ही 'बाउंस बैक' नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस कैमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूजन जैसा रहता है।' अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें काम पर लौटने की जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटीं। क्योंकि एक मां के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मां बनने के बाद काम पर लौटने को लेकर महिलाओं की तुलना एक-दूसरे से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी की परिस्थितियां अलग होती हैं, इसलिए महिलाओं को किसी और के अनुभव के दबाव में आने के बजाय अपनी जर्नी पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं ये इसलिए कह रही हूं ताकि कोई भी एक महिला की तुलना दूसरी से न करे और ये न कहे कि 'अरे दिव्यांका ने कर लिया।' नहीं, ये सबके लिए मुश्किल है। हर कोई अपने हिसाब से काम पर लौटता है। तो आप भी अपनी गति से चलें और मैं भी अपनी गति से चल रही हूं।'

राधिका ने बताया खुद को ट्रोलिंग से कैसे बचाया

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाब झेलने पर बात की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के लुक को ट्रोल करने पर भी काफी कुछ कहा।



राधिका मदान ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपना निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने बातचीत में कहा, 'मैंने फिल्म 'पटाखा' के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और 'शिद्दत' व 'अंग्रेजी मीडियम' के लिए मैं वह वजन घटा रही थी। इस दौरान मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई हूं और हीरोइन कैसे बन सकती हूं? इसके बाद लगातार शूटिंग करते हुए मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल हड्डियों का ढांचा बन गई।' आगे अपने इंटरव्यू में राधिका ने कहा, 'मैंने खुद से पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की कोशिश क्यों कर रही हूं, जबकि वे कभी खुश नहीं होंगे? इसलिए, मैंने एक खास शारीरिक बनावट पाने की चाहत के बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं करती, क्योंकि आप समझदार हो जाते हैं। आपको नहीं पता कि उनकी आलोचना किस असुरक्षा से उपजी है। लेकिन मुझे इस बात का सुकून है कि अब मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हूं।'

नकुल धुल के एविक्शन पर एल्विश ने दी प्रतिक्रिया

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल धुल (मिट्ठू डॉन) और गुल्लू (कुशल तंवर) के बीच तीखी हाथापाई हो गई। इसी पूरे ड्रामे पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी- 2 के विनर एल्विश यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इस शारीरिक हिंसा के बाद शो के नियमों के मुताबिक मेकर्स ने नकुल धुल को घर से बाहर निकाल दिया है। इसी पूरे मामले पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नकुल को इंडायरेक्टली तंज कसा। एल्विश यादव ने लिखा, 'बहुत दिनों बाद आज बिग बॉस देखा। नियम बदल गए हैं, अब शायद जो भी घर में बड़े या समझदार की तरह रहता है उसे ही निकाल देते हैं। दुख हुआ देखकर। 'एल्विश यादव के इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर टकराव और भी ज्यादा बढ़ा दिया है, जिससे दोनों के फैंस के बीच सोशल मीडिया वॉर छिड़ गया है। जहां एक तरफ एल्विश यादव गुल्लू के साथ खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर रजत दलाल और लक्ष्य चौधरी जैसे बड़े नाम इस लड़ाई में नकुल धुल के गेमप्ले और उनके इम्पैक्ट का समर्थन करते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, काजी तौकीर ने स्काउट ओपी के बारे में कुछ कहा था, जिसे लेकर नकुल धुल ने स्काउट के सामने यह बात उठाई। जब काजी और स्काउट के बीच बहस हो रही थी, तब गुल्लू (कुशल तंवर) बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने पहुंचे। नकुल धुल इस बात पर भड़क गए कि गुल्लू उन्हें समझाने वाले कौन होते हैं। बहस इतनी बढ़ी कि नकुल और गुल्लू के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। घर के सदस्यों के बीच-बचाव के बावजूद, फिजिकल वायलेंस (हिंसा) के नियमों के चलते बिग बॉस ने नकुल धुल को तुरंत घर से बाहर (बेघर) कर दिया।





रणबीर कपूर की 'रामायण' में जटायु के रूप में दिखेंगे अनुपम खेर

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। अब फिल्म के मेकर्स ने जटायु के किरदार का पहला पोस्टर जारी किया है। फिल्म में जटायु के किरदार को एक्टर अनुपम खेर अपनी आवाज देंगे। 'द विंग्स ऑफ धर्मा' टाइटल वाले इस पोस्टर में जटायु की तेज नजरों की झलक दिखाई गई है। वहीं, दूसरे विजुअल में जटायु अपने विशाल पंख फैलाए नजर आ रहे हैं। मेकर्स फिल्म के अलग-अलग किरदारों के पोस्टर जारी कर रहे हैं और इसी कड़ी में जटायु का लुक सामने आया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ''जब बुराई ने उड़ान भरी, तो उसका सामना करने के लिए साहस खड़ा हुआ। उसने जीत के लिए नहीं, बल्कि सही के लिए लड़ाई लड़ी। जटायु। द विंग्स ऑफ धर्मा। 'रामायण' में जटायु के रूप में अनुपम खेर।''

रामायण की कहानी में जटायु का किरदार साहस, बलिदान और धर्म की मिसाल माना जाता है। जब रावण माता सीता का हरण करके उन्हें लंका ले जा रहा था, तब जटायु ने उसे रोकने की कोशिश की थी। वह जानते थे कि रावण से मुकाबला करना आसान नहीं होगा, इसके बावजूद उन्होंने सीता को बचाने के लिए उससे युद्ध किया। इस दौरान जटायु गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी आखिरी सांसों तक धर्म का साथ नहीं छोड़ा।

इससे पहले मेकर्स फिल्म से भगवान राम, कैकेयी और कुछ अन्य किरदारों के पोस्टर भी जारी कर चुके हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि दूसरा पार्ट दीपावली 2027 पर रिलीज होगा।

नो-एंट्री मार्ग पर धान से भरे दो ओवरलोड ट्रक पहुंचने से उठे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, चेकिंग पॉइंट और मंदिर के रास्ते पर भारी वाहनों को रोकने के इंतजामों की भूमिका पर सवाल

ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास भीषण हादसा, 15 श्रद्धालुओं की मौत, 42 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। चीनौर-शीतला माता मार्ग पर शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे एक भीषण हादसे में 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 42 लोग घायल हो गए। नवरात्रि की अष्टमी पर मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी दौरान धान से भरा एक ओवरलोड ट्रक अनियंत्रित होकर ढलान पर नीचे की ओर लुढ़कता चला गया और रास्ते में मौजूद श्रद्धालुओं तथा दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे ने यातायात नियंत्रण, भारी वाहनों की आवाजाही और मंदिर के आसपास सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, घटना के समय मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। बताया गया है कि रात करीब एक बजे तक लगभग एक लाख लोग दर्शन के लिए पहुंच चुके थे। इसी बीच धान से भरे दो ट्रक भितरवार से चीनौर और अमरोल होते हुए मंदिर की ओर आ गए। यह रास्ता भारी वाहनों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता और वहां नो-एंट्री के नियम लागू होने की बात सामने आई है। मंदिर के पास पहुंचने पर एक ट्रक रुक गया, जबकि दूसरे ट्रक का चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। पंजाब के पंजीकरण नंबर पीबी10 जीके-4098 वाला ट्रक ढलान पर बेकाबू होकर नीचे की ओर बढ़ता गया। रास्ते में जो भी आया, वह उसकी चपेट में आता चला गया। इस दौरान कई श्रद्धालु और दुकानों को नुकसान पहुंचा। हादसे में 15 लोगों की जान चली गई और 42 लोग घायल हो गए। मृतकों में पांच किशोर, एक महिला और नौ पुरुष शामिल बताए गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक स्थानीय मार्गों और वहां लागू यातायात प्रतिबंधों से परिचित नहीं थे। उन्हें भितरवार से पंजाब की ओर जाना था। रास्ता खोजने के लिए उन्होंने गूगल मैप का सहारा लिया और मुख्य राजमार्ग के बजाय चीनौर-अमरोल होते हुए शीतला माता मंदिर के पीछे से निकलने वाले मार्ग पर आगे बढ़ गए। बताया गया है कि अमरोल गांव के बाहर रावत परिवार के कुएं के पास चालकों ने पानी पीने के लिए वाहन रोके थे। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि आगे का रास्ता बंद है और वहां से ट्रक निकालना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद चालकों ने कथित तौर पर गूगल मैप पर रास्ता दिखने की बात कहते हुए आगे बढ़ने का फैसला किया। ग्रामीणों ने यह दावा भी किया कि चालकों के मुंह से शराब की बदबू आ रही थी। इस दावे की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। अमरोल गांव से आगे बढ़ने पर ग्रामीणों ने ट्रक चालकों को रोकने का प्रयास किया। उन्हें रुकने का इशारा किया गया और शोर मचाकर चेतावनी भी दी गई। इसके बावजूद ट्रक आगे बढ़ते रहे। ग्रामीणों की चेतावनी के बाद भी भारी वाहनों का मंदिर की ओर पहुंचना इस बात की जांच को जरूरी बनाता है कि रास्ते में उन्हें रोकने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यदि ट्रकों को गांव के पास ही रोक लिया जाता, तो वे मंदिर के निकट श्रद्धालुओं की भीड़ तक नहीं पहुंच पाते। अब जांच में यह देखा जाना जरूरी है कि चालकों को मार्ग की स्थिति और प्रतिबंधों की



जानकारी थी या नहीं तथा चेतावनी मिलने के बाद भी वे आगे क्यों बढ़े। मंदिर से पहले चीनौर थाना पुलिस का चेकिंग पॉइंट बनाया गया था, जहां पुलिसकर्मियों की ड्यूटी होने की जानकारी है। इसके बावजूद दोनों ट्रक इस स्थान से गुजरकर मंदिर की ओर बढ़ गए। इस बात को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं कि जब मार्ग पर वाहनों की जांच की जा रही थी और कार तथा बाइक सवारों को भी आगे जाने से रोका जा रहा था, तो धान से भरे भारी ट्रकों को वहां से गुजरने की अनुमति कैसे मिली। यह जांच का अहम पहलू है कि चेकिंग पॉइंट पर ट्रकों को क्यों नहीं रोका गया।

इलॉन मस्क का बड़ा ऐलान, अमेरिका के हर बच्चे को देंगे स्पेसएक्स का एक शेयर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शामिल इलॉन मस्क ने 19 अक्टूबर को अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर ऐलान किया कि वह अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को अपनी रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स का एक शेयर गिफ्ट करेंगे। इस घोषणा के बाद योजना के दायरे, शेयरों के वितरण और बच्चों के भविष्य में इन शेयरों पर अधिकार को



लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, मस्क या कंपनी की ओर से अब तक इन सवालों पर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। दी गई जानकारी के अनुसार, स्पेसएक्स के एक शेयर की कीमत 146 डॉलर यानी करीब 14 हजार रुपये बताई गई है। अमेरिका में बच्चों की संख्या लगभग 7.2 करोड़ मानी जाए, तो सभी को एक-एक शेयर देने पर कुल मूल्य करीब एक लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। इतनी बड़ी संख्या में शेयर बांटने की प्रक्रिया किस तरह पूरी की जाएगी, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। मस्क ने अपनी पोस्ट में अमेरिका के हर बच्चे को शेयर देने की बात कही है, लेकिन पात्रता से जुड़े कई सवालों का जवाब अभी नहीं मिला है। यह स्पष्ट नहीं है कि योजना का लाभ केवल अमेरिकी नागरिकता रखने वाले बच्चों को मिलेगा या अमेरिका में रहने वाले अन्य देशों के बच्चों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

इमरान खान को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने के नोटिस पर 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगा बॉम्बे हाईकोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता इमरान खान को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश देने वाले पुलिस नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ के समक्ष यह मामला आया। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने याचिका का अध्ययन करने के लिए अदालत से समय मांगा। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए 26 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की। 43 वर्षीय इमरान खान ने पुलिस और विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय की ओर से जारी नोटिस को चुनौती देते हुए उसे गैर-कानूनी और मनमाना बताया है।



महानवमी पर नॉर्थ बॉम्बे दुर्गा पूजा पंडाल में उमड़े बॉलीवुड सितारे, बेटी न्यासा के साथ पहुंचीं काजोल

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

मुंबई। महानवमी के अवसर पर मुंबई के जुहू स्थित नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में बॉलीवुड और टेलीविजन जगत की कई जानी-मानी हस्तियां मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंचीं। इस दौरान पंडाल में उत्सव का माहौल देखने को मिला। अभिनेत्री आलिया भट्ट, नीतू चंद्रा, टीवी अभिनेत्री रूपाली गांगुली, फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी समेत कई हस्तियों ने पूजा में हिस्सा लिया। अभिनेत्री काजोल अपनी बेटी न्यासा देवगन के साथ पंडाल में नजर आईं। महानवमी के मौके पर पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं और फिल्मी हस्तियों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। मुंबई में दुर्गा पूजा का उत्साह चरम पर है और नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा हर साल की तरह इस बार भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ फिल्मी दुनिया की हस्तियों की मौजूदगी भी उत्सव की चर्चा का प्रमुख हिस्सा रही। नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा मुंबई के चर्चित दुर्गा पूजा आयोजनों में शामिल है। इसका आयोजन मुखर्जी परिवार की ओर से किया जाता है। अभिनेत्री काजोल इस पूजा में नियमित रूप से शामिल होती रही हैं। उनके साथ उनकी मां और दिग्गज अभिनेत्री तनुजा, बहन तनीषा मुखर्जी तथा परिवार के अन्य सदस्य भी उत्सव का हिस्सा बनते हैं। काजोल के बच्चे न्यासा और युग देवगन भी इस पूजा से जुड़े रहे हैं। मुखर्जी परिवार के लिए यह आयोजन धार्मिक आस्था और पारिवारिक परंपरा से जुड़ा हुआ है। हर साल दुर्गा पूजा के दौरान परिवार के सदस्य मां दुर्गा की आराधना के लिए पंडाल पहुंचते हैं। इस बार महानवमी पर काजोल का बेटी न्यासा के साथ पहुंचना भी आयोजन की खास झलकियों में शामिल रहा। वर्ष 2026 में नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनिक दुर्गा पूजा अपने 80वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस अवसर पर पंडाल की सजावट के लिए केरल के प्रसिद्ध गुरुवायुर मंदिर से प्रेरित थीम रखे जाने की जानकारी सामने आई है। धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता को समेटे इस थीम ने आयोजन को एक विशेष पहचान दी है। हर साल इस पूजा में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य सजावट की जाती है।



दिवाली पर 8 नवंबर को होगी मुहूर्त ट्रेडिंग, दोपहर 2:20 से 3:30 बजे तक खुलेगा शेयर बाजार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिवाली और लक्ष्मी पूजन के अवसर पर भारतीय शेयर बाजार में रविवार, 8 नवंबर 2026 को विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग आयोजित की जाएगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने इसके समय की जानकारी दी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, इस दिन दोपहर 2:20 बजे से 3:30 बजे तक लगातार कारोबार होगा। विशेष सत्र की अवधि 70 मिनट तय की गई है। <Cite refs=6['turn180376news12 ', 'turn180376news13 ', turnv}®x|{search4 ']8/> आमतौर पर रविवार को शेयर बाजार बंद रहता है, लेकिन दिवाली पर मुहूर्त ट्रेडिंग की परंपरा के चलते एक्सचेंज विशेष कारोबारी सत्र आयोजित करते हैं। इस दौरान निवेशक शेयरों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। मुहूर्त ट्रेडिंग को भारतीय शेयर बाजार में शुभ शुरुआत और नए संवत के स्वागत से जोड़कर देखा जाता है। भारतीय शेयर बाजार में दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग का विशेष महत्व है। सामान्य तौर पर दिवाली पर बाजार में अवकाश रहता है, लेकिन लक्ष्मी पूजन के अवसर पर सीमित समय के लिए कारोबार किया जाता है। निवेशक इस सत्र में नए निवेश की शुरुआत करने और शेयरों की खरीद-बिक्री को शुभ मानते हैं। मुहूर्त ट्रेडिंग केवल धार्मिक मान्यता से जुड़ा आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय पूंजी बाजार की एक पुरानी परंपरा भी है। हर साल शेयर बाजार के निवेशकों और कारोबारियों की नजर इसके समय और कार्यक्रम पर रहती है। इस बार भी बीएसई और एनएसई ने दिवाली के दिन विशेष सत्र के आयोजन की घोषणा की है। एक्सचेंजों की ओर से घोषित कार्यक्रम के मुताबिक, लगातार कारोबार का सत्र दोपहर 2:20 बजे शुरू होकर 3:30 बजे तक चलेगा। इस दौरान निवेशक निर्धारित नियमों के तहत कारोबार कर सकेंगे। यह सामान्य कारोबारी दिन की तुलना में छोटा सत्र होगा।



टाइगर श्रॉफ की कार पर पांच राउंड फायरिंग, ड्राइवर घायल एक्टर खुद गाड़ी चलाकर अस्पताल पहुंचे

मुंबई के जुहू में पुष्पा पार्क के पास रविवार शाम हुई घटना, फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे अभिनेता



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़ी एक फायरिंग की घटना सामने आई है। रविवार शाम करीब 7 बजे मुंबई के जुहू इलाके में पुष्पा पार्क के पास उनकी कार को निशाना बनाकर पांच राउंड फायरिंग की गई। घटना के समय टाइगर फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे। अचानक हुई गोलीबारी से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में उनका ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, टाइगर श्रॉफ सुरक्षित हैं और उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जानकारी के अनुसार, टाइगर श्रॉफ की कार पुष्पा पार्क के पास रुकी हुई थी, तभी हमलावरों ने वाहन को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं। बताया गया कि हमलावरों ने पांच राउंड फायरिंग की। गोलीबारी के दौरान अभिनेता के ड्राइवर को गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के इलाके में हलचल मच गई। ायरिंग के दौरान ड्राइवर को गोली लगने के बाद वह गाड़ी से बाहर निकल आया। इसके बाद टाइगर श्रॉफ फ्रंट सीट से ड्राइविंग सीट पर आ गए और उन्होंने खुद कार का स्टेयरिंग संभाल लिया। अभिनेता घायल ड्राइवर को लेकर खुद गाड़ी चलाते हुए अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने ड्राइवर को भर्ती कराया, ताकि उसका उपचार शुरू हो सके। अस्पताल में टाइगर ने अपने हाथ की ड्रेसिंग भी करवाई। हालांकि, पुलिस के मुताबिक अभिनेता सुरक्षित हैं। घटना के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। फायरिंग में घायल हुए दूसरे व्यक्ति की स्थिति को लेकर उपलब्ध जानकारी में विस्तृत विवरण सामने नहीं आया है। फायरिंग के बाद सुरक्षा बढ़ाई गई घटना के बाद टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई है। सार्वजनिक स्थान के पास अभिनेता की कार पर हुई गोलीबारी ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हमलावरों ने किस वजह से कार को निशाना बनाया और घटना के पीछे क्या कारण था, इस संबंध में उपलब्ध जानकारी में स्पष्ट विवरण नहीं दिया गया है। फिलहाल घटना में ड्राइवर सहित दो जबकि टाइगर श्रॉफ सुरक्षित बताए गए हैं।

सनी देओल ने पिता धर्मेंद्र को अनुराग कश्यप की फिल्म करने से रोका, कहा था- 'देओल्स नहीं मरते'

हानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल अपनी दमदार आवाज, एक्शन और गुस्से से भरे किरदारों के लिए पहचाने जाते हैं। फिल्मों में उनका अंदाज जितना आक्रामक दिखाई देता है, असल जिंदगी में भी उनसे जुड़े कई किस्से काफी दिलचस्प रहे हैं। बचपन में पिता धर्मेंद्र के लिए उनकी दीवानगी, कम उम्र में कार चलाने का शौक और अपनी गलतियों को स्वीकार करने की आदत उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं को सामने लाती है। सनी देओल से जुड़े ऐसे ही कुछ किस्से फिल्मी दुनिया में चर्चा का विषय रहे हैं। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी चर्चित फिल्में बनाने वाले निर्देशक अनुराग कश्यप अपने शुरुआती करियर में संघर्ष कर रहे थे। इसी दौर में उन्हें एक फिल्म निर्देशित करने का मौका मिला। वह इसकी कहानी लेकर हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के पास पहुंचे। कहानी सुनकर धर्मेंद्र की दिलचस्पी जाग उठी। उन्होंने अनुराग से कहा था, 'बेटा, बहुत समय हो गया है मेरे मुंह पर मेकअप नहीं लगा। बहुत अच्छी कहानी है तुम्हारी, करते हैं। ' अनुराग के लिए धर्मेंद्र जैसे बड़े अभिनेता के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। लेकिन फिल्म की कहानी में एक ऐसा मोड़ था, जिसने इस योजना को आगे बढ़ने से रोक दिया। फिल्म के अंत में धर्मेंद्र के किरदार की मौत हो जाती थी। जब उनके बेटे सनी देओल को इस बात का पता चला, तो उन्होंने अपने पिता को फिल्म करने से मना कर दिया।



प्रज्ञान ओझा बने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के नए चीफ सिलेक्टर, रमेश पोवार को भी मिली चयन समिति में जगह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुरुष क्रिकेट टीम की चयन समिति में बदलाव करते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह अजीत अगरकर की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगे, जिनका कार्यकाल 4 अक्टूबर 2026 को समाप्त हो गया था। इसके साथ ही पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को पुरुष चयन समिति का नया सदस्य बनाया गया है। बीसीसीआई ने 19 अक्टूबर को इसकी आधिकारिक घोषणा की। बोर्ड के अनुसार, टेस्ट मैचों में वरिष्ठता के आधार पर प्रज्ञान ओझा चयन समिति की अध्यक्षता करेंगे। <Cite refs={[Òturnw~}y|wsearch0 ', Òturnw~}y|wsearch1 ']8/> नई पुरुष चयन समिति में प्रज्ञान ओझा अध्यक्ष, जबकि शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार सदस्य होंगे। इस बदलाव के साथ भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के चयन की जिम्मेदारी अब नई समिति के पास होगी। समिति को आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों और प्रमुख टूर्नामेंटों के लिए टीम संयोजन तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ओझा का रहा है अनुभव प्रज्ञान ओझा ने भारतीय टीम की ओर से तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। उन्होंने 24 टेस्ट, 18 एकदिवसीय और छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 113 विकेट दर्ज हैं, जबकि एकदिवसीय मुकाबलों में उन्होंने 21 और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 10 विकेट हासिल किए। टेस्ट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 47 रन देकर छह विकेट रहा। घरेलू क्रिकेट में भी ओझा का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने 108 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 424 विकेट लिए। उनका आखिरी प्रथम श्रेणी मैच वर्ष 2018 में बिहार की ओर से उत्तराखंड के खिलाफ था। इंडियन प्रीमियर लीग में वह डेक्कन चार्जर्स और मुंबई इंडियंस की ओर से खेले। आईपीएल में उन्होंने 92 मुकाबलों में 89 विकेट हासिल किए। वर्ष 2015 के बाद वह आईपीएल की किसी टीम का हिस्सा नहीं रहे। ओझा सितंबर 2025 में बीसीसीआई की पुरुष चयन समिति में शामिल हुए थे। अब वरिष्ठता के आधार पर उन्हें समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। उनके सामने टीम के लिए खिलाड़ियों का चयन करने और विभिन्न प्रारूपों की जरूरतों के अनुरूप संतुलित टीम तैयार करने की जिम्मेदारी होगी। पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को अजीत अगरकर की जगह चयन समिति में शामिल किया गया है। पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और 31 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। उन्होंने 2004 से 2007 के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। बाद में 10 नवंबर 2015 को उन्होंने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। खिलाड़ी के रूप में करियर समाप्त होने के बाद पोवार कोचिंग से जुड़े रहे। उन्होंने पहली बार 2018 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। मई 2021 में उन्हें दोबारा इस पद पर नियुक्त किया गया। इसके अलावा वह मुंबई और गुजरात की टीमों के कोच रहे तथा बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी कोच के रूप में भी काम किया। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान टीम ने एशिया कप का खिताब जीता और राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक हासिल किया।

CJP नेताओं की जमानत पर फिर टली सुनवाई, मजिस्ट्रेट को धमकी मिलने के मामले में एफआईआर दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की जमानत का मामला सोमवार को फिर चर्चा में आ गया। दोनों नेताओं को सोमवार दोपहर मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां उन्हें विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश किया जाना है। उनकी जमानत



पर फैसला होना है। इस बीच, दोनों की जमानत से जुड़े मामले में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट को कथित तौर पर धमकी मिलने की जानकारी सामने आई है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। हालांकि, धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है। आशुतोष रांका और सौरव दास 14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद हैं। सीजेपी ने आरोप लगाया है कि दोनों नेताओं की रिहाई में जानबूझकर देरी की जा रही है। पार्टी का कहना है कि जमानत की प्रक्रिया में बार-बार आ रही बाधाओं के कारण दोनों नेताओं को जेल में रहना पड़ रहा है। वहीं, मजिस्ट्रेट को कथित धमकी मिलने के मामले में पुलिस की ओर से आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह के अनुसार, रविवार को जमानत पर सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट और सरकारी वकील दोपहर 12 बजे से इंतजार के बाद शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। पार्टी का आरोप है कि दोनों नेताओं की रिहाई और जमानत के मुद्दे पर सुनवाई करने के बजाय मजिस्ट्रेट को मिले धमकी भरे संदेश पर चर्चा की गई। रत्ना सिंह ने सवाल उठाया कि कथित संदेश का दोनों नेताओं की जमानत से क्या संबंध है। उनके मुताबिक, सीजेपी ने संदेश भेजने वाले की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई।

अनंत सिंह और जनसुराज प्रत्याशी अनुज सिंह की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, रोड शो को लेकर तीन प्राथमिकी दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। बिहार में मोकामा के विधायक अनंत सिंह और जनसुराज प्रत्याशी अनुज सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। रोड शो के दौरान कथित तौर पर नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक निर्देशों के उल्लंघन को लेकर तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इनमें दो मामले बाढ़ थाने में और एक मामला मोकामा थाने में दर्ज कराया गया है। पुलिस ने दर्ज मामलों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार, बाढ़ थाने में दर्ज दोनों प्राथमिकी आचार संहिता के उल्लंघन और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने के आरोपों से संबंधित हैं। वहीं, मोकामा थाने में प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना और कानून-व्यवस्था से जुड़े आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है। अनंत सिंह के रिश्तेदार कर्मवीर सिंह के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। प्रशासन की ओर से रोड शो के दौरान दी गई अनुमति की शर्तों, आचार संहिता और संबंधित आदेशों के पालन की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आयोजन के दौरान निर्धारित नियमों का उल्लंघन हुआ था या नहीं। फिलहाल आरोपों की पुष्टि जांच और संबंधित दस्तावेजों के आधार पर ही होगी। रोड शो को लेकर सामने आए आरोपों में 11 जेसीबी मशीनों के इस्तेमाल का मामला भी शामिल है। बताया गया है कि आयोजन के लिए केवल 10 वाहनों की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाढ़ में रोड शो के दौरान 11 जेसीबी मशीनों के जरिए फूलों की बारिश कराई गई। इसी मामले में अनंत सिंह के रिश्तेदार कर्मवीर सिंह के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज होने की सूचना है। अब जांच में यह स्पष्ट होगा कि अनुमति की शर्तों का उल्लंघन हुआ था या नहीं और इसके लिए कौन जिम्मेदार था। स पूरे घटनाक्रम के बीच अनंत सिंह की राजनीतिक गतिविधियां भी चर्चा में हैं। वे जदयू विधायक होने के बावजूद पार्टी की राजनीतिक लाइन से अलग रुख अपनाते हुए पटना स्नातक सीट से जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं। इस सीट पर जदयू ने नीरज कुमार को उम्मीदवार बनाया है, जबकि प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी की ओर से अनुज सिंह मैदान में हैं। बताया गया है कि अनंत सिंह जनसुराज प्रत्याशी अनुज सिंह के समर्थन में लगातार रोड शो कर रहे हैं। इसी क्रम में वे पटना से मोकामा पहुंचे, जहां समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों ने अनंत सिंह



के समर्थन में मतदान करने की बात कही और उनकी जीत का दावा किया। अनंत सिंह ने नीरज कुमार को लेकर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई नीरज कुमार से है

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.